सूर्योदय दि. 09-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° | न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHI/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com   Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in   Website | www.opensearch.co.in

जेनिफर लॉरेंस ने पहली बार रेड कार्पेट पर... पृष्ठ-8 पर

वर्ष : 06 अंक : 250 | नई दिल्ली, गुरुवार 09 दिसम्बर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

भारत का सबसे भरोसेमंद सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

शौर्य और साहस का दूसरा नाम रक्षा प्रमुख जनरल बिपिन रावत समेत 13 लोगों की मौत

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। रक्षा प्रमुख जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और कुछ वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को ले जा रहा वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर तमिलनाडु में नीलगिरि जिले के कुन्नूर इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, इसमें 14 लोग सवार थे, जिसमें से एक व्यक्ति जीवित बचा है। नीलगिरि जिले के कलेक्टर एस पी अमृत ने यूनीवार्ता को बताया कि हेलीकॉप्टर पर सवार लोगों में से सिर्फ एक व्यक्ति ही जीवित बचा है। जनरल रावत की सलामती के बारे में अभी अनिश्चितता बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर का मलबा पूरी तरह जलकर खाक हो गया है। अमृत ने इस दुर्घटना के बारे में और कोई विवरण नहीं दिया। वह मौके पर बचाव एवं रावत अभियान की निगरानी कर रहे हैं। इस बीच , रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें घटना की जानकारी दी । इससे पहले सेना प्रमुख एम ए म नरवने ने श्री सिंह से साउथ ब्लॉक में उनके कार्यालय में मिलकर जनरल रावत के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का ब्योरा दिया। श्री सिंह और जनरल नरवने राजधानी में जनरल रावत के आधिकारिक आवास पर भी गये। रक्षा मंत्री इस दुर्घटना पर संसद में गुरुवार को वक्तव्य देने वाले हैं। उन्होंने इस हादसे के बाद वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक की। दुर्घटना कुन्नूर बस स्टैंड से करीब पांच किलोमीटर दूर घाटी में हुई। दुर्घटना स्थल के पर घना जंगल है और वहां पहुंचने में काफी दिक्कतें आती हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हेलीकॉप्टर का एक ब्लेड एक पेड़ से टकरा गया, उसके बाद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने ट्विटर पर एक संदेश में कहा कि उन्हें सीडीएस रावत के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के समाचार से आघात लगा। वह दुखी हैं। उन्होंने कहा कि वह घटनास्थल के लिए रवाना हो रहे हैं। जनरल रावत सुबह विशेष विमान से नयी दिल्ली से सुलूर गये थे, जहां से वह पत्नी मधुलिका रावत और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एम17वी5 हेलीकॉप्टर से वेलिंगटन जा रहे थे, जहां उन्हें सैन्य स्टॉफ कालेज में व्याख्यान देना था। कट्टेरी निवासी एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, ÷ मैं जोर की आवाज सुनने के बाद घर से बाहर निकला और दौड़कर देखा कि एक हेलीकॉप्टर घाटी में नीचे की ओर आ रहा है। वह एक पेड़ से टकराने के बार गिर गया।

पीएम मोदी समेत दिग्गज हस्तियों ने जताई शोक संवेदना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- मैं इस हादसे से व्यथित हूं जिसमें हमने जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और सशस्त्र बलों के अन्य कर्मियों को खो दिया है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। वह एक सच्चे देशभक्त और एक उत्कृष्ट योद्धा थे। उनके निधन से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। ओम शांति... राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका जी के असामयिक निधन से स्तब्ध और व्यथित हूं। आज देश ने अपने सबसे बहादुर सपूतों में से एक को खो दिया है। मातृभूमि के लिए उनकी चार दशकों की निस्वार्थ सेवा असाधारण वीरता से परिपूर्ण थी। उसके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

केंद्र ने दिये ओमिक्रॉन के मरीजों के लिए अलग व्यवस्था करने के निर्देश

नई दिल्ली.एजेंसी

केंद्र सरकार ने कोविड के नये संस्करण ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को देखते हुए इससे पीड़ितों मरीजों के इलाज के लिए अलग व्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों को लिखे एक पत्र में कहा है कि देश के विभिन्न हिस्सों में कोविड का संक्रमण बढ़ने का रुख दिख रहा है।

इनमें ओमिक्रॉन के प्रभावित लोगों के होने की भी आशंका है। पत्र में कहा गया कि राज्यों को संक्रमण रोकने के लिए परीक्षण और निगरानी से जोर देना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की 14 दिन तक विशेष तौर पर निगरानी की जानी चाहिए। उनके संबंधों और यात्राओं का पूरा ब्यौरा रखा जाना चाहिए। कोविड निदान केंद्रों में ओमिक्रॉन से प्रभावित व्यक्तियों के लिए अलग से व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे संक्रमण को तुरंत रोका जा सके।

परीक्षण के दौरान संक्रमित पाये गये व्यक्तियों के नमूने जीनोम सीक्वेंसिंग के भेजे जाने चाहिए। पत्र में सलाह दी गयी कि परीक्षण का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए और जिन जिलों में संक्रमण दर पांच प्रतिशत से अधिक से है, उन जिलों में विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। कोविड मरीजों के इलाज के ई संजीवनी, इंटरनेट, और संचार माध्यमों की मदद ली जानी चाहिए। जानकारों का कहना है कि ओमिक्रॉन के फैलाव की दर डेल्टा से पांच से दस गुना अधिक है। यह हालांकि डेल्टा जितना घातक नहीं है।

कोविड टीकाकरण हुआ 130 करोड़ से अधिक

देश में कोविड टीकाकरण अभियान के 327 वें दिन बुधवार को 72 लाख से अधिक कोविड टीके लगाये गये। इसके साथ ही कोविड टीकाकरण 130 करोड़ के पार पहुंच गया। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने देर शाम यहां बताया कि देश में कोविड टीकाकरण अभियान के तहत आज शाम सात बजे तक 130 करोड 29 लाख 42 हजार 587 कोविड टीके लगाये जा चुके है। आज 72 लाख सात हजार 203 कोविड टीके दिये गये। आंकड़ों के अनुसार 80 करोड 71 लाख 42 हजार 316 लोगों को कोविड टीके की पहली खुराक दी गयी है, जबकि 49 करोड 58 लाख 271 को दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है। मंत्रालय ने कहा है कि टीकाकरण देर शाम तक जारी रहा। इसलिए अंतिम संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। मंत्रालय के अनुसार टीकाकरण की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और उच्चतम स्तर पर निगरानी की जाती है।

एक नज़र

नीतिगत दरें यथावत, विकास के पूर्वानुमान में कोई बदलाव नहीं

मुंबई (एजेंसी) भारतीय रिजर्व की मौद्रिक नीति समिति ने आगे महंगाई के लक्षित दायरे में रहने तथा कोरोना की दूसरी लहर के बाद आर्थिक गतिविधियों के पटरी पर लौटने का हवाला देते हुये आज नीतिगत दरों को यथावत बनाये रखने के साथ ही अपने रूख को समायोजन वाला बनाये रखेगा ताकि आवश्यकता पड़ने पर नीतिगत दरों में जरूरत के अनुरूप बदलाव किया जा सके। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समीति की आज समाप्त तीन दिवसीय पांचवीं द्विमासिक समीक्षा बैठक में सभी नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया गया।

रेपो दर को चार प्रतिशत, रिवर्स रेपो दर को 3.35 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी दर को 4.25 प्रतिशत और बैंक दर को 4.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। नकद आरक्षी अनुपात चार प्रतिशत और एसएलआर 18 प्रतिशत पर बना रहेगा।

त्रिपुरा हिंसाः पत्रकारों पर कार्यवाही पर 'सुप्रीम' रोक

नई दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने त्रिपुरा में सांप्रदायिक हिंसा संबंधी खबरें लिखने के आरोप में पत्रकारों पर दर्ज मुकदमों में आगे की कार्यवाही पर बुधवार को रोक लगाते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मीडिया कंपनी - एच. डब्ल्यू. न्यूज़ नेटवर्क और इसके पत्रकारों - समृद्धि सकुनिया और स्वर्णा झा पर कथित रूप से सांप्रदायिक हिंसा पर कथित दुर्भावनापूर्ण खबरें लिखने के मामले में दर्ज प्राथमिकियों पर कार्रवाई पर अगले आदेश तक रोक लगाते हुए इस मामले में राज्य सरकार को चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने डिजिटल समाचार पोर्टल डब्ल्यू. एच. न्यूज़ नेटवर्क संचालित करने वाली कंपनी थीयोस कनेक्ट द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी करने के आदेश दिए। याचिकाकर्ता के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने दलील देते हुए त्रिपुरा सरकार पर आरोप लगाया कि प्राथमिकी दर्ज करने के पीछे प्रेस को परेशान करने का मकसद छिपा हुआ है। वरिष्ठ वकील लूथरा ने दलील देते हुए कहा कि हिंसा मामले में पत्रकारों पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उन्हें जमानत मिल चुकी है।

विमान से दागी जाने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

बालासोर (एजेंसी)

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के विमान से दागे जाने वाले संस्करण का बुधवार को ओडिशा के तट स्थित चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार परीक्षण के दौरान यह मिसाइल सुपरसोनिक लड़ाकू विमान सुखोई 30 एमके-आई से प्रक्षेपित की गयी थी और अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के नये विकसित विमान संस्करण को पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे हुए प्रक्षेपित किया गया और यह पूर्व नियोजित मार्ग को पूरी तरह तय करते हुए अपने लक्ष्य को भेदने में कामयाब रही। यह प्रक्षेपण ब्रह्मोस मिसाइल के विकास में एक नया आयाम माना जा रहा है। इसे विमान से छोड़ने वाले संस्करण का विनिर्माण तेजी से किया जा सकेगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस मिसाइल इसमें रैमजेट इंजन लगा है, जो मिसाइल के ढांचे से पूरी तरह संयोजित है।

मिसाइल का ढांचा धातु और गैर धातु से निर्मित है तथा इसमें रैमजेट फ्यूल टैंक और न्यूमेटिक फ्यूल सप्लाई सिस्टम शामिल हैं। इस परीक्षण के दौरान मिसाइल की संरचना की मजबूती और उसका कार्य दोनों बिलकुल ठीक पाया गया। ब्रह्मोस के विमान से दागे जाने वाले संस्करण का पिछला परीक्षण इसी साल जुलाई में किया गया था।

झरक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), ब्रह्मोस, भारतीय वायु सेना और इसके निर्माण में शामिल उद्योगों की सराहना की है।

चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास अनुमान 9.5 प्रतिशत पर यथावत : आरबीआई

मुंबई (एजेंसी)

रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रबी की बुवाई में तेजी आने, त्योहारी सीजन से मांग बढ़ने, कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों में नये रोजगार सृजित होने के बीच कोरोना के नये वेरिएंट ओमीक्रान के आने के बाद से इसके मामलों में हो रही बढोतरी तथा वैश्विक घटनाक्रमों से भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रभावित होने की आशंका जताते हुये आज चालू वित्त वर्ष में विकास के अपने पूर्वानुमान को 9.5 प्रतिशत पर यथावत बनाये रखा।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद जारी बयान में यह अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर का प्रभाव कम होने और टीकाकरण में तेजी से घरेलू आर्थिक गतिविधिया कोरोना के पहले के स्तर पर पहुंच रही है। हालांकि कोरोना के नये वेरिएंट का उल्लेख करते हुये उन्होंने कहा कि इसके कारण नये मामलों में बढोतरी हुयी है जो चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि जो सूचनायें मिल रही हैं उसके अनुसार उपभोग की मांग बढ़ रही है। ग्रामीण मांग के साथ ही शहरी मांग में भी बढोतरी हुयी है और लोग यात्री और पर्यटन आदि पर व्यय करने लगे हैं। अक्टूबर नंबवर के दौरान रेलवे माल ढुलाई , बंरगाह पर माल परिवहन, जीएसटी राजस्व संग्रह, टॉल संग्रह, पेट्रोलयिम उपयोग और हवाई यात्रियों की संख्या में बढोतरी हुयी है। हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क और वैट में कमी किये जाने के कारण क्रय शक्ति बढ़ने से उपभोग की मांग में बढोतरी होगी। अगस्त से सरकारी उपभोग में बढोतरी हुयी है जिससे कुल मिलाकर मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पूंजीगत वस्तओं का उत्पादन कोरोना से पहले स्तर पर बना हुआ। अक्टूबर में इन उत्पादों के आयात में भी दहाई अंकों में बढोतरी हुयी है। उन्होंने हालांकि कहा कि कोरोना की दूसरी लहर से प्रभावित अर्थव्यवस्था अब फिर से तीव्रता से बढ़ रही है लेकिन अर्थव्यवस्था अभी इतनी भी मजबूत नहीं हुयी है कि वह बाहरी झटकों को झेल सके और दीर्घकाल तक मजबूत रह सके। इसके मद्देनजर नीतिगत सहयोग का जारी रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इनसभी बातों को ध्यान में रखते हुये चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि के अनुमान को 9.5 प्रतिशत पर यथावत रखा गया है। इसके साथ ही तीसरी तिमाही में इसके 6.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में इसके 6.0 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इसके 17.2 प्रतिशत पर और दूसरी तिमाही में 7.8 प्रतिशत पर रहने की संभावना है।

देश में सक्रिय मामले आठ दिनों से एक लाख से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में कोरोना संक्रमण के प्रतिदिन के घटते -बढ़ते क्रम के बीच स्वस्थ होने वालों की संख्या में निरंतर इजाफे से सक्रिय मामले पिछले आठ दिनों से एक लाख से नीचे हैं। इस बीच मंगलवार को 73 लाख 62 हजार कोविड टीके लगाये गये हैं और इसके साथ ही कुल टीकाकरण संख्या एक अरब 29 करोड़ 54 लाख 19 हजार 975 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 8,439 नये मामले सामने आये और संक्रमितों की संख्या तीन करोड़ 46 लाख 56 हजार 822 हो गई है। इस दौरान 9,525 मरीजों के स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही अब तक तीन करोड़ 40 लाख 89 हजार 137 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। सक्रिय मामले 1281 घटकर 93,733 रह गयी है। सक्रिय मामलों की संख्या गत एक दिसम्बर से एक लाख से नीचे है। इसी अवधि में 195 मरीज जिंदगी की जंग हार गये तथा इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार लाख 73 हजार 952 हो गयी है। देश में रिकवरी दर 98.36 फीसदी तथा सक्रिय मामलों की दर 0.27 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.37 फीसदी है। देश में केरल सक्रिय मामलों और मृतकों के मामलों में अभी भी आगे है। राज्य में सक्रिय मामले 658 घटकर 40,728 हो गये है। राज्य में 5,180 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 50,91,224 हो गयी है।

संसद में हंगामे के बीच पास हुए कई बिल

नई दिल्ली.एजेंसी

हेलीकॉप्टर क्रैश पर बयान देंगे राजनाथ सिंह

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। ऐसे में विपक्ष के शोर-शराबे के बीच में कई महत्वपूर्ण बिलों को सदन ने मंजूरी दी है। विपक्ष लगातार सांसदों के निलंबन का मुद्दा उठा रहा है और आज समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव भी महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए। आज एक ऐसी घटना भी हुई जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया। दरअसल, तमिलनाडु के कुन्नूर में भारतीय वायुसेना का स्ह्व17 हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत 14 लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सदन को इस क्रैश की जानकारी सदन को देंगे।

भारतीय वायुसेना का स्ह्व17 हेलीकॉप्टर तमिलनाडु के कुन्नूर में क्रैश हो गया। इस हेलीकॉप्टर में सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत 14 लोग सवार थे। आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को इस क्रैश की जानकारी सदन को देंगे। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सारी जानकारी साझा की है। लोकसभा ने उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय (वेतन एवं सेवा शर्त) संशोधन विधेयक 2021 को मंजूरी दे दी। विधि एवं न्याय मंत्री किरण रिजीजू ने कहा कि कानून में छोटा सा संशोधन करने के लिए विधेयक लाया गया है और इस पर कोई विवाद नहीं करके सर्व सम्मति से पारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम न्यायाधीश के वेतन, पेंशन या अन्य सुविधाओं को कम नहीं कर रहे हैं बल्कि कुछ विसंगतियों को दूर कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए सख्त नियमन की जरूरत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के संबंध में सख्त मानदंड बनाने के लिए व्यापक चर्चा एवं आम सहमति बनाए जाने की जरूरत है। ताकि ऐसे फिल्मों और धारावाहिकों के प्रसारण को नियंत्रित किया जा सके जो समाज एवं विभिन्न धर्मो में बैमनस्य पैदा करते हैं। उन्होंने लोकसभा में कुछ सदस्यों के प्रश्नों का जवाब देते हुए अश्विनी वैष्णव ने यह बात कही।

लोकसभा में सीमा सुरक्षा बल का अधिकार क्षेत्र बढ़ाए जाने का मामला भी उठा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि पंजाब में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र 50 किमी तक बढ़ाए जाने संबंधी अधिसूचना वापस लिया जाए क्योंकि यह देश के संघीय ढांचे पर हमला है। उन्होंने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। पंजाब के आनंदपुर साहिब से लोकसभा सदस्य तिवारी ने कहा कि 11 अक्टूबर, 2021 को केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी की थी। यह बीएसएफ से संबंधित कानून के विरूद्ध है। पंजाब भौगोलिक दृष्टि से एक छोटा राज्य है। ऐसे में हम जब 50 किमी की बात करते हैं तो फिर आधा पंजाब इसके दायरे में आ जाता है। सरकार ने संसद में बताया कि एनआईए ने आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़े 103 मामलों की जांच की जिनमें से 92.5 फीसदी मामलों में दोषसिद्धि हुई। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में पूरक सवालों का जवाब देते हुए कहा कि एनआईए ने 103 मामलों की जांच की जिनमें 868 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए और 795 लोग गिरफ्तार किए गए। उन्होंने ने बताया कि इनमें से 97 लोगों के खिलाफ आरोप सिद्ध हुए।

राज्यसभा की कार्यवाही

राज्यसभा के 12 सदस्यों का निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर उच्च सदन में एक बार फिर कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा किया। जिसकी वजह से सदन सुचारू ढंग से नहीं चल पाया। इसके अलावा कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा समेत कुछ अन्य सदस्यों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिया है। जिन्हें सभापति एम वेंकैया नायडू ने स्वीकार नहीं किया। इस पर सदन में कांग्रेस के उपनेता आनंद शर्मा ने कहा कि हुड्डा ने जो नोटिस दिया है वह किसानों के मुद्दों से संबंधित है और आसन ने आश्वासन दिया था कि नियमों के तहत यदि इस मुद्दे को उठाया जाएगा तो चर्चा कराई जाएगी।

निलम्बित सदस्य माफी नहीं मांगेगे : विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी) विपक्षी दलों ने कहा है कि सरकार संसद में लोकतंत्र की हत्या कर रही है और गलत तरीके से सदस्यों का निलम्बन किया गया है इसलिए विपक्ष एकजुट है और विपक्ष के सभी निलम्बित 12 सदस्य माफी नहीं मांगेगे। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि संसद सदस्यों का निलम्बन नियम के विरुद्ध तथा संविधान के खिलाफ है और इस बारे में एक सप्ताह से लगातार राज्यसभा के सभापति से वापस लेने की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार सुन नहीं रही है। उनका कहना था कि सभापति से बराबर मिल रहे हैं और सदन में भी बात उठा रहे हैं लेकिन वह सुन नहीं रहे हैं और अड़े हुए हैं तथा निलंबन वापस नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि निलम्बन में जो बातें कही गई है वैसा कुछ हुआ ही नहीं है लेकिन जबरन आरोप लगाए जा रहे हैं। सदस्यों का निलम्बित गलत है और सरकार को सदन चलाना चाहिए और विपक्ष इसमें सरकार की मदद करेगा लेकिन पहले सरकार को निलम्बन वापस लेना होगा।

एक नज़र

सहारनपुर में महिला सहित तीन ड्रग तस्कर गिरफ्तार, कई जिलों में करते थे सप्लाई

सहारनपुर (एजेंसी) सरसावा थाना पुलिस और एसओजी टीम को बुधवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से एक महिला समेत तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। तीनों के कब्जे से लगभग एक करोड़ की स्मैक बरामद हुई है। तीनों लोग बरेली जनपद के रहने वाले हैं और पिछले काफी समय से पश्चिम उत्तर प्रदेश में स्मैक की तस्करी कर रहे थे। एसएसपी ने दोनों टीमों को 25 हजार का इनाम दिया है।

पुलिस लाइन के सभागार में प्रेस वार्ता के दौरान एसएसपी आकाश तोमर ने बताया कि सरसावा थाना क्षेत्र के गांव झबीरण के समीप सरसावा थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह, एसओजी प्रभारी जयवीर सिंह वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी समय एक टाटा जेस्ट कार आई और पुलिस को देखकर भागने लगी। एसओजी ने कार पर गोली चला दी।

जिससे कार का टायर फट गया और कार रुक गई। जिसके बाद कार में से एक महिला समेत तीन लोगों को पकड़ा गया। तीनों के पास से 566 ग्राम स्मैक, दो तमंचे बरामद हुए। पूछताछ में आरोपितो ने अपने नाम आसिफ पुत्र जमील अहमद अंसारी निवासी ग्राम खैलम थाना अलीगंज, फिरोज अहमद पुत्र अब्दुल गनी निवासी मोहल्ला सैदपुर निकट हॉकिंस स्कूल थाना इज्जत नगर जिला बरेली और नजमा पत्नी आसिफ उर्फ बबलू निवासी गांव खायनम थाना अलीगंज जनपद बरेली बताएं।

तीनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह बरेली से स्मैक लाकर पश्चिम उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली आदि जिलों में सप्लाई करते हैं। इसके अलावा हरियाणा के यमुनानगर पानीपत हिसार और पंजाब के भी कई जिलों में सप्लाई करते हैं। पकड़े गए आरोपी तो के दो साथी फरार होने में कामयाब हो गए, जो सरसावा थाना क्षेत्र के गांव झबीरण के रहने वाले हैं।

लखीमपुर खीरी का हिस्ट्रीशीटर शाहजहांपुर में मचा रहा था उत्पात, पुलिस ने साथी सहित पकड़ा तो खुला ये राज

बरेली (एजेंसी) शाहजहांपुर पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गिरोह के सरगना लखीमपुर खीरी निवासी हिस्ट्रीशीटर समेत दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से चोरी की बाइक, तमंचा, कारतूस व चाकू भी बरामद हुआ है। हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी व शाहजहांपुर में 14 मुकदमे दर्ज है। लखीमपुर जिले के पसगवां थाना क्षेत्र के मोहद्दीनपुर गांव निवासी सुशील कुमार पांच दिसंबर को गुर्री स्थित आश्रम पर आए थे। जहां से उनकी बाइक चोरी हो गई थी।

उन्होंने रोजा थाने में बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार देर रात प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा बरतारा चौराहे के पास वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। पुलिस को देखकर एक बाइक पर सवार दो लोग भागने लगे। पीछा करने पर दोनों को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर पुलिस को तमंचा, कारतूस व चाकू बरामद हुआ। पूछताछ करने पर अपना नाम लखीमपुर खीरी जिले के पसगवां थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर रहीमपुर गांव निवासी मंगूलाल उर्फ राजेश कुमार व सिंधौली थाना क्षेत्र के बरौरा गांव निवासी गौतम बताया। पूछताछ करने पर बताया कि बाइक चोरी करने का गिरोह चलाते है।

मौके पर जो बाइक मिली वह भी चोरी की है। सीओ सदर अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि मंगूलाल हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ लखनऊ के गुडम्बा थाने में छह, लखनऊ के गोमतीनगर थाने में एक, शाहजहांपुर के रोजा व हरदोई के पिहानी थाने में दो-दो व लखीमपुर के पसगवां थाने में लूट, चोरी आदि के मुकदमे दर्ज है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

पीलीभीत में युवक ने की महिला सपा नेता से छेड़छाड़, हाथ पकड़ कर ई रिक्शे से खींचा नीचे

बरेली (एजेंसी) पीलीभीत में समाजवादी पार्टी की महिला नेता से राह चलते छेड़छाड़ की गई। महिला नेता का आरोप है कि इससे पहले उसे मोबाइल फोन पर धमकियां मिल चुकी हैं। महिला नेता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शहर में सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक कालोनी निवासी सपा की महिला नेता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि सात दिसंबर को दोपहर वह अपने बच्चे को लेने के लिए उसके स्कूल जा रही थी।

जिस ई-रिक्शा पर सवार होकर वह स्कूल जा रही थी, उसे रास्ते में एक युवक ने जबरन रुकवा लिया। इसके बाद युवक उसका हाथ पकड़कर नीचे खींचने लगा। युवक ने उससे कहा कि वह नीचे उतरे, ई-रिक्शा पर वह बैठेगा। तब उन्होंने युवक से कहा कि वह अपने बच्चे को लेने स्कूल जा रही हैं। जब युवक मानने को तैयार नहीं हुआ तो उसे पकड़कर टनकपुर रोड स्थित गौहनिया चौराहा पर खड़े सिपाही व होमगार्ड के हवाले करके कार्रवाई की मांग की। लेकिन उन लोगों ने युवक को छोड़ दिया।

उसे सलाह दी कि थाने जाकर शिकायत दर्ज कराएं। बाद में इस युवक को फिर से पकड़ लिया जाएगा। महिला नेता का कहना है कि इससे पहले उन्हें मोबाइल फोन पर भी धमकी दी गई है। इसकी शिकायत वह एसपी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से भेज चुकी हैं। महिला नेता ने आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत द्विवेदी के अनुसार मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

कानपुर ट्रिपल मर्डर : पत्नी का भाई कर रहा डॉक्टर के जिंदा होने की प्रार्थना, लाक ठीक कराकर सील किया फ्लैट

कानपुर (एजेंसी) कल्याणपुर के डिविनिटी होम अपार्टमेंट में पत्नी, बेटी और बेटे की हत्या के बाद गायब डाक्टर सुशील कुमार के फ्लैट में पुलिस ने रिश्तेदारों की मौजूदगी में फ्लैट के एंट्री डोर के लाक को सही कराया और उसे सील कर दिया। घटना के दिन अंदर दाखिल होने के लिए पुलिस ने दरवाजा तुड़वाया था। वहीं पत्नी चंद्रप्रभा का भाई अब आरोपित डॉक्टर के जिंदा होने की प्रार्थना कर रहे हैं। अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 501 में रहने वाला डाक्टर सुशील कुमार पत्नी, बेटे व बेटी की हत्या को अंजाम देने के बाद मुख्य गेट को लाक करके चला गया था। मैसेज के जरिए सूचना मिलने पर जब भाई डाक्टर सुनील मौके पर पहुंचे तो पुलिस की मौजूदगी में दरवाजे का लाक तोड़कर फ्लैट के अंदर दाखिल हुए थे। मंगलवार को पुलिस ने एक बार फिर अपार्टमेंट पहुंच कर सीसीटीवी फुटेज चेक किए।

इसके बाद डाक्टर सुनील, साले प्रदीप और उसके चाचा को बुला फ्लैट के एंट्री डोर के टूटे लाक को सही कराया। बाद में दोबारा फ्लैट को सील किया गया। इस दौरान पुलिस ने वीडियोग्राफी भी कराई। कल्याणपुर इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे ने बताया कि फ्लैट के लाक को सही कराने के बाद फ्लैट को सील किया गया है। चंद्रप्रभा के भाई प्रदीप कुमार इतना सब होने के बाद भी ईश्वर से बहन के हत्यारे डाक्टर सुशील के जिंदा होने की प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मनोराग जैसा कुछ नहीं है। डाक्टर ने जो कुछ किया, सुनियोजित है। वह इसलिए उसके जिंदा होने की प्रार्थना कर रहे हैं ताकि जब आमना सामना हो तो पूछ सकें कि आखिर कौन से कारण थे, जिसकी वजह से उसने ऐसा किया। पुलिस की एक टीम ने मंगलवार को रामा मेडिकल कालेज में मनोरोग विभाग के डाक्टरों से पूछताछ की।

साथी डाक्टरों ने भी ऐसा कुछ नहीं बताया जिससे यह पता चल सके कि डाक्टर सुशील मनोरोगी था। एडीशनल डीसीपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि डाक्टर सुशील के मनोरोगी होने का कोई साक्ष्य नहीं मिला। किसी भी डाक्टर ने उसे मनोरोग की दवा देने से इन्कार किया। हालांकि इस दिशा में जांच अभी और चलेगी। मंधना के रामा मेडिकल कालेज में फोरेंसिक विभागाध्यक्ष के पद पर तैनात डाक्टर सुशील कुमार के स्थान पर संस्थान ने उनके जूनियर डाक्टर सकेरे को विभागाध्यक्ष बनाया है। रामा मेडिकल कालेज प्रशासन ने डाक्टर सुशील को निलंबित कर दिया था। मेडिकल कालेज के डीन डाक्टर बृजेन्द्र निगम ने नई तैनाती की पुष्टि की है।

यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो सरकारी नौकरियों में महिलाओं को देंगे 40 प्रतिशत आरक्षण : प्रियंका गांधी वाड्रा

लखनऊ.ओपन सर्च

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी कांग्रेस कमेटी कार्यालय में बुधवार को पार्टी का महिला घोषणापत्र जारी किया। इसे शक्ति विधान नाम दिया गया है। घोषणा पत्र को लॉन्च करते हुए प्रियंका ने कहा कि देश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार महिलाओं पर केंद्रित घोषणापत्र जारी किया जा रहा है। घोषणा पत्र को छह हिस्सों में बांटा गया है- स्वाभिमान, स्वावलंबन, शिक्षा, सम्मान, सुरक्षा और सेहत। उन्होंने कहा कि आज की महिला लड़ना चाहती है। हमने उसी भावना को ध्यान में रखते हुए इस घोषणापत्र को बनाया है।

प्रियंका वाड्रा ने ऐलान किया कि यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो सरकारी नौकरियों में 40 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देंगे। इसके साथ पुलिस विभाग में 25 प्रतिशत महिलाओं को भर्ती किया जाएगा। महिलाओं के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र लॉन्च करते हुए प्रियंका ने कहा कि इससे दूसरे राजनीतिक दलों पर भी दबाव होगा कि महिलाओं की भागीदारी को गंभीरता से लिया जाए। करुणा, दया, आशा महिलाओं का गुण है। ये गुण राजनीति में भी आए। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी इसलिए जरूरी है ताकि महिला सशक्तिकरण केवल कागजों में न रह जाए। महिलाओं के लिए वह माहौल देना होगा कि वे अपनी बात कह सकें। महिलाओं का शोषण हो रहा और वे लड़ रही हैं। यह नारा वहीं से आया है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि महिलाओं के लिए तैयार किए गए इस घोषणा पत्र को छह हिस्से में बांटा गया है। पहला स्वाभिमान, दूसरा स्वावलंबन, तीसरा शिक्षा, चौथा सम्मान, पांचवा सुरक्षा और छठा सेहत। उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देने की हमने घोषणा की है। अब इसे 50 प्रतिशत तक पहुंचाया जाएगा। इससे हम राजनीति में महिलाओं की असमानता को ठीक करने की कोशिश करेंगे। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी 14 प्रतिशत से भी कम है। जब महिलाओं को टिकट में ज्यादा मौके मिलेंगे तो यह प्रतिशत बढ़ेगा। प्रियंका गांधी वाड्रा कहा कि यूपी में कांग्रेस की सरकार बनी तो सरकारी नौकरियों में 40 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देंगे। जैसी कि कांग्रेस ने पहले घोषणा की है कि 20 लाख लोगों को रोजगार देंगे। इसमें से 20 लाख महिलाओं को नौकरी जी जाएगी। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत तक महिलाओं को नौकरी देने वाले व्यवसायों को कर में छूट और सहायता मिलेगी। जो व्यवसाय महिलाएं संचालिक करेंगी उसे सस्ते दर पर ऋण और टेक्स रिफंड के लिए फंड उपलब्ध कराया जाएगा। कामकाजी महिलाओं को लिए प्रदेश के 25 शहरों में सुरक्षित और नवीनतम सुविधाओं वाले हास्टल बनाए जाएंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा कहा कि ग्रामीण और कुटीर उद्योगों में महिलाओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। इसके लिए आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को 10,000 रुपये मानदेय मिलेगा। सहायता समूहों को चार प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण और मनरेगा में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही मनरेगा के 40 प्रतिशत कार्यों में महिलाओं को आरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य की 50 प्रतिशत राशन की दुकानों का संचालन महिलाओं द्वारा किया जाएगा। प्रियंका गांधी वाड्रा कहा कि महिलाओं के शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए काई और भी बड़े कदम उठाए जाएंगे। इंटर पास छात्राओं को स्मार्ट फोन दिए जाएंगे। इसी प्रकार स्नातक उत्तीर्ण युवतियों को स्कूटी दी जाएगी। राज्य में वीरांगनाओं के नाम पर 75 दक्षता विद्यालय बनाए जाएंगे। पूरे राज्य में महिलाओं द्वारा संचालित संध्या विद्यालय भी स्थापित किए जाएंगे। खास तौर पर इनका निर्माण शहरों में किया जाएगा। जहां महिलाओं शाम को पढ़ाई कर सकेंगी। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण सिर्फ विज्ञापन तक ही सीमित रह गया है। सरकार इन विज्ञापनों पर 40 प्रतिशत तक धन खर्च करती है। प्रियंका गांधी वाड्रा कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायतों में महिला चौपाल का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक गरीब परिवारों को मुफ्त इंटरनेट दिया जाएगा। महिलाओं के लिए निजी क्षेत्र या अंतरराष्ट्रीय विद्यालयों के साथ साझेदारी में दस विश्वस्तरीय आवासीय खेल अकादमी का निर्माण कराया जाएगा। परिवार में पैदा होने वाली प्रत्येक बालिका के लिए एक निश्चित राशि का फिक्स डिपाजिट बनवाया जाएगा। जिन महिलाओं को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है उनकी मदद के लिए प्रशिक्षित सामजिक कार्यकर्ता तैनात किए जाएंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यूपी में महिलाओं की सुरक्षा का क्या हाल है, सभी जानते हैं। हर दिन महिलाएं मुझसे मिलती हैं और अपना दर्द कहती हैं। पुलिस और प्रशासन, अपराधी के साथ होती है। भाजपा याद रखे कि प्रदेश में सात साल से वह सत्ता में हैं। 60 साल उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार की रट बेकार की बात है। महिलाओं के लिए यह पहल की है। हर चीज का वक्त है, अब इसका है। महिला आवाज उठा रही है। अपना हक मांग रही है। ये उसका प्रतिबिम्ब है। लड़कियों में अच्छा रिस्पॉन्स है। बता दें कि कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने का वादा किया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा महिलाओं के लिए प्रतिज्ञा स्वरूप कई घोषणाएं कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि पार्टी के महिला घोषणापत्र में अब तक की गई प्रतिज्ञाओं के अलावा कुछ नई घोषणाएं होंगी। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि पार्टी का महिला घोषणा पत्र महिला सशक्तीकरण की राह में मील का पत्थर साबित होगा।

बता दें कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में पार्टी की सरकार बनने पर इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्राओं को स्मार्ट फोन और स्नातक उत्तीर्ण युवतियों को स्कूटी देने का वादा किया है। महिलाओं को सालाना रसोई गैस के तीन मुफ्त सिलिंडर देने की घोषणा भी की है। महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा और नए सरकारी पदों में आरक्षण प्राविधानों के अनुसार 40 प्रतिशत महिलाओं की नियुक्ति का ऐलान भी किया गया है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को 10,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय देने तथा वृद्धावस्था व विधवा पेंशन को बढ़ाकर 1,000 रुपये करने की घोषणा भी पार्टी की ओर से की जा चुकी है। प्रदेश में वीरांगनाओं के नाम पर 75 दक्षता विद्यालय स्थापित करने की घोषणा भी की जा गई है।

पाकिस्तान से यूपी आए 63 हिंदू परिवारों को सीएम योगी आदित्यनाथ का उपहार, कल करेंगे सम्मानित

लखनऊ.ओपन सर्च

पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से वर्ष 1970 में आये विस्थापित हिंदू बंगाली परिवारों को उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। मेरठ स्थित हस्तिनापुर में रह रहे इन 63 बंगाली परिवारों को को कानपुर देहात के रसूलाबाद तहसील अंतर्गत भैंसाया गांव में पुनर्वासित किया जा रहा है।

इन परिवारों को नौ दिसंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मानित करेंगे। इस दौरान सीएम योगी इन परिवारों को जमीन के कागजात भी सौंपेंगे। इस सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए बुधवार को सभी परिवार हस्तिनापुर से लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं। इन विस्थापित हिंदू बंगाली परिवारों को पुनर्वासित किए जाने की योजना से वंचित रह गए परिवारों को बसाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंभीर हैं। पुनर्वास विभाग एवं एक्ट समाप्त होने के बावजूद कैबिनेट में निर्णय लेकर लेकर मेरठ के हस्तिनापुर से 63 परिवारों को पुनर्वासित करने के लिए रसूलाबाद के भैंसायां व आसपास के गांव की जमीनों पर बसाने का काम शुरू कर दिया गया है। जमीन देख ली गई है और जल्द ही सुविधाओं को देते हुए परिवारों को वहां पहुंचाया जाएगा। बता दें कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट ने पूर्वी पाकिस्तान से उत्तर प्रदेश आए हिंदू बंगाली परिवारों का नए सिरे से पुनर्वासित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इन परिवारों को खेती के लिए दो-दो एकड़ और घर बनाने को 200 वर्ग मीटर जमीन कानपुर देहात में दी जा रही है। मकान बनाने के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना से 1.20 लाख रुपये भी दिए जाएंगे। दरअसल, उत्तर प्रदेश में वर्ष 1970 में पूर्वी पाकिस्तान से 65 बंगाली परिवार उत्तर प्रदेश आए थे। इन्हें रोजगार देकर मदन कपास मिल हस्तिनापुर, मेरठ में पुनर्वास किया गया था। यह मिल आठ अगस्त, 1984 को बंद हो गई थी। इसके चलते हिंदू बंगाली परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था। चूंकि दो परिवारों के सदस्यों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसे में 63 परिवार पिछले 30 साल से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे थे।

योगी सरकार ने इन परिवारों के लिए कानपुर देहात में 121.41 हेक्टेयर भूमि पर पुनर्वास की योजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस जमीन में भूमि सुधार व सिंचाई सुविधा मनरेगा से विकसित कराई जाएगी, जिससे इन्हें अच्छी सुविधाएं मिल सकें। इन परिवारों को खेती व मकान बनाने के लिए जमीन एक रुपये लीज रेंट पर 30 वर्ष के लिए पट्टे पर दी जाएगी। यह पट्टा अधिकतम दो बार 30-30 वर्ष यानी कुल 90 वर्ष के लिए नवीनीकरण हो सकेगा।

ट्रेनों में अब आरक्षण कराने की जरूरत नहीं, 10 ट्रेनों में 10 से बिना रिजर्वेशन कीजिए सस्ते किराए का सफर

लखनऊ (एजेंसी) अब वाराणसी, बरेली, दिल्ली, चंडीगढ़ सहित कई शहरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्री सस्ते किराए में सफर कर सकेंगे। रेलवे प्रशासन 10 दिसंबर से अपनी 10 प्रमुख ट्रेनों में जनरल टिकट से यात्रा की सुविधा शुरू करने जा रहा है। ऐसे में अब यात्रियों को अचानक यात्रा करने के लिए रेल आरक्षण की आवश्यकता नहीं होगी। पिछले साल कोरोना के कारण संपूर्ण लाकडाउन में सभी ट्रेनें निरस्त हुई थी। जबकि एक मई से श्रमिक स्पेशल और 13 मई से राजधानी स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत हुई। पिछले साल जून में रेलवे ने क्लोन और फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों की शुरुआत की। इन ट्रेनों में जनरल क्लास की जगह सेकेंड सीटिंग क्लास का रिजर्वेशन शुरू किया गया। कोरोना के कारण अधिक भीड़ न हो इसके लिए रेलवे ने जनरल क्लास का सफर अब तक बंद कर रखा था। एक दिसंबर से रेलवे ने पदमावत और अयोध्या फैजाबाद एक्सप्रेस व काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के सेकेंड सीटिंग क्लास का रिजर्वेशन बंद कर दिया। वहीं इंटरसिटी ट्रेनों में पहले की तरह जनरल क्लास के सफर की अनुमति दे दी। रेलवे प्रशासन ने 15 नवंबर से सभी ट्रेनों के नंबर के आगे से शून्य को हटा दिया। अब यह ट्रेनें नियमित हो गई। हालांकि सेकेंड सीटिंग क्लास का रिजर्वेशन अब तक लागू होने से यात्रियों को 15 रुपये प्रति टिकट अधिक किराया देना पड़ रहा है। उत्तर रेलवे प्रशासन ने 10 दिसंबर से 10 जोड़ी ट्रेनों में जनरल क्लास का टिकट लेकर यात्रा करने की अनुमति दी है।

दो अन्य मानव तस्करों के करीब यूपी एटीएस, बांग्लादेशी व रोहिंग्या के फर्जी दस्तावेज भी बनवाते थे

लखनऊ (एजेंसी)

यूपी के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के हाथ मानव तस्कर गिरोह के दो अन्य सक्रिय सदस्यों के बारे में अहम सुराग लगे हैं। यह दोनों बांग्लादेश व म्यांमार के नागरिकों की पहचान बदलकर उन्हें विदेश भेजने और उनके फर्जी दस्तावेज बनवाने में मदद करते थे। मानव तस्कर गिरोह के सदस्यों से बीते दिनों हुई पूछताछ के दौरान एटीएस को कई अहम जानकारियां मिली थीं, जिनके आधार पर आगे की छानबीन की जा रही है। बांग्लादेश व म्यांमार के नागरिकों को अवैध घुसपैठ कराने के बाद उन्हें हिंदू नामों से यूरोप के देशों में भेजने वाले गिरोह की छानबीन चल रही है। एटीएस घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेजों के जरिए उनके आधार कार्ड व ऐसे अन्य दस्तावेजों से लेकर पासपोर्ट बनवाने में मददगार रहे युवकों की भी तलाश कर रही है। सूत्रों का कहना है कि इनमें प्रदेश के निवासी दो युवकों की भूमिका सामने आने के बाद उनकी तलाश तेज की गई है। इनमें अलीगढ़ का निवासी एक युवक गिरोह के सक्रिय सदस्य रोहिंग्या मु.जमील के सीधे संपर्क में था। उल्लेखनीय है कि एटीएस ने जमील को पश्चिम बंगाल से पकड़ा था और जमील के अलीगढ़ कनेक्शन सामने आए थे। जमील ने अपने कई फर्जी दस्तावेज भी अलीगढ़ के पते पर बनवाए थे। वहीं इस मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली एयरपोर्ट पर काम करने वाले अजय घिल्डियाल से मिली जानकारियों के आधार पर भी कई संदिग्धों की छानबीन की जा रही है। एटीएस ने 26 अक्टूबर को मिथुन मंडल व तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर मानव तस्कर गिरोह का राजफाश किया था।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की एक साइड पर 31 दिसंबर से फर्राटा भरेंगे वाहन

लखनऊ.ओपन सर्च ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार तमाम परियोजनाओं के काम में तेजी लाकर जल्द पूरा करा देना चाहती है। इनमें सरकार की प्राथमिकता में शामिल बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का लोकार्पण इसी महीने का लक्ष्य तय है।

दावा भी किया गया है कि 31 दिसंबर तक एक्सप्रेसवे की एक साइड यातायात के लिए खोल दी जाएगी, जबकि दोनों साइड इसी वर्ष 30 अप्रैल तक शुरू होंगी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव आरके तिवारी ने मंगलवार को लोकभवन में आयोजित प्रोजेक्ट मानीटरिंग ग्रुप की बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए काम को गति दें। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का एक साइड यातायात के

लिए 31 दिसंबर तक खोला जाना है। बाकी काम को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। कहा कि इसकी भी एक साइड जून, 2022 तक खोलने का लक्ष्य है। उसी के अनुसार टाइमलाइन बनाकर काम करें। डिफेंस कारिडोर की समीक्षा में उन्होंने लखनऊ नोड में लैंडबैंक बढ़ाने के साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे के प्रस्तावित शिलान्यास के लिए सभी तैयारियां समय से पूरा कराने पर जोर दिया। परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण करते हुए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि एक्सप्रेसवे का निर्माण निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार किया जा रहा है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की एक साइड 31 दिसंबर तक और दोनों साइड 30 अप्रैल, 2022 तक यातायात के लिए खोल दी जाएंगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का काम भी तेजी से चल रहा है। निर्धारित समय में इसे पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे के लिए 93 प्रतिशत भूमि उपलब्ध है। निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वहीं, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर टायलेट बनाए जा रहे हैं।

साइनेज का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने डिफेंस कारिडोर के सभी नोड पर कंपनियों को आवंटित जमीन और प्रगति का भी ब्योरा रखा। बैठक में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास अरविन्द कुमार सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ आज मथुरा में जनसभा को करेंगे संबोधित, 201 करोड़ की योजनाओं का देंगे उपहार

लखनऊ (एजेंसी)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मथुरा के मांट विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे। करीब एक घंटे के अपने कार्यक्रम में सीएम योगी मथुरा जिले की 201 करोड़ रुपये की 196 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इस दौरान वह विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरित करेंगे।

मुख्यमंत्री की इस जनसभा को सियासी सभा के रूप में देखा जा रहा है। मांट में अचानक इस सभा के राजनीतिक रूप से कई मायने भी हैं। अब तक भाजपा के लिए विधानसभा चुनाव में बंजर रही मांट सीट पर भाजपा कमल खिलाने को बेताब है। माना जा रहा है कि विपक्षियों के अभेद्य किले को भेदने के लिए ही सीएम योगी आदित्यनाथ यहां जनसभा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मांट विधानसभा के ब्रज आदर्श इंटर कालेज में जनसभा को संबोधित करेंगे। सीएम योगी विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार मांट आ रहे हैं। सोमवार को ही उनका कार्यक्रम तय हुआ, ऐसे में आनन-फानन में अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दीं। मुख्यमंत्री सुबह 11.40 बजे आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

यहां से वह हेलीकाप्टर से दोपहर 12 बजे मांट के ब्रज आदर्श इंटर कालेज में बने हेलीपैड पर पहुंचेंगे। एक बजे तक वह मांट में रहने के बाद शाहजहांपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। सीएम जिले को दो अरब एक करोड़ 16 लाख रुपये की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 82 योजनाओं का लोकार्पण व 114 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

इन परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मांट के ब्रज आदर्श इंटर कालेज में जनसभा करने के दौरान जिन योजनाओं का लोकार्पण करेंगे, उनमें सीएंडडीएस जल निगम की 8.7 करोड़ की, आवास विकास परिषद आगरा की 1.8 करोड़ की, मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण की 28 करोड़ की, राजकीय निर्माण निगम की 8.4 करोड़ की और पंचायतीराज विभाग की 12 करोड़ की परियोजनाएं शामिल हैं। यह कुल 59.5 करोड़ रुपये की होंगी।

इन योजनाओं का करेंगे शिलान्यास ¬ जिन योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, उनमें सीएंडडीएस जलनिगम की 47 करोड़ की, आवास विकास परिषद की 49 लाख की, राजकीय निर्माण निगम की 43 लाख की, यूपी सिडको की 18 करोड़ की, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की 57 करोड़ की और पंचायती राज विभाग की 18 करोड़ की परियोजनाएं शामिल हैं।

यह कुल 141.5 करोड़ रुपये की होंगी। भाजपा के लिए बंजर मांट में कमल खिलाने की कोशिश : वर्ष 2017 में जब पूरे उत्तर प्रदेश में भाजपा की लहर थी, तब भी मांट में कमल मुरझा गया। हालांकि बीते चुनाव में भाजपा ने यहां बेहतर प्रदर्शन किया। इससे पहले के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के सामने जमानत बचाना मुश्किल हो गया। बीते चुनाव में जिले की पांच में से चार विधानसभा सीटों पर कमल खिला, लेकिन मांट में हाथी दौड़ा। यहां से बसपा के श्याम सुंदर शर्मा लगातार आठवीं बार जीते।

वर्ष 2012 में जरूर रालोद के जयंत चौधरी ने यहां श्याम सुंदर को चुनाव हराया, लेकिन बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। 2012 में ही हुए उपचुनाव में श्याम सुंदर शर्मा ने फिर सीट जीत ली। श्याम सुंदर शर्मा के सियासी किले को भेदने के लिए लंबे समय से भाजपा भी यहां रणनीति बना रही है।

ऐसे में चुनावी अधिसूचना जारी होने से पहले मुख्यमंत्री का इस क्षेत्र में कार्यक्रम इसी लिहाज से माना जा रहा है। जनसभा में सीएम का संबोधन भी यहां के लिए लिहाज से काफी अहम होगा। सीएम का नहीं उतरने देंगे हेलीकाप्ट ¬ सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को लेकर भाकियू अंबावता ने विरोध दर्ज कराया। हेलीपैड स्थल पर नारेबाजी की और एलान किया कि बुधवार को सीएम का हेलीकाप्टर नहीं उतरने देंगे और हेलीपैड पर ही गोवंशीय पशु लेकर जाएंगे।

भाकियू अंबावता के जिलाध्यक्ष राजकुमार तोमर ने बताया कि हेलीकाप्टर यहां उतरने नहीं देंगे। हेलीपैड स्थल पर सुबह से ही वह गोवंशीय को लेकर आएंगे। कार्यकर्ताओं द्वारा मंगलवार को नारेबाजी किए जाने की सूचना पर एसडीएम मांट आदित्य प्रजापति, क्षेत्राधिकारी मांट नेत्रपाल सिंह मौके पहुंच गए और कार्यकर्ताओं को समझाया।

एक नज़र

इंटरनेट काल कर 10 लाख की रंगदारी मांगने का मामला सुलझा, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) रंगदारी नहीं देने पर फर्नीचर कारोबारी को एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे बेटे की हत्या की धमकी देने के मामले को द्वारका जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ ने सुलझाते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस वर्ष द्वारका नार्थ थाने में जनवरी महीने में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई गई थी। जानकारी दर्ज होने के बाद से आरोपितों का पता लगाने का प्रयास लगातार जारी रहा। इस बीच छानबीन के दौरान पुलिस ने न सिर्फ भारत बल्कि हांगकांग तक से इस मामले में जानकारी जुटाई और आरोपितों को आखिरकार ढूंढ निकाला।

गिरफ्तार आरोपितों में संदीप, राकेश व जाकिर शामिल है। पुलिस के अनुसार आरोपितों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए इंटरनेट कालिंग की थी। आरोपितों में संदीप ने फर्जी दस्तावेज और अपने फोटो के जरिए वारदात में इस्तेमाल सिम खरीदा, जबकि राकेश वोडाफोन का प्रतिनिधि है जिसने सिम कार्ड जारी किया। वहीं जाकिर ने रंगदारी मांगने के लिए अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया। इस मामले में शिकायतकर्ता की ओर से पुलिस को बताया गया था कि अज्ञात विदेशी फोन नंबर से फोन कर 10 लाख की रंगदारी देने के लिए धमकी दी जा रही है। पैसे नहीं देने पर फरीदाबाद स्थित मेडिकल कालेज से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले बेटे को जान से मारने की धमकी काल करने वाले बदमाश दे रहे हैं। स्पेशल स्टाफ के प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार व साइबर सेल ने इस मामले पर नजर रखनी शुरू की।

जांच में पता चला कि जिस नंबर से फोन किया गया वह हांगकांग से लिया गया है। पुलिस ने इसके बाद हांगकांग की जिस कंपनी ने यह सुविधा उपलबध कराई थी, उससे संपर्क किया। वहां से पता चला कि इस नंबर को जिस इंटरनेट कंपनी ने कालिंग की सुविधा दी थी, वह भारतीय कंपनी थी। इसके बाद पुलिस ने भारतीय कंपनी से संपर्क कर उस आइपी नंबर का पता लगाया जिसका इस्तेमाल इंटरनेट कालिंग के लिए किया गया था। आईपी नंबर के माध्यम से पुलिस सिम नंबर का पता लगाने में कामयाब हुई। जब नंबर के बारे में जानकारी एकत्रित करनी शुरू हुई तो पता चला कि नंबर अंकित सिंह के फर्जी नाम से लिया गया था।

किलोकरी गांव में रहने वाले बुजुर्ग ने ढोल वाले को ढोल बजाने से मना किया तो ईंट से फोड़ दिया उनका सिर

नई दिल्ली (एजेंसी) सनलाइट कालोनी थानाक्षेत्र में बुजुर्ग की पिटाई का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार बीमार बुजुर्ग ने अपने घर के बाहर ढोल बजाने का विरोध किया तो ढोल वाले ने बुजुर्ग को जमकर पीटा और फिर ईट मार कर उनका सिर फोड़ दिया। पीड़ित बुजुर्ग की शोर सुनकर परिजन घर से बाहर आए और उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल 71 वर्षीय महेंद्र कुमार शर्मा परिवार के साथ किलोकरी गांव में रहते हैं।

उन्होंने बताया कि 2 दिसंबर की देर रात 11 बजे के बाद उनके घर के बाहर कुछ युवक ढोल बजा रहे थे। बुजुर्ग ने घर के बाहर आकर उन्हें ढोल बजाने से मना किया। बुजुर्ग ने बताया कि एक दिन पहले भी उन्हें घर के बाहर ढोल बजाने से मना किया गया था। ऐसे में ढोल बजा रहे युवक गुस्सा हो गए और उन्होंने बुजुर्ग के साथ झगड़ा शुरू कर दिया। झगड़े के दौरान एक युवक ने उन्हें धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया और उनके साथ मारपीट की। एक युवक ने सड़क पर पड़ी ईंट उठाकर उनके सिर पर मार दिया।

उधर दक्षिणी दिल्ली के बदरपुर थाना क्षेत्र में युवक को पड़ोसियों को बाइक उधार न देना भारी पड़ गया। पड़ोसी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर युवक को जमकर पीटा। इसके बाद आरोपितों ने पीड़ित पर चाकू से आठ वार कर घायल कर दिया। बदरपुर थाना पुलिस ने सलमान के बयान पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित सलमान परिवार के साथ गौतमपुरी बदरपुर इलाके में रहते हैं और फरीदाबाद में नौकरी करते हैं। सलमान अपनी बाइक एनटीपीसी की पार्किंग में खड़ी करते हैं। पुलिस को सलमान ने बताया कि तीन दिसंबर की रात वह ड्यूटी से घर लौटे और बाइक खड़ी करने के लिए एनटीपीसी पहुंचे।

यूपी के नोएडा में दरिंदगी : सिर्फ 300 रुपये के लिए 11 बार कार चढ़ाकर दुकानदार को मार डाला

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी) दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा एक शख्स की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें महज 300 रुपये के लिए 11 बार कार चढ़ाकर दुकानदार को मार डाला है। पूरा मामला ग्रेटर नोएडा में आने वाले घरबरा गांव का है। मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रेन का रिजर्वेशन निरस्त करने के बदले 300 रुपये काटने पर 2 भाइयों ने दुकानदार को गाड़ी से बार बार कुचला, जिससे उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों ने दरिंदगी की हद पार करते हुए दुकानदार पर 11 बार बैक गियर करके चढ़ाई गई, जिससे उसकी आंत फट गई और उसकी मौत हो गई। वहीं, इस दौरान वहां पर मौजूद लोगों ने पीड़ित को बचाने तक का प्रयास नहीं किया। वे मूकदर्शक बने रहे। उनकी इतनी भी हिम्मत नहीं हुई कि वह पुलिस को सूचना दें। वहीं, अस्पताल से मामले की सूचना पुलिस तक पहुंची। घायल का उपचार अस्पताल में चला, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपित नकुल निवासी घरबरा को गिरफ्तार कर स्विफ्ट कार बरामद की है। पीड़ित सतवीर शर्मा ने बताया कि वह घरबरा गांव में रहते है। उनका बेटा नितिन शर्मा गांव में ही मोबाइल की दुकान चलाता था।

दुकान पर वह ट्रेन टिकट रिजर्वेशन का काम भी करता था। एक सप्ताह पहले गांव के ही दो सगे भाई नकुल व अरुण उर्फ छोटू ने वैष्णो देवी दर्शन के लिए ट्रेन का टिकट बुक कराया था। रविवार रात दोनों दुकान पर पहुंचे और ट्रेन का रिजर्वेशन निरस्त करा दिया। निरस्त करने के बदले नितिन ने आनलाइन रिफंड से तीन सौ रुपये काट लिए। वहीं, इस बात से नाराज होकर दोनों आरोपित दुकान से चले गए। आरोप है कि सोमवार सुबह दोनों नितिन की दुकान पर पहुंचे। पीड़ित वहां नहीं मिला तो आरोपित उसकी तलाश में कासना कस्बा पहुंच गए।

एनसीआर में बिना स्वच्छ ईंधन वाली इकाइयां होंगी बंद, कभी भी जारी हो सकता है आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी) वायु प्रदूषण से जंग में बड़ा कदम उठाते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर की उन सभी औद्योगिक इकाइयों को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश दिया है, जो स्वच्छ ईंधन से नहीं चल रही हैं। सीएक्यूएम ने कहा कि ऐसे उद्योगों, ईकाइयों को 12 दिसंबर तक काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद समीक्षा कर निर्णय लिया जाएगा। सीएक्यूएम ने अपने बयान में दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई है।

कहा-दिल्ली-एनसीआर में सुधार के लिए विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उपायों के बावजूद वायु गुणवत्ता अब भी 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है। हवा की गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के लिए आपात स्थिति के रूप में निवारक उपायों की तत्काल आवश्यकता है। सीएक्यूएम के फ्लाइंग स्क्वाड भी विशेष अभियान शुरू करेंगे और आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए साइटों का निरीक्षण करेंगे। सीएक्यूएम के 11 नवंबर के आदेश के अनुसार, एनसीआर में गैस कनेक्टिविटी वाले सभी उद्योग केवल गैस पर ही चलेंगे। ऐसा नहीं करने पर संबंधित उद्योग बंद कर दिए जाएंगे। यह भी निर्देश दिया गया कि एनसीआर में सभी उद्योग जहां गैस कनेक्टिविटी उपलब्ध है, उन्हें तुरंत गैस पर स्थानांतरित कर दिया जाए।

राज्य सरकारों को स्थानांतरण की उद्योग-वार तारीख प्रस्तुत करनी होगी। इसके अतिरिक्त एनसीआर की राज्य सरकारों -हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली सरकार को वरिष्ठ अधिकारियों से युक्त पर्याप्त संख्या में टीमों की प्रतिनियुक्ति करके, गहन और निरंतर अभियान सहित प्रभावी प्रवर्तन तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता है।

भाजपा ने नॉर्थ एमसीडी के हनुमान मंदिर पर पार्किंग शुल्क की शुरुआत की : आतिशी

ईस्ट एमसीडी के चंदू पार्क के मंदिर को नोटिस भेजा कि अब आपको मंदिर पर बिजनेस लाइसेंस लेना पड़ेगा : आतिशी

नई दिल्ली.ओपन सर्च

'आप' विधायक आतिशी ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने मंदिरों पर पार्किंग शुल्क और बिजनेस लाइसेंस लगाना शुरू कर दिया है। भाजपा ने नॉर्थ एमसीडी के हनुमान मंदिर पर पार्किंग शुल्क की शुरुआत की है। और ईस्ट एमसीडी के चंदू पार्क के मंदिर को नोटिस भेजा है कि अब आपको मंदिर पर बिजनेस लाइसेंस लेना पड़ेगा। राम नाम पर वोट मांगने वाली भाजपा को श्रद्धा या श्रद्धालुओं में नहीं बल्कि अपनी जेब भरने में दिलचस्पी है। वह सोचते हैं कि चार महीने बचे हैं, जल्दी से जल्दी जितना पैसा लूट सकते हैं, लूट लें।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। आतिशी ने कहा कि पिछले 15 सालों से भाजपा शासित एमसीडी में जो भ्रष्टाचार है, उसने एमसीडी के खजाने खाली कर दिए हैं। उस भ्रष्टाचार से भाजपा के नेताओं और पार्षदों ने अपनी जेबें भर ली हैं, बड़ी-बड़ी गाड़ियां ले

ली हैं, बड़े-बड़े मकान बना लिए हैं। अब भाजपा को समझ आ गया है कि आखरी कुछ महीने बाकी हैं और जनता उन्हें एमसीडी से निकाल बाहर करने वाली है। इसलिए भाजपा के नेताओं और पार्षदों ने अपना मन बना लिया है कि आखरी चार महीनों में जितना भ्रष्टाचार हो सकता है कर लो, जितनी लूट हो सकती है कर लो, जितनी उगाही हो सकती है कर लो। जहां-जहां से पैसे बनाए जा सकते हैं बना लो क्योंकि इस बार अप्रैल में होने वाले एमसीडी चुनाव में जनता हमें बाहर करने वाली है। भाजपा की नई लूट का खुलासा करते हुए आतिशी ने कहा कि हमने कल भी एक मुद्दा आपके सामने रखा था। भाजपा ने एमसीडी के खजाने खाली कर दिए। अब नए-नए तरीकों से पैसे बनाने के लिए भाजपा ने मंदिरों पर हाउस टैक्स लगाना शुरू कर दिया है। इतना ही नहीं भाजपा की एक और चौंका देने वाली बात सामने आई है। सेंट्रल दिल्ली में एक बहुत ही प्राचीन और नामी हनुमान मंदिर है, जिससे दिल्ली के लाखों लोगों की श्रद्धा जुड़ी हुई है। जहां पूरी दिल्ली और देश से श्रद्धालू दर्शन के लिए आते हैं। जबसे एमसीडी बनी है, तबसे इस मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त पार्किंग रही है। लेकिन भाजपा की पैसे बनाने की हवस इतनी बढ़ गई है कि उस हनुमान मंदिर में भी पार्किंग शुल्क लगाने की शुरुआती कर दी है।

जबसे दिल्ली में एमसीडी बनी है, पहली बार ऐसा हुआ है कि हनुमान मंदिर में पार्किंग शुल्क लगाए गए हैं। क्यों? क्योंकि हनुमान मंदिर में लाखों लोगों की श्रद्धा जुड़ी हुई है। जब भी कोई पर्यटक अपने रिश्तेदार से मिलने दिल्ली आता है तो वह यही कहते हैं कि यहां जो हनुमान मंदिर है हम उसके दर्शन करना चाहते हैं। भाजपा, जो श्री राम के नाम पर वोट मांगती है, वह भाजपा हनुमान मंदिर की पार्किंग पर शुल्क लागू कर रही है। मैं भाजपा के नेताओं से पूछना चाहती हूं कि ऐसी क्या पैसे की हवस है, ऐसी क्या भ्रष्टाचार की हवस है, ऐसी क्या अपनी जेब भरने की हवस है, कि अब आप श्रद्धालुओं से पार्किंग शुल्क मांग रहे हैं। पहले तो आप टैक्स का नोटिस देते हैं, आप पंडित जी की दक्षिणा पर हाथ मारते हैं। आज आपने हनुमान मंदिर की पार्किंग पर शुल्क लेना शुरू कर दिया है। आप श्रद्धालुओं की जेब पर हाथ मार रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईस्ट एमसीडी में भी ऐसी ही एक किस्सा हुआ है। कल हमने आपके सामने कुछ दस्तावेज रखे थे कि हाउस टैक्स की मांग की जा रही है। ईस्ट एमसीडी ने अब चंदू पार्क में कृष्णा नगर साइट के मंदिर को एक नोटिस भेजा है कि आपको बिजनेस लाइसेंस लेना पड़ेगा। यह जो सारे वाक्य हैं, चाहे मंदिरों से हाउस टैक्स मांगना, चाहे मंदिरों को लाइसेंस के नोटिस भेजना, चाहे हनुमान मंदिर पर पार्किंग शुल्क लगाना। यह भाजपा का असली रूप सामने लेकर आता है कि जो पार्टी राम के नाम पर वोट मांगती है, उनको श्रद्धा में कोई दिलचस्पी नहीं है, उनको श्रद्धालुओं में कोई दिलचस्पी नहीं है, उनको बस अपनी जेब भरने में दिलचस्पी है। अब जो चार महीने बचे हैं उसमें जल्दी से दल्दी जितने ज्यादा पैसे बनाए जा सकते हैं, बना लो।

पहली बार पूर्वी दिल्ली नगर निगम स्ट्रीट फूड वेंडर को देगा लाइसेंस

नई दिल्ली.ओपन सर्च

राजधानी में खाने-पीने के सामान की रेहड़ियों (स्ट्रीट फूड वेंडर) की संख्या काफी अधिक हो चुकी है। हर सड़क के किनारे इन्हें देखा जा सकता है।

लेकिन, इनसे निगम को कोई शुल्क नहीं मिलता है, जबकि निगम और पुलिस के नाम पर इनसे उगाही होती है। इसे रोकने के लिए राजधानी में पहली बार पूर्वी दिल्ली नगर निगम इन्हें लाइसेंस देने की नीति लागू करने जा रहा है। महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने इस नीति को स्वीकृति दे दी है। इसके तहत इन्हें स्वास्थ्य व्यापार का लाइसेंस दिया जाएगा। महापौर ने बताया कि केवल जोनल टाउन वेंडिंग कमेटी के द्वारा अनुमोदित स्ट्रीट वेंडर्स को व्यापार हेतु स्थान देने के बाद पूर्वी निगम द्वारा स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस दिया जाएगा। इस संबंध में पूर्वी निगम द्वारा कुछ नियम तय किए गए हैं। इन नियमों के तहत ही स्ट्रीट वेंडर्स को स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस जारी किया जाएगा। महापौर ने बताया कि स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस परिवार केह्यह्यह्य किसी एक सदस्य को ही जारी किया जाएगा। स्ट्रीट फूड वेंडिंग का संचालन किसी भी तरह से पैदल चलने वालों या किसी भी परिवहन चालकों की आवाजाही में बाधा नहीं बनेगा।

इसके अलावा स्ट्रीट फूड वेंडिंग का संचालन सुबह आठ बजे से रात 10 बजे तक ही होगा। इन्हें साफ-सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखना होगा। उन्होंने बताया कि कौशल विकास कार्यक्रम के तहत लाइसेंस धारकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। पूर्वी निगम के आयुक्त विकास आनंद ने बताया कि स्वास्थ्य व्यापार लाइसेंस जारी करने के लिए कई नियम बनाए गए हैं। इसके तहत खाने की सामग्री परोसने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक और थर्माकोल का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इन्हें केवल डिस्पोजेबल प्लेट का प्रयोग करना होगा।

एनडीएमसी ने नए कोविड संस्करण-ऑमिक्रोन के बारे में जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने पालिका सुविधा केंद्र और अन्य कार्यालयों का दौरा किया

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली। कोविड-19 के नए संस्करण ओमिक्रोन के प्रति अपने सक्रिय दृष्टिकोण को अपनाते हुए, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने आज नई दिल्ली के गोल मार्केट इलाके में इस नए संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए नागरिकों को समुचित व्यवहार और रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष-श्री सतीश उपाध्याय ने आज नई दिल्ली के गोल मार्केट में स्थित पालिका सुविधा केंद्र का दौरा किया और नागरिकों के साथ कोविड19 के नए संस्करण ओमिक्रोन के संक्रमण को रोकने के लिए नागरिकों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर समुचित व्यवहार अपनाने के बारे में बातचीत करके उन्हें प्रोत्साहित किया।

श्री उपाध्याय ने पालिका सुविधा केंद्र में नागरिक सेवाओं से संबंधित जनता के मुद्दों को सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से शिकायतों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय नागरिकों को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाओं के साथ इस पालिका सुविधा केंद्र की सेवाओं में और सुधार का आश्वासन भी दिया। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से ओमाइक्रोन की रोकथाम और नियंत्रण की दिशा में पालिका परिषद के द्वारा उठाये जा रहे कदमों में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वच्छता को बनाए रखने के लिए प्रोटोकॉल के अनुसार समुचित व्यवहार का पालन करने में नागरिक व्यक्तिगत स्तर पर भी आवश्यक उपायों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग के बिना कोई भी नागरिक निकाय महामारी-ओमाइक्रोन जैसे नए संस्करण को नियंत्रित करने के लिए कुछ भी करने में सक्षम नहीं है, इसके लिए नागरिकों का सक्रिय सहयोग भी सदैव अपेक्षित है।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा समय - समय पर जारी किए गए कोविड दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए गोल मार्केट के शहीद भगत सिंह प्लेस में पालिका परिषद् के अन्य कार्यालयों जैसे सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, वाणिज्यिक जैसे विभागों और म्युनिसिपल चालान कोर्ट आदि का भी निरीक्षण किया।

क्रिकेटर से नेता बने नवजोत सिंह सिद्धू माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म Koo App से जुड़े

ओपन सर्च. संवाददाता

नई दिल्ली। 2021: पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू भारत के बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म Koo App में शामिल हो गए हैं। सिद्धू अब इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल लोगों से उनकी ही भाषा में जुड़ने के लिए करेंगे ताकि प्रदेश में हो रहे विकास और विभिन्न पहल की जानकारी दी जा सके।

अपने आधिकारिक हैंडल @navjotsinghsidhu से हिंदी और अंग्रेजी में Koo करते हुए क्रिकेटर से राजनेता बने सिद्धू ने पोस्ट किया, अरविन्द केजरीवाल जी, पंजाबी जानना चाहते हैं कि आप रोजाना की जाने वाली मुफ्त उपहारों की घोषणाओं के लिए पैसों का इंतजाम कैसे करेंगे? अगर आप अपने वादों के लिए बुनियादी आर्थिक समर्थन नहीं दे सकते हैं, तो लोगों को बेवकूफ बनाना बंद करें। पंजाबी भीख के नहीं आय के पात्र हैं- पंजाब मॉडल सभी पंजाबियों के लिए आय और अवसर प्रदान करने के लिए मॉडल है 1980 और 1990 के दशक के दौरान एक बेहतरीन क्रिकेटर रहे नवजोत सिंह सिद्धू ने 1999 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। 51 टेस्ट मैचों और 136 एकदिवसीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद उन्होंने एक कमेंटेटर और टेलीविजन प्रजेंटर के रूप में अपनी पारी शुरू की और उन्हें चतुराई, हास्य और हाज़िरजवाबी के लिए जाना जाता हैं। सिद्धू का राजनीतिक करियर वर्ष 2004 में अमृतसर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद शुरू हुआ। वर्ष 2017 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए और जुलाई 2021 में उन्हें पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस वर्ष सितंबर में सिद्धू ने नाटकीय घटनाक्रम के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन उनका इस्तीफा कांग्रेस आलाकमान द्वारा स्वीकार नहीं किया गया।

इस सोशल मीडिया मंच पर नवजोत सिंह सिद्धू का स्वागत करते हुए Koo के प्रवक्ता ने कहा, हम Koo App पर नवजोत सिंह सिद्धू को पाकर बेहद खुश हैं। यह एक ऐसा मंच है जो भारतीयों को अपनी मातृभाषा में अभिव्यक्ति करने और जुड़ने में सशक्त बनाता है। हमें यकीन है कि हमारे बहु-भाषी मंच पर सिद्धू जी की मौजूदगी, लोगों को पंजाब में होने वाली गतिविधियों के बारे में उनकी मूल भाषा में नियमित अपडेट प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी। हम उम्मीद करते हैं कि इस क्षेत्र के कई और प्रमुख व्यक्ति मंच से जुड़ेंगे और मूल्यवान बातचीत करेंगे। भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति के लिए एक अनूठे मंच के रूप में Koo App पर 17 भारतीय राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा विभिन्न कैबिनेट मंत्रियों, नेताओं, क्रिकेटरों, अभिनेताओं और कला, साहित्य जैसे क्षेत्र से प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद हैं; जो उनसे संबंधित लोगों के साथ जुड़ने के लिए इस मंच की बहु-भाषा सुविधा का सक्रिय रूप से लाभ उठाते हैं। हाल ही में मेड-इन-इंडिया प्लेटफॉर्म Koo App ने डेढ़ करोड़ डाउनलोड के आँकड़े को पार कर लिया है, जो केवल 20 महीने पुराने ऐप के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

दिल्ली पुलिस के जवान पर पिस्टल तानने वाले पर कोर्ट ने तय किए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)

फरवरी 2020 में हुए दंगे में पुलिसकर्मी दीपक दहिया पर पिस्टल तानने वाले आरोपित शाहरुख पठान पर दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने आरोप तय किए हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत के कोर्ट ने आरोपित पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा करने), 148 (घातक हथियार का इस्तेमाल करने), 149 (गैर कानूनी समूह में समान मंशा से अपराध करने), 307 (हत्या का प्रयास) व आर्म्स एक्ट में आरोप तय किए हैं। 24 फरवरी 2020 को पठान ने दहिया पर जाफराबाद रोड पर दंगे के दौरान पिस्टल तानी थी, उसकी एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर काफी वायरल हुई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गया था, कुछ दिनों के बाद दिल्ली पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया था। कोर्ट आरोप तय करते हुए कहा कि आरोपित ने दंगाइयों के एक समूह का नेतृत्व किया था और पिस्टल से दहिया के जीवन को खतरे में डाला और एक सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा पहुंचाई थी। बता दें कि उत्तरी पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा के दौरान आरोपित शाहरुख पठान ने पुलिसकर्मी दीपक दहिया पर पिस्टल तानी थी। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरस हुई थी, वहीं जिस पुलिसकर्मी पर शाहरुख पठान ने पिस्टल तानी थी, उस दीपक दहिया की भी तारीफ हुई थी, क्योंकि उसके हाथ में सिर्फ डंडा था और दीपक तनकर खड़े होने के चलते शाहरुख तुरंत वहां से चला गया था। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में 23 और 24 फरवरी को उत्तर-पूर्वी जिले में हिंसा हुई थी। हिंसा के दौरान जाफराबाद-मौजपुर इलाके में आरोपित शाहरुख ने सरेआम पिस्टल लहराई थी।

पत्नी और प्रेमिका दोनों के साथ रहना चाहता है तीन बच्चों का पिता, दोनों नहीं मानी तो किया सुसाइड का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)

दक्षिणी दिल्ली की सरिता विहार इलाके में रहने वाला मोहम्मद शाहिद न तो अपनी पत्नी को छोड़ना चाहता था न ही अपनी प्रेमिका को। इस बात से वह इतना परेशान हुआ कि उसने शराब के नशे में आत्महत्या करने का प्रयास किया।

लेकिन इसी दौरान पड़ोस में ही रहने वाली उसकी प्रेमिका की नजर उस पर पड़ी और उसने स्थानीय लोगों को इस बात की जानकारी दे दी। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में पुलिस को घटना की सूचना दी और मौके पर पहुंच कर पुलिस ने उसे आत्महत्या से बचा लिया। 30 वर्षीय मोहम्मद शाहिद सरिता विहार इलाके में रहता है। वह तीन बच्चों का पिता है। पड़ोस में ही रहने वाली एक महिला से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा है। इस बात से नाराज उसकी पत्नी पड़ोस में ही अलग किराये पर रहती है। मंगलवार को वह शराब के नशे में रस्सी से लटककर आत्महत्या करने के लिए जा रहा था। तभी पड़ोस में रहने वाली प्रेमिका की नजर उस पर पड़ गई। मौके पर पहुंची पुलिस को उसने बताया कि वह दोनों को साथ रहना चाहता है। लेकिन दोनों इस बात को लेकर तैयार नहीं हैं।

इसलिए वह आत्महत्या कर रहा था। उत्तरी जिला के तिमारपुर इलाके में तीन बदमाशों ने पिस्टल के बल पर एक कैब चालक से 21 हजार लूट लिए। शोर मचाने पर बदमाशों ने उसे गोली मार देने की धमकी दी और कैब से उतरकर

फरार हो गए। कैब चालक की शिकायत पर तिमारपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पीड़ित कैब चालक थान सिंह परिवार के साथ लोनी में रहता है। सोमवार सुबह एक बदमाश ने तिमारपुर के नेहरू विहार से ग्रेटर नोएडा परी चौक जाने के लिए उसकी कैब बुक कराई थी। कैब में तीन बदमाश सवार होकर ग्रेटर नोएडा गए। वहां पहुंचने पर बदमाश ने पेटीएम से सात सौ रुपये भुगतान कर दिए।

कुछ मिनट तक कैब में बैठे रहने के बाद तीनों ने चालक को वापस नेहरू विहार छोड़ने के लिए कहा। नेहरू विहार आने के दौरान वजीराबाद फ्लाईओवर कट के पास आने पर एक ने पिस्टल दिखा थान सिंह को डराना शुरू कर दिया। उन्होंने पहले थान सिंह का मोबाइल छीन लिया और डरा धमका कर उसके पेटीएम से अपने खाते में 21 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिया। उधर दक्षिणी दिल्ली के साकेत कोर्ट में फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर जमानत दिलवाने का प्रयास कर रहे एक वकील पर साकेत थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। महानगर दंडाधिकारी विवेक कुमार अग्रवाल के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दो दिसंबर को साकेत कोर्ट में विवेक कुमार अग्रवाल की अदालत में तिगड़ी थाना क्षेत्र के एक मामले की सुनवाई हो रही थी।

इस दौरान कोर्ट के सामने पेश एक वकील ने जमानत के कागज प्रस्तुत किए। दस्तावेज में हेरफेर की आशंका होने पर कोर्ट ने रिकार्ड मंगाकर जांच की जिसमें मूल दस्तावेज में डिसमिस्ड शब्द को हटा कर अलाउड शब्द को जोड़ा गया था। कोर्ट ने तुरंत साकेत थाना पुलिस को सूचना दी और मुकदमा दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

ओमीक्रोनः अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत

कोरोना की तीसरी लहर ने अपने कदम बढ़ाने प्रारंभ कर दिए हैं। आम आदमी जिस प्रकार लापरवाह हुआ है, उससे यही आशंका उत्पन्न होने लगी है कि ओमीक्रोन निश्चित प्रभाव दिखाएगा।

इसके पीछे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा नियम-कानून के पालन की मानसिकता नहीं बना पाया है। इसके कारण जहां व्यक्तिगत स्तर पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, वहीं यह लापरवाही समाज के लिए अत्यंत घातक हो जाती है। कोरोना संक्रमण की पिछली दो लहरों ने समाज को बहुत बड़ा सबक दिया लेकिन इस सबक का प्रभाव धीरे-धीरे विस्मृत होता जा रहा है। समाज ने इस प्रकार से जीना प्रारंभ कर दिया, जैसे कोरोना आया ही नहीं था। पहले और दूसरे संक्रमण के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के दौरान जनमानस अच्छे-बुरे की पहचान कर चुका है, लेकिन ऐसा लगता है कि हम जानते हुए अनजान बन जाते हैं। इसी कारण यह परिलक्षित हो रहा है कि हम जीवन के प्रति सचेत नहीं हैं।

चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस को शुरू में दुनिया के देशों ने हल्के में लिया, लेकिन जैसे ही कोरोना का विकराल रूप सामने आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अमेरिका जैसे विकसित और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर सेवा देने वाले इटली जैसे देशों में भी इस वायरस ने तबाही ला दी। अब कोरोना का नया वेरिएंट दक्षिण अफ्रीका से सामने आया है। कहा जा रहा है कि यह वायरस वैश्विक रूप से अपना प्रभाव दिखाएगा।

तीसरी लहर की जद में विश्व के कई देश आ चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अपने आपको अत्यंत समृद्ध मानने वाले देशों की स्थिति विकराल होती जा रही है। कई देश पहली और दूसरी लहर के संत्रास से बाहर निकल भी नहीं पाए थे कि अचानक तीसरी लहर ने भी दस्तक दे दी।

भारत के लिए राहत है कि भारतीय वैक्सीन पहले भी सकारात्मक परिणाम देने में सार्थक प्रमाणित हुई है। अब तीसरी लहर की भयावह आशंका के बीच कहा जाने लगा है कि भारतीय वैक्सीन ओमीक्रोन को भी परास्त करने में सफल होगी। लेकिन हमें किसी प्रकार से आश्वस्ति की आवश्यकता नहीं है। आश्वस्ति का भाव निश्चित ही मनोबल बढ़ाने का कार्य करती है, परंतु इस मनोबल को बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की अफवाह से खुद को मुक्त रखना, हम सभी का प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए।

हम जानते हैं कि पहली लहर से पूर्व देश के कुछ हिस्सों में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए धारा 144 और कर्फ्यू लगाने की आवश्यकता हुई। यह सब जनता को बड़े खतरे की चपेट में आने से रोकने के लिए किया गया। जो बहुत हद तक सफल भी रहा, लेकिन दूसरी लहर में फैली अफवाहों ने जनता के हौसले को तोड़ने का काम किया। विसंगति यह थी कि जिस विभाग को इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए था, उसके ही कुछ स्वार्थी मानसिकता से ग्रस्त व्यक्तियों ने अपना लाभ देखने का भरपूर प्रयास किया। इस बार शासन, प्रशासन और आम जनता को भी सक्रिय भूमिका का प्रदर्शन करते हुए भ्रम फैलने से पहले ही जागरण का कार्य करना चाहिए, नहीं तो ऐसा न हो कि फिर से दूसरी लहर के दौरान बनने वाले हालात पैदा हो जाएं।

चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस को शुरू में दुनिया के देशों ने हल्के में लिया, लेकिन जैसे ही कोरोना का विकराल रूप सामने आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अमेरिका जैसे विकसित और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर सेवा देने वाले इटली जैसे देशों में भी इस वायरस ने तबाही ला दी। अब कोरोना का नया वेरिएंट दक्षिण अफ्रीका से सामने आया है। कहा जा रहा है कि यह वायरस वैश्विक रूप से अपना प्रभाव दिखाएगा। इसलिए दुनिया के कई देश इसके प्रभाव को रोकने के लिए व्यापक तैयारियां कर रहे हैं। भारत में भी ओमीक्रोन संक्रमित व्यक्ति मिल रहे हैं। इसके निहितार्थ यही हैं कि भारत में भी इसका दुष्प्रभाव देखने को मिलेगा। इसे रोकने के लिए शासन स्तर पर तो नीति बनाई जा रही होंगी, लेकिन सामाजिक स्तर भी अभी से ठोस पहल करने की आवश्यकता है।

उच्च शिक्षा का बाजारीकरण रुके

डा. वरिंदर भाटिया

गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा में पूर्णता न होने के कारण भारत में छात्रों के लिए आगे बढने और पढने की राह असमंजसपूर्ण होती जा रही है। उत्तर भारत में छात्रों का एक बड़ी संख्या में विदेशों के लिए शैक्षणिक पलायन हो रहा है। आज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार तभी संभव है जब हम उसकी असल चुनौतियों की पहचान कर सकें। यदि हमें उच्च शिक्षा प्रणाली की असल चुनौतियों को पहचानना है तो हमें कुछ दशक पीछे जाना होगा। सबसे पहले अस्सी के दशक तक शिक्षा नीति में अनुदान की प्राथमिकता थी। हालांकि अस्सी के दशक से ही बिना अनुदान की नीति को बढ़ावा दिया जाने लगा था। लेकिन, 2010 का दशक आते-आते स्थिति यह हो गई कि हमने उच्च शिक्षा में बिना अनुदान की नीति को स्वीकार कर लिया। इसका परिणाम यह हुआ कि सार्वजनिक क्षेत्र की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का स्तर खराब होता गया और शिक्षा का बाजारीकरण साफतौर पर सामने आया।

इसका परिणाम यह हुआ कि सामान्य परिवारों के लिए शिक्षा साल दर साल महंगी होती चली गई। उच्च शिक्षा की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए फिर से पीछे जाएं तो वर्ष 2004 में 'निजी विश्वविद्यालय विधेयक व अध्यादेश्य आने के बाद बड़ी तादाद में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को बढ़ावा मिला था। दूसरी तरफ उच्च शिक्षा के निवेश में साल दर साल कटौती किए जाने से गरीब परिवारों के बच्चों के लिए परिस्थितियां पहले से विकट हुई हैं। इसकी पुष्टि केंद्र द्वारा शिक्षा के लिए दिए जाने वाले बजट का आकलन करने से होती है। पिछले पांच वर्षों के दौरान शिक्षा पर किए जाने वाले निवेश को बढ़ाने की बजाय इसमें लगातार कटौती हुई है।

इसलिए उच्च शिक्षा में दूसरी सबसे बड़ी चुनौती बुनियादी सुविधाओं का अभाव और गुणवत्ता में आई कमी है। आज देश में ऐसे कॉलेज कम नहीं हैं जो कहने को तो कॉलेज हैं, पर छात्रों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। इसके अलावा अगले वर्ष उच्च शिक्षा के नजरिए से विश्वविद्यालय में संबद्ध महाविद्यालय का बढ़ता बोझ, पाठ्यक्रमों में बदलाव की मांग और ड्रापऑउट विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या असली चुनौतियां हैं जिनका संबंध भी कही न कहीं सार्वजनिक शिक्षा के ढहते ढांचे और निजीकरण से ही है। वहीं उच्च शिक्षा में अध्यापकों के रिक्त पद से जुड़े आंकड़े खुद अपनी हकीकत बता रहे हैं। इसका बुरा

असर उच्च शिक्षा की अकादमिक गुणवत्ता पर पड़ा है। यदि हम विश्वविद्यालयों द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम की बात करें तो इसमें और सामाजिक व्यवहार के बीच भी कोई तालमेल नहीं दिखता है। दरअसल उच्च शिक्षा की अध्ययन सामग्री उपयोगी और मानवीय आवश्यकताओं पर आधारित कौशल विकास को बढ़ावा देने वाली होनी चाहिए। इसी प्रकार उच्च शिक्षा से ड्रापआउट होने वाले विद्यार्थियों को रोकना और सकल नामांकन अनुपात बढ़ाना भी इस क्षेत्र की एक बड़ी चुनौती है। भारत की उच्च शिक्षा में 18 से 23 वर्ष के आयु वर्ग के अंतर्गत सकल नामांकन अनुपात महज 26.3 प्रतिशत है जो कि अन्य विकसित और कई विकासशील देशों की तुलना में बहुत कम है। इससे स्पष्ट होता है कि आज भी देश के करीब 74 प्रतिशत युवा उच्च शिक्षा से बाहर हो जाते हैं। इससे जाहिर होता है कि सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर देना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना आज भी दूर का सपना है। भारत जब स्वतंत्र हुआ था तब 20 विश्वविद्यालय और 500 कॉलेज थे। वर्तमान में 1000 से अधिक विश्वविद्यालय और करीब 40 हजार से अधिक कॉलेज हैं। संख्या की दृष्टि से उच्च शिक्षा में विकास होता दिखता है, लेकिन गुणवत्ता के मानकों पर यह दुनिया के अनेक देशों के मुकाबले पीछे है। असल में राजनीतिक फायदा लेने की आड़ में बेतुके कॉलेज खुलने से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। भारत की नई शिक्षा नीति बेहतर होने के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों के पुनर्गठन और एकत्रीकरण की सिफारिश करती है। इसके मुताबिक यदि किसी शिक्षा संस्थान में विद्यार्थियों की संख्या कम है तो उसका किसी अन्य शिक्षा संस्थान में विलय कर दिया जाएगा। ऐसा हुआ तो आशंका यह है कि देश के दूरदराज के क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रसार और प्रोत्साहन का कार्य रुक जाएगा तथा इससे कई ग्रामीण, पहाड़ी और जनजातीय अंचल के शिक्षा संस्थान बंद हो जाएंगे। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों की पढ़ाई पहले ही बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। ऑनलाइन शिक्षण का लाभ उन विद्यार्थियों को ही मिला है जो सर्वसम्पन्न और टेक्नोफ्रेंडली हैं और जिनके अभिभावक मोबाइल और इंटरनेट का खर्चा वहन करने की स्थिति में हैं। इससे उच्च शिक्षा से जुड़ी बुनियादी संरचना की कमजोरियां सतह पर आई हैं। सत्य है कि कोरोना काल में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों का एक बड़ा वर्ग पढ़ाई से छूट गया है। इसके लिए हम क्या कदम उठा रहे हैं? उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के साथ इस बात को भी भली-भांति समझने की आवश्यकता है कि उच्च शिक्षा को पूर्ण लाभ का धंधा नहीं बनाया जा सकता है। उच्च शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को एक अच्छा नागरिक बनाना होना चाहिए जो विकास के साथ ही सामाजिक न्याय के लिए अच्छी तरह से अपना योगदान दे सके। इसलिए शिक्षा के व्यवसायीकरण और निजीकरण को बढ़ावा देने वाली नीति पर आगे बढने की बजाय सार्वजनिक क्षेत्र को प्राथमिकता देने वाली योजनाओं की आवश्यकता है। अतीत पर नजर डालें तो स्वतंत्रता के बाद समग्र शिक्षा व्यवस्था का सरकारीकरण हुआ। शैक्षिक संस्थाएं या तो सीधे तौर पर सरकार चलाती थी या सरकार के अनुदान से संस्थाएं चलती थी। विद्यार्थियों का निश्चित शुल्क, शिक्षकों का निश्चित वेतन एवं संस्था चलाने हेतु अनुदान जैसी व्यवस्थाएं बनी। कुछ समय के बाद सरकारी शैक्षिक संस्थाओं के स्तर में लगातार गिरावट आती गई। इस कारण से निजी विद्यालयों का आकर्षण बढ़ा। शुरू में अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में वस्तुओं के रूप में दान लेना शुरू हुआ। आगे जाकर छात्र से बड़ी मात्रा में दान लेना, शिक्षकों की नियुक्ति में पैसा लेना और कम वेतन देना शुरू हुआ। विद्यालयों में शिक्षा का स्तर गिरने से ट्यूशन प्रथा प्रारंभ हुई।

क्रमशः शिक्षा का स्वरूप धंधे जैसा बनने लगा। 1960 के दशक में दक्षिण भारत में व्यवसायी उच्च शिक्षा के संस्थान बिना सरकारी अनुदान से खुले जिसमें छात्रों के पास बड़ी मात्रा में शुल्क लिया जाने लगा। जिसको उस समय की पीटेषन फी कहा गया। यह एक प्रकार से अमीरों के बालकों हेतु शैक्षिक संस्थान बन गए। 1990 के बाद दुनिया में वैश्वीकरण की हवा चली जिसको एलपीजी (लिबरेलाइजेशन, प्राइवेटाईजेशन, ग्लोबलाईजेशन) भी कहा गया जिसका शिक्षा पर भी प्रभाव हुआ। सरकारें उच्च शिक्षा में अपना हाथ खींचने लगी। आने वाले समय में सब कार्य प्रशासन एवं शिक्षा माफिआओं की मिलीभगत से होने लगे। यूं कहें कि 'मामा के घर भोजन परोसने वाली मां फिर क्या कहना? कटु सत्य है कि व्यावसायिक उच्च शिक्षा उच्च मध्यम वर्ग या उच्च वर्ग को छोड़कर अन्य किसी भी वर्ग के बस की बात नहीं रही।

रक्षा क्षेत्र में और आगे बढ़े भारत-रूस के कदम

डॉ. रमेश ठाकुर

रूस के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंध हमेशा से कसौटी पर खरे उतरे हैं। चाहे रक्षा क्षेत्र के करार हों, सामरिक साझेदारियां हों, आतंकवाद से लड़ने में सहयोग का मामला हो, सभी क्षेत्रों में बेहतर परिणाम सामने आए हैं।संबंध अब नए सिरे से और आगे बढ़ने आरंभ हुए, जिनको पुतिन की यात्रा ने पंख लगाए। पुतिन बेशक कुछ ही घंटों के लिए हिंदुस्तान आए, पर खुराफाती देशों में खलबली मचा गए। हिंदुस्तान धीरे-धीरे संप्रभु ताकत बन रहा है, यही वजह है दुनिया अपने आप खिंचती आ रही है।

जहां तक दोस्ती की बात है तो सिर्फ रूस-भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया इस बात को अच्छे से जानती है कि दोनों की दोस्ती अन्य मुल्कों के मुकाबले सबसे भरोसेमंद रही है। आगे भी रहेगी, क्योंकि इसकी तस्दीक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने की है। पुतिन का करीब डेढ़-दो वर्षों बाद हिंदुस्तान आना हुआ। कुछ समय के लिए ही आए, लेकिन इस दरम्यान उन्होंने रिश्तों में जो प्रगाढ़ता बढ़ाई वह काबिले तारीफ रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनका दिल खोलकर स्वागत-सम्मान किया। वैसे, दोनों नेताओं की दोस्ती पहले से ही प्रगाढ़ रही है। राजनीतिक रिश्तों के इतर भी दोनों अपने आपसी संबंधों को तवज्जो देते हैं। भारत-रूस के मध्य दोस्ती की निरंतरता यूं ही बनी रहे, इसकी उम्मीद सभी करते हैं। दरअसल, यूपी के अमेठी जिले में राइफल बनाने के लिए खुल रही आयुध फैक्ट्री में रूस की मदद बहुत जरूरी है। एके-203 राइफल बनाने में रूस माहिर है, इस लिहाज से उनका सहयोग अत्यंत जरूरी है। भारत सरकार ने पूर्व में ही रूस से लंबी दूरी के जमीन से आसमान में मारक क्षमता वाली एयर-मिसाइल डिफेंस सिस्टम एम-400 की खरीद के लिए उनसे करार किया हुआ है। पहली खेप मिल भी चुकी है, अगले साल तक और मिल जाएगी। इस करार से भारत ने अपनी क्षमता का परिचय उन देशों को दिया है, जो खुद को आधुनिक हथियारों में अग्रणी समझते हैं। विशेषकर अमेरिका और चीन। रूस के साथ भारत के ताजा करार ने चीन-पाक को असहज कर दिया है। गौरतलब है कि विभिन्न तरह की मुसीबतें और समस्याएं आईं, पर भारत-रूस की दोस्ती पर कभी असर नहीं पड़ा। आज से नहीं, बल्कि दशकों से रूस-भारत के द्विपक्षीय संबंध कसौटी पर खरे उतरे हैं, जिसे अब रूसी राष्ट्रपति की यात्रा ने और मजबूती प्रदान की है। उनकी यात्रा पर चीन-पाकिस्तान की भी नजरें रही। उन्हें पता है अगर दोनों देश मजबूती से साथ आ गए तो अफगानिस्तान में उनका खेल बिगड़ जाएगा। अफगानिस्तान के मौजूदा हालात पर भी दोनों नेताओं के बीच लंबी बातचीत हुई। इस संबंध में रूस-भारत के विदेश मंत्रियों के मध्य टू-प्लस-टू वार्ता में कई मसलों पर मंथन हुआ, जिसका असर आने वाले दिनों में दिखाई भी देगा। 21वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में कुछ कूटनीतिक निर्णयों में ऐसा फैसला लिया

हिंदुस्तान धीरे-धीरे संप्रभु ताकत बन रहा है, यही वजह है दुनिया अपने आप खिंचती आ रही है। जहां तक दोस्ती की बात है तो सिर्फरूस-भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया इस बात को अच्छे से जानती है कि दोनों की दोस्ती अन्य मुल्कों के मुकाबले सबसे भरोसेमंद रही है। आगे भी रहेगी, क्योंकि इसकी तस्दीक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने की है। पुतिन का करीब डेढ़-दो वर्षों बाद हिंदुस्तान आना हुआ। कुछ समय के लिए ही आए, लेकिन इस दरम्यान उन्होंने रिश्तों में जो प्रगाढ़ता बढ़ाई वह काबिले तारीफरही।

जाएगा जिससे पाक-चीन की नापाक हरकतें एक्सपोज होंगी। इसमें भारत-रूस के साथ और भी कुछ देश साथ आएंगे। इसके लिए नए सिरे से रणनीति बनाई जा रही है। अमेठी में करीब पांच लाख राइफलों का निर्माण जाएगा, जिससे भारत की रक्षा क्षमता बढ़ेगी। इसमें हर तरह से सहयोग करने का वादा रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगुए ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष किया है। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूसी विदेश मंत्री लावरोव के मध्य एस-400 को लेकर हुई डील भी भारत की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी। किसी भी मुल्क की सेना के पास अगर एके-203 जैसी लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली राइफलें होंगी, तो दुश्मन उससे मुकाबला करने के लिए सौ बार सोचेगा। करेगा तो सौ फीसदी मुंह की खायेगा। इस बात की भनक दोनों खुराफाती पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान को लग चुकी है। भारत ने रूस से अधिक सैन्य तकनीकी सहयोग की गुजारिश की है जिसे स्वीकार भी किया है। वहीं, भारत इस क्षेत्र में खुद उन्नत अनुसंधानिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रूस इस बात को जान रहा है कि भारत अपनी मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और अपने लोगों की अंतर्निहित क्षमता के साथ तमाम चुनौतियों पर काबू पाकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। पुतिन का दौरा पहले भी होता रहा है। पर, पहले के मुकाबले पुतिन ने इस बार बदलते भारत की नई तस्वीर देखी। उन्हें इच्छाशक्ति और आत्मनिर्भरता का मजबूत गठजोड़ दिखाई दिया। एक वक्त था जब दूसरे देशों के साथ सैन्य समझौतों में भारत हिचकता था, अविश्वास की कमी दिखती थी। इसलिए भारत के साथ कई मर्तबा धोखे भी हुए, जो करार हुआ उसका पालन नहीं किया गया। हथियारों की खेप समय से नहीं मिली। यहां उन देशों का नाम लेना उचित नहीं जिन्होंने भारत के साथ छल किया था। खैर, बीते दौर की बातों को भुलाकर भारत आगे बढ़ा है और वह भी मजबूती के साथ। उन्हें अब विश्वसनीय नेताओं और देशों का सहयोग मिला है। एक जमाना वो भी था जब अमेरिका का शिकंजा हुआ करता था। कोई भी देश जब किसी मुल्क से सैन्य करार करता था, तो वह अड़ंगा लगाकर जैसा वह चाहता था, वैसा होता था। लेकिन अब वक्त बदल चुका है।

सभी मुल्क स्वतंत्र हैं, कुछ भी करने को। अमेरिका कभी नहीं चाहता था सैन्य ताकत में उनसे आगे कोई दूसरा देश निकले लेकिन अब आगे बढ़ चुके हैं। यही अमेरिका की सबसे बड़ी हार है। रूस-भारत जिस तरह बेखौफ होकर सैन्य करार को लेकर आगे बढ़े हैं, वह काबिलेगौर हैं। भारत, रूस सहित कुछ दूसरे मुल्क निकट भविष्य में अमेरिका का डटकर मुकाबला करेंगे, लेकिन उससे पहले चीन-पाक से निपटना होगा। ये ऐसे देश हैं जो प्रत्यक्ष रूप से कुछ नहीं करते, लेकिन दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर वार करते हैं। ये अब तालिबानियों को बेजा इस्तेमाल करने में लगे हैं। उनकी सरकार को मान्यता देने के पीछे ऐसे ही कुछ राज छिपे हैं। लेकिन उनकी नापाक हरकतों से भारत-रूस जैसे देश वाकिफ हैं। भारत-रूस के बीच सैन्य समझौते इन्हीं नापाक हरकतों को कुचलने के लिए हैं।

क्या वायु प्रदूषण की 'स्थाई चादर' लपेट चुका है श्राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली?

निर्मल रानी

अन्य विकासशील देशों की ही तरह भारत भी निरंतर वायु प्रदूषण की चपेट में रहने वाले देशों की सूची में अपना नाम शामिल करा चुका है। खास तौर पर दिल्ली व उसके आस पास का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरा वर्ष और चौबीस घंटे घोर प्रदूषण की चपेट में रहने लगा है। दिल्ली में हवाई जहाज से बाहर निकलते ही ऐसा महसूस होने लगता है कि आप किसी जहरीली गैस चौम्बर में प्रवेश कर चुके हैं।

गत तीन दशकों से हालांकि एन सी आर में फैले इस प्रदूषण के लिये आँख मूँद कर हरियाणा -पंजाब के किसानों को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता था। बताया जाता था कि फसल काटने के बाद खेतों में बची पराली को जलाने से फैलने वाला धुआंयुक्त प्रदूषण दिल्ली परिक्षेत्र को अपनी आगोश में लेता है। केंद्र सरकार ने भी पूर्व में यही दावा था कि वायु प्रदूषण बढ़ाने में पराली का योगदान 25-30 फीसदी है।

परन्तु पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इसी संबंध में चल रही एक सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का ताजा दावा था कि प्रदूषण फैलाने में पराली का योगदान मात्र 10 प्रतिशत है। परन्तु साथ ही अपने लिखित हलफनामे में केंद्र ने यह दावा भी किया कि प्रदूषण में पराली का योगदान मात्र 4 फीसदी ही है। देश की सर्वोच्च अदालत केंद्र के शपथ पत्र के अनुसार यह भी कह चुकी है कि 75 प्रतिशत वायु प्रदूषण उद्योग, धूल तथा परिवहन जैसे तीन मुख्य कारण के चलते है। जहां तक किसानों को प्रदूषण के लिये जिम्मेदार ठहराने का प्रश्न है तो इसे यूँ भी समझा जा सकता है कि किसान अपनी फसल का बचा हुआ कचरा अर्थात पराली आदि तो वर्ष में एक ही दो बार जलाते हैं जबकि दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तो लगभग पूरे वर्ष ही चौबीसों घंटे प्रदूषण की गिरफ्त में रहता है ? दिल्ली, फरीदाबाद, गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद, सोनीपत आदि राजधानी के किसी भी निकटवर्ती क्षेत्र में चले जाइये, हर जगह वही गैस चौंबर जैसे हालात नजर आते हैं।

जहां आम लोग अपने मकानों के दरवाजे व खिड़कियां इसलिये खोलते हैं ताकि ताजी व स्वच्छ हवा का घरों में प्रवेश हो सके वहीं एन सी आर की स्थिति ठीक इसके विपरीत हो चुकी है। घरों के दरवाजे व खिड़कियां खुलते ही जहरीली, रसायन युक्त प्रदूषित हवा इन घरों में प्रवेश कर जाती है। गगनचुंबी रिहाइशी फ्लैट्स की किसी भी मंजिल पर खिड़की-दरवाजा खुलते ही धुंआ युक्त गैस फ्लैट्स के भीतर प्रवेश करती है। गोया राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का रहने वाला कोई भी व्यक्ति ताजी व प्रदूषण मुक्त हवा

का भी मोहताज बनकर रह गया है। इन इलाकों में लाखों वाहन चौबीस घंटे सड़कों पर दौड़ते हैं। हजारों छोटे बड़े उद्योग अपनी चिमनियों से धुआं उगलते हैं। एन सी आर क्षेत्र में बसने वाले लाखों कबाड़ी रोजाना सारा दिन और प्रायः रात भर लोहे-तांबे-पीतल की तार आदि निकालने हेतु टायरों तथा बिजली व फोन के तारों आदि में आग लगाते रहते हैं। सुनाई तो यह भी देता है कि पुलिस व प्रशासन की मिली भगत से कई जगह प्रदूषण फैलाने की खुली छूट दी जाती है। स्वछ भारत अभियान के अंतर्गत घरों से कूड़ा संग्रह करने की योजना के बावजूद अभी भी अनेक लोग यहाँ तक कि प्रायः स्वयं सफाई कर्मी भी कूड़े की ढेरियां बनाकर उसे आग के हवाले कर देते हैं। एन सी आर क्षेत्र में पड़ने वाले ईंटों के भट्टे भी यहां का प्रदूषण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रतिदिन दिल्ली व हिण्डन एयरबेस से चढ़ने व उतरने वाले हजारों विमानों द्वारा दिन रात छोड़े जाने वाले जहरीले गैसयुक्त प्रदूषण की कोई चर्चा नहीं होती। अति विशिष्ट तथा विशिष्ट व्यक्तियों के काफिले में आगे पीछे दौड़ने वाले वाहनों के प्रदूषण फैलाने का जिक्र कहीं नहीं सुनाई देता। चार्टर्ड विमानों से प्रदूषण नहीं बल्कि शायद सुगन्धित स्वच्छ ऑक्सीजन का स्प्रे होता होगा तभी इसके प्रदूषण की चर्चा कभी नहीं सुनी गयी। प्रतिदिन लाखों नये वाहन सड़कों पर निकलकर प्रदूषण नहीं फैलाते बल्कि किसानों के दस वर्ष पुराने गिनती के ट्रैक्टर प्रदूषण फैलाने के असली जिम्मेदार हैं? पिछले दिनों देश के इतिहास में पहली बार दिल्ली को केवल वायु प्रदूषण के चलते लॉक डाउन का सामना करना पड़ा। सभी स्कूल कॉलेज बंद कर दिये गए थे। दिल्ली सरकार का सुझाव था कि दिल्ली में सप्ताह में दो दिन प्रदूषण लॉकडाउन लगाया जा सकता है। परन्तु अदालत का मत था कि अकेले दिल्ली को ही लॉक करने से कोई लाभ नहीं होगा। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गुरुग्राम और सोनीपत में भी इस नियम का पालन करना होगा। अदालत का मत था कि यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। एक बड़े इलाके को बिना किसी ठोस वजह के बंद नहीं किया जा सकता। इसलिए सरकारों को लॉक डाउन के अतिरिक्त भी कुछ अन्य वैकल्पिक उपायों पर भी सोचना होगा। मानव जनित प्रदूषण समस्या ने ही आज दिल्ली परिक्षेत्र की यह स्थिति कर दी है कि लोग कार पूल पर विचार करने लगे हैं। सरकार को इसी स्थिति से निपटने के लिये कभी कभी वाहनों हेतु सम विषम (ऑड-इवेन) की नीति लागू करनी पड़ती है।

कोरोना से रक्षा हेतु लगाया जाने वाला मास्क लगता है प्रदूषण के चलते अब इंसानी जरूरत का स्थान लेने वाला है। साँस की बीमारी, दमा, फेफड़े की प्रदूषण जनित तमाम बीमारियों में इजाफा होता जा रहा है। छोटे बच्चे और बुजुर्ग इसकी चपेट में कुछ ज्यादा ही आ रहे हैं। निरंतर बढ़ते जा रहे शहरीकरण के चलते हरित क्षेत्र घटता जा रहा है जोकि मानव जीवन के लिये ऑक्सीजन देने व कॉर्बन डाई ऑक्साइड जैसी प्रदूषित गैस को ग्रहण करने का सबसे प्रमुख स्रोत है।

बहरहाल, पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय में इस विषय पर हुई बहस व सरकार द्वारा रखे गये पक्ष के बाद किसानों को दिल्ली परिक्षेत्र का प्रदूषण बढ़ाने का जिम्मेदार ठहराने की साजिश का तो पटाक्षेप जरूर हो गया है परन्तु इसके बाद अब यह सवाल और भी प्रबल हो चुका है कि क्या श्राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, वायु प्रदूषण की स्थाई चादर लपेट चुका है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

पंजाब में नई पार्टियों के गठन और चुनावी मौसम में फिर उभरे नए दावेदार

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब के विधानसभा चुनाव होने में अब हाथों पर गिने जा सकने वाले दिन ही बचे हैं। ऐसे में चुनावी जमीन पर फसली बटेर न आएं, ऐसा कैसे हो सकता है। अभी बीते शनिवार को 11 विभिन्न राजनीतिक दलों ने मिलकर लोक मुक्ति मोर्चा बनाया है और यह दावा किया है कि लोक मुक्ति मोर्चा पंजाब की सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करेगा।

इस मोर्चा के पास खड़े करने के लिए 117 उम्मीदवार भी हैं, इस बारे में संदेह न जताते हुए अगर हम ऐसे ही अन्य राजनीतिक दलों की बात करें तो कुछ समय पहले ही रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट एस. आर. लद्दड़ ने भी किरती किसान शेरे पंजाब पार्टी बनाने का एलान किया था और पता चला है कि चुनाव से पहले ही पार्टी बिखरने लगी है। बीते शनिवार को ही एक और पार्टी का उदय हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के कार्यकाल के दौरान उनके डिप्टी प्रिंसिपल सेक्रेटरी रहे राकेश अहीर ने भी एक राजनीतिक पार्टी बनाकर मैदान में कूदने का एलान कर दिया है। लेकिन इन सबके बीच अगर किसी नई राजनीतिक पार्टी के गठन होने की बात हो रही है तो वह कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस पार्टी है, जिसके मुख्यालय का सोमवार को खुद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने उद्घाटन किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन करके विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान किया और 'जीतेगा पंजाब' का नारा दिया। ऐसा भी नहीं है कि पंजाब में नई राजनीतिक पार्टी का प्रयोग पहली बार हो रहा है। हर बार चुनाव नजदीक आते ही नए-नए राजनीतिक दल सामने आते रहे हैं। खुद कैप्टन अमरिंदर सिंह दूसरी बार कांग्रेस को अलविदा कहकर यह प्रयोग कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने शिरोमणि अकाली दल पंथक बनाया था। वर्ष 1992 में चुनाव भी लड़ा। उस समय यह उम्मीद थी कि तत्कालीन केंद्र सरकार के सहयोग से वह सत्ता में आ सकते हैं, लेकिन पार्टी बुरी तरह से चुनाव हार गई। दो सीटों पर चुनाव लड़ रहे खुद कैप्टन अमरिंदर सिंह एक सीट पर बुरी तरह से चुनाव हार गए, जबकि दूसरी सीट से वह निर्विरोध

चुन लिए गए। वर्ष 2012 के चुनाव से पूर्व यही प्रयोग मनप्रीत बादल ने किया। शिरोमणि अकाली दल से अलग होने के बाद उन्होंने पीपल्स पार्टी आफ पंजाब का गठन किया, लेकिन एक भी सीट पर उन्हें सफलता नहीं मिली। खुद मनप्रीत बादल दोनों सीटों पर चुनाव हार गए। वर्ष 2017 में यही प्रयोग आम आदमी पार्टी ने भी किया। वर्ष 2014 के संसदीय चुनावों में आम आदमी को राज्य में कुछ हद तक मिली सफलता और पंजाब के लोगों के उस समय के तेवरों को देखते हुए लगा था कि 2017 में आम आदमी पार्टी पंजाब में भी झाड़ू फेर देगी, लेकिन पार्टी मात्र 20 सीटों पर ही अटक कर रह गई। इसी पार्टी के विपक्ष के नेता पद से उतारे गए सुखपाल सिंह खैहरा ने कुछ विधायकों के साथ मिलकर पार्टी के खिलाफ बगावत की और पंजाब एकता पार्टी का गठन करके एक बार फिर 2019 के संसदीय चुनाव में कूद गए। सभी सीटों पर उनकी पार्टी की जमानत जब्त हो गई। ऐसा नहीं है कि जब ये लोग पार्टी का गठन करके लोगों के पास जाते हैं तो उन्हें समर्थन नहीं मिलता।

पीपीपी की रैलियों में लोगों के मिल रहे समर्थन को देखकर लगता था कि मनप्रीत बादल एक नया इतिहास लिखने जा रहे हैं। यही हाल पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की रैलियों और नुक्कड़ चर्चाओं आदि को देखकर लगता था कि पार्टी 80 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल कर सकती है, पर ऐसा संभव नहीं हुआ। आखिर गफलत कहां होती है? इतना लंबा सियासी अनुभव रखने वाले ये राजनेता मतदाताओं की नब्ज को पहचान पाने में चूक कैसे जाते हैं? दरअसल ये सभी राजनीतिक पार्टियां जहां मार खाती हैं वह है चुनाव से ठीक पहले पार्टी का गठन करना, बिना संगठन बनाए, कोई रोडमैप लोगों को बताए, बिना लोगों का भरोसा जीते सीधे चुनाव में उतर जाना। नेताओं को लगता है कि वोटर बिना कुछ सोचे समझे, उनके द्वारा दिखाए सपनों पर भरोसा करके वोटिंग मशीन का बटन दबा देंगे, लेकिन ऐसा होता नहीं है। कांग्रेस हो या शिरोमणि अकाली दल या फिर भारतीय जनता पार्टी, ये सभी पुरानी पार्टियां हैं जिनके पास बूथ स्तर तक संगठन बना हुआ है और वे निरंतर उसे सशक्त करने में जुटी रहती हैं। गांव-गांव में उनके धड़े बने हुए हैं जो कोई भी चुनाव हो, अपने नेताजी की एक आवाज पर अपने-अपने वोटरों को उनके हक में कर लेते हैं। नई पार्टियों के पास इस तरह का कोई आधार या संगठन नहीं होता और वे पूरी तरह से अपने पक्ष में चल रही हवा पर ही निर्भर होते हैं। अतः एक बार फिर पंजाब में नई पार्टियों के गठन और चुनाव मैदान में उतरने का प्रयोग कितना सफल होगा, यह देखने वाली बात होगी।

एक नज़र

जींद में लूट, एक ही रात में शराब ठेके, बाइक सवार, ट्रक चालक से हुई लूटपाट

जींद (एजेंसी) जींद जिले में लूटपाट की तीन वारदात हुई है। इसमें दो वारदात को मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने दी है, जबकि एक घटना को कार सवार छह युवकों ने दिया है। लूटपाट की पहली घटना गांव कंडेला के शराब पर हुई। गांव लोहचब निवासी अरविंद ने सदर थाना पुलिस जींद को दी शिकायत में बताया कि वह गांव कंडेला के शराब ठेके पर सेल्समैन लगा हुआ है। देर रात को सफेद रंग की मोटरसाइकिल पर तीन युवक आए। इसमें दो युवक शराब ठेके के अंदर घुस गए और पिस्तौल के बल पर अंदर आए गए। जहां पर पहले तो आरोपितों ने उसको थप्पड़ मारे। इसे बाद ठेकेदार द्वारा गल्ले में रखी एक लाख रुपये की नकदी निकाल ली।

इसके बाद आरोपितों ने ठेके के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर को भी उखाड़कर ले गए। बाद में उसने ठेकेदार को सूचित किया और आसपास के एरिया में तलाश शुरू की, लेकिन उनका सुराग नहीं लगा। पुलिस ने तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ लूटपाट का मामला दर्ज किया है। गांव रामकली के निकट बाइक सवार तीन बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर युवक से लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। गांव ढिगाना निवासी सुनील कुमार ने जुलाना थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह किसी काम के लिए जुलाना गया हुआ था। देर रात को जब वह रामकली के निकट पहुंचा तो बाइक सवार तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और पिस्तौल के बल पर उसे मोटरसाइकिल से नीचे उतार दिया।

इसके बाद उसका पर्स व बैग भी छीन लिया। उसने बताया कि पर्स में दो हजार रुपये की नकदी, मोबाइल, ड्राइविंग लाइसेंस, क्रेडिट कार्ड सहित अन्य कीमती सामान था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लूटपाट का मामला दर्ज किया है। गांव बेलरखां के निकट कार व मोटरसाइकिल सवार छह बदमाशों ने ट्रक चालक से 22 हजार रुपये की नकदी लूट ली। झज्जर जिले के गांव रोहद निवासी अनिल कुमार ने सदर थाना नरवाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव रोहद से लुधियाना ले जा रहा था। जब वह गांव बेलरखां के निकट पहुंचा तो एक कार ने रास्ता रोक लिया। जब उसने ट्रक को रोका तो उसमें से दो युवक उतरे। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक भी आ गए। जहां पर आरोपितों ने पहले तो उसके साथ मार पिटाई की और उसके बाद से 22 हजार रुपये की नकद छीन ली।

पंजाब पुलिस पर लगा दाग, लुधियाना में लोगों ने नशा करते 2 पुलिस कांस्टेबल पकड़े, वीडियो वायरल

लुधियाना (एजेंसी) खाकी वर्दी एक बार फिर दागदार हुई है। न्यू कुंदन पुरी इलाके में उस समय हंगामा हो गया, जब दुकानदारों ने खाली प्लाट में नशा कर रहे दो पुलिस कांस्टेबल को रंग हाथ पकड़ लिया। पहले दोनों ने दुकानदारों पर पुलिसिया रौब झाड़ने की कोशिश की। मगर जब दुकानदारों ने मोबाइल पर उनकी वीडियो बनाना शुरू किया तो दोनों ने हथियार फेंक दिए। उनमें से एक मौका पाकर वहां से भाग खड़ा हुआ जबकि दूसरे को पकड़ कर थाना डिवीजन नंबर 8 की कैलाश चौकी पुलिस के हवाले किया गया। जहां से पुलिस उसे मेडिकल करवाने सिविल अस्पताल ले गई।

एसएचओ राजिंदरपाल सिंह ने कहा कि दोनों मुलाजिमों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। उनका पुराना रिकार्ड भी ठीक नहीं है। वे पुलिस लाइंस में तैनात हैं और पिछले 7 महीने से अनुपस्थित चल रहे हैं। पुलिस को दी शिकायत में न्यू कुंदनपुरी में हरीश मेडिकल शाप के मालिक हरीश कुमार उर्फ शिव ने बताया कि दोनों पुलिस मुलाजिम पिछले कई दिनों से उनकी दुकान के पास खाली प्लाट्स में आकर नशा कर रहे थे। दुकानदार उन पर नजर रखे हुए थे। मंगलवार शाम करीब 7 बजे जब वह दोनों फिर से उसी प्लाट में घुसे तो वो उनके पीछे वहां चले गए।

दोनों सिरिंज से इंजेक्शन लगा रहे थे। उन्हें देखते ही दोनों ने पुलिसिया अंदाज में बात करते हुए उन्हें वहां से भाग जाने के लिए कहा। मगर उसी समय अन्य दुकानदार भी पीछे पीछे आ गए और उनकी मूवी बनाने लगे। उसी दौरान मौका पाकर एक मुलाजिम वहां से फरार हो गया। पकड़े गए मुलाजिम के कब्जे से ड्रग्स बरामद हुई। उसने कबूल किया कि वो पीरू बंदा मोहल्ला से नशा खरीद कर करता रहा है।

लुधियाना में गुरुद्वारा साहिब के सेवादार की अलमारी से 11 लाख चोरी, आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की रेड

लुधियाना (एजेंसी) गांव रसूलपुर बेट स्थित गुरुद्वारा साहिब के सेवादार के कमरे में घुसे दो लोगों ने अलमारी में पड़ी 11 लाख रुपये की नगदी चोरी कर ली। चोरी का तब पता चला, जब लंगर खाने के बाद सेवादार अपने कमरे में वापस आया। अब थाना लाडोवाल पुलिस ने भामियां कलां की चीमा कालोनी की गली नंबर 1 निवासी मनजीत सिंह, कुलदीप सिंह तथा उनके दो अज्ञात साथियों पर केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है। एएसआइ हरमीत सिंह ने बताया कि उक्त केस गांव बरमी निवासी सुखदीप सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया।

अपने बयान में उसने बताया कि गांव नूरपुर बेट के पत्ती रसूलपुर में हंबड़ां रोड पर स्थित श्री गुरु हरगोबिंद साहिब गुरुद्वारा साहिब में सेवादार है। जत्थेदार निर्मल सिंह ने उसे वहां रखवाया था। गुरुद्वारा साहिब में संगत की और से भेंट स्वरूप दी गई 11 लाख रुपये की नगदी 4 दिसंबर को उसने अपने कमरे की अलमारी में रखी थी। जब वो उस नगदी के संबंध में निर्मल सिंह के साथ बात कर रहा था। पीछे खड़े कुलदीप सिंह ने उनकी बातों को सुन लिया। 6 दिसंबर की दोपहर वह लंगर हाल में लंगर खा रहा था।

इसी दौरान कुलदीप सिंह का साथी मनजीत सिंह करेटा कार नंबर पीबी10एल6354 पर अपने दो अज्ञात साथियों समेत आया। उन लोगों ने अलमारी के ऊपर रखी चाबी से ताला खोला और रकम चोरी करके फरार हो गए। हरमीत सिंह ने कहा कि गुरुद्वारा साहिब में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे खराब हैं। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्दी ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नयागांव के पार्षद के बेटे पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला, हेलमेट ने बचाई जान, जांच में जुटी पुलिस

(एजेंसी) चंडीगढ़ से सटे मोहाली के नयागांव में कुछ लोगों ने एक युवक पर हमला कर दिया। आरोप है कि ती से चार लोगों ने बाइक पर जा रहे युवक आर्यन बिष्ट पर लोहे की रॉड से हमला किया और आरोपित मौके से फरार हो गए। आर्यन बिष्ट नयागांव के वार्ड नंबर-14 के पार्षद कुलवीर बिष्ट का बेटा है। आर्यन ने इसके बाद नयागांव पुलिस को घटना की सूचना दी है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। आर्यन बिष्ट मंगलवार शाम चंडीगढ़ की तरफ से नयागांव लौट रहा था। वह खुड्डा लाहौरा पुल से नयागांव को आते पटियाला की राव नदी के किनारे वाले रास्ते पर जनता कालोनी मोड़ पर पहुंचा तभी अज्ञात लोगों ने उस पर हमला कर दिया।

हमलावरों ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार किया। गनीमत रही कि आर्यन ने हेलमेट पहना था जिस वजह से उसे कोई चोट नहीं आई। आर्यन के पिता पार्षद कुलबीर बिष्ट ने बताया कि उन्होंने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए खरड़ हलके से आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। हालांकि उनकी किसी के साथ कोई रंजिश नहीं है, लेकिन हो सकता है कि उनके विरोधियों ने उनके बेटे पर यह हमला किया है। हालांकि बेटा सुरक्षित है और उन्होंने शिकायत नयागांव थाना पुलिस को दे दी है। बिष्ट का कहना है कि उनके बेटे पर हमला करने के पीछे यह राजनीतिक साजिश भी हो सकती है और मुझे और मेरे परिवार को डराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस किसी ने भी यह हरकत की है उसे पुलिस ढूंढ निकालेगी।

कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी से चुनाव लड़ सकती हैं सोनू सूद की बहन मालविका, पर इस शर्त के साथ

मोगा (एजेंसी) फिल्म अभिनेता सोनू सूद की बहन मालविका सूद के कांग्रेस या आम आदमी पार्टी में शामिल होने की चर्चाओं को विराम लग जाने के बाद अब ये तय माना जा रहा है कि मालविका पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक पार्टी के टिकट पर मोगा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। इसके लिए भाजपा ने शर्त रखी है कि सोनू सूद पंजाब में गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करेंगे, तभी पार्टी कैप्टन के दल को मोगा विधानसभा सीट देगी।

इस समय जब भाजपा व पंजाब लोक पार्टी के बीच सीटों के बंटबारे की जमीन तैयार की जा रही है, उस समय फिल्म अभिनेता सोनू सूद की पंजाब में मौजूदगी इन चर्चाओं को हवा दे रही है। हालांकि खुद फिल्म अभिनेता सोनू सूद व उनकी बहन मालविका सूद इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं कि मालविका किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगी। खुद सोनू राजनीति में आने की चर्चाओं पर विराम लगा चुके हैं। गौरतलब है कि शुरुआती दिनों में सोनू सूद की बहन मालविका सूद को लेकर ये चर्चाएं तेजी से छिड़ी थीं कि वह कांग्रेस में शामिल हो सकती हैं या आम आदमी पार्टी में जा सकती हैं। इन चर्चाओं को इसलिए भी बल मिला था, क्योंकि खुद सोनू सूद कैप्टन अमरिंदर सिंह से मिले थे। उस समय कैप्टन पंजाब के सीएम थे। तब उन्होंने कैप्टन से अपनी मालविका सूद को मिलवाया था। हालांकि बाद में चरणजीत सिंह चन्नी व अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद इन चर्चाओं पर विराम लग गया था। दिल्ली के सीएम व आप मुखिया अरविंद केजरीवाल एवं पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी दोनों पिछले दिनों मोगा आ चुके हैं, लेकिन मालविका दोनों में से किसी के कार्यक्रम में नहीं पहुंची थीं। इसके बाद उनकी कांग्रेस या आप में जाने की चर्चाओं का विराम लग चुका है। कैप्टन खेमे में मालविका के जाने की चर्चाओं को दो दिसंबर को उस समय बल मिला जब भाजपा के राष्ट्रीय सचिव डा. नरिंदर राणा प्रदेश महामंत्री जीवन गुप्ता के साथ मोगा पहुंचे थे। उस दिन हालांकि दोनों नेताओं ने जिला भाजपा संगठन की बैठक की थी, लेकिन भाजपा सूत्रों की मानें तो पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जिले के साथ बैठक करने नहीं, बल्कि मालविका को गठबंधन का प्रत्याशी बनाया जाए तो पंजाब की राजनीति पर क्या असर पड़ सकता है, इस संभावना को टटोलने पहुंचे थे। सूत्रों का कहना है कि डा.राणा के दौरे से पहले भाजपा नेतृत्व में इस बात पर चर्चा हो चुकी थी कि अगर सोनू सूद भाजपा के संभावित गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार के लिए तैयार हो जाएं तो मालविका को मोगा से कैप्टन की पार्टी से टिकट दी जा सकती है।

सूत्रों का कहना है कि फिल्म अभिनेता सोनू सूद के साथ चुनाव प्रचार पर अभी सहमति नहीं बनी है, जबकि मालविका को कैप्टन की पार्टी के टिकट की संभावना इसी शर्त पर टिकी है। हालांकि माना जा रहा है कि जब भाजपा व कैप्टन खेमे में सीटों के बंटबारे की लेकर जमीन तैयार हो रही है। ऐसे में सोनू सूद की पंजाब में मौजूदगी को हलके में नहीं लिया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मालविका को लेकर जल्द सहमति बन सकती है। इसकी घोषणा भले ही कुछ देर से हो।

हरियाणा में भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिकों को भी मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ, पंजीकरण शुरू

चंडीगढ़ (एजेंसी) हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में किसानों के साथ-साथ श्रमिकों की आय को भी डबल करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके लिए हरियाणा में असंगठित मजदूरों का पंजीकरण हो रहा है। अब प्रदेश में कार्यरत भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिकों का पंजीकरण भी होगा। पंजीकरण कराने वाले माल गोदाम श्रमिकों को भी केंद्र व राज्य सरकार से जुड़ी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल गत दिवस पंचकूला में भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। बिजली व जेल मंत्री रणजीत चौटाला और विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता भी समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ई-श्रम पोर्टल पर भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिकों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक समाज का असली निर्माता है। 19वीं शताब्दी में जब औद्योगिक क्रांति आई थी, तब उद्योगों के विकास में रेलवे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देश की तरक्की उद्योगों से, उद्योगों की तरक्की रेलवे से और रेलवे की तरक्की श्रमिकों से हुई। किसी भी देश की तरक्की श्रमिकों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा जा रहा है। गरीब व श्रमिकों का भला कैसे हो, इस पर उनका विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि सरकारी संसाधनों पर श्रमिकों का पहला हक है। हरियाणा सरकार कंस्ट्रक्शन (निर्माण), प्रवासी मजदूरों, दुकानदारों, मछुआरे व असंगठित क्षेत्र के अन्य श्रमिकों का पंजीकरण कर रही है। इनका पंजीकरण पूर्ण हो जाने पर उन्हें स्वास्थ्य, बच्चों की पढ़ाई, रोजगार, मकान व सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी 22 योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने श्रमेव जयते योजना शुरू करने पर प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि श्रम ही जीवन है। ईमानदारी व सच्चाई से काम करने वाले की जीत होती है और श्रम से ही समाज आगे बढ़ता है।

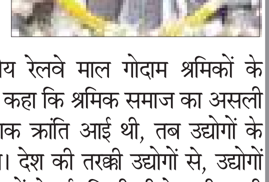

दहेज के लिए शादी से इन्कार मामले में राज्य महिला आयोग ने लिया संज्ञान, जांच को पहुंचीं चेयरमैन

करनाल (एजेंसी) शादी समारोह में दहेज को लेकर हुए विवाद पर राज्य महिला आयोग ने भी कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष प्रीति भारद्वाज जांच के लिए पहुंची तो उन्होंने न केवल पुलिस द्वारा पूरे दिन में की गई कार्रवाई पर सवाल उठाए बल्कि उचित कार्रवाई के निर्देश भी दिए। शाम के समय थाने में पहुंचकर प्रीति भारद्वाज ने दूल्हा व दुल्हन के अलावा उनके स्वजनों से भी विस्तार से बातचीत कर पूरी जानकारी ली तो वहीं पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की भी जांच की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि यह बेहद दुखद ममला है कि जहां सरकार बेटी बचाने व बेटी पढ़ाने को लेकर हर संभव बढ़ावा दे रही है वहीं ऐसे लोग भी है जो सरकारी नौकरी में होते हुए भी दहेज का लालच कर रिश्ता ही तोड़ देते हैं। यह बेहद संवेदनशील मसला है और इस पर कड़ा संज्ञान लिया जाना आवश्यक है। वर्ष 2018 में प्रदेश सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर हर सरकारी कर्मचारी की ओर से दहेज को लेकर ब्यौरा देना होता है तो वहीं शपथ भी दिलाई जाती है। इसके बावजूद दूल्हा व दुल्हन नौकरी में होने के बावजूद ऐसा मामला सामने आना चिंतनीय है। उन्होंने माना कि जांच में सामने आया है कि दूल्हे पक्ष की ओर से कहीं न कहीं दहेज की मांग उठाई गई है। वायरल किए गए आडियो में भले ही दूल्हा मना कर रहा है, लेकिन इससे उसके परिवार के लोगों की नीयत साफ झलकती है। इस मामले पर कड़ा संज्ञान लिया जाएगा। आयोग की अध्यक्ष ने कहा है कि वे पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से भी हैरान है कि शिकायत दिए जाने के बाद पूरा दिन में भी पुलिस ने महज मामला ही दर्ज किया है और दोनों पक्षों के बयान तक पूरी तरह से दर्ज नहीं किए हैं। यहीं नहीं पूरे मामले की जांच के बाद पता चलता है कि इस मामले में दहेज की मांग करने के आरोप के साथ-साथ अन्य कार्रवाई भी कानून अनुसार किए जाने की जरूरत है।

केजरीवाल ने जालंधर में महिलाओं से भरवाए गारंटी कार्ड, कहा- मैं काला हूं पर दिल वाला हूं, मेरी नीयत साफ है

जालंधर (एजेंसी) आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में राजनीतिक सरगर्मी और तेज कर दी है। मंगलवार की अपनी प्रस्तावित पंजाब यात्रा के दौरान उन्होंने रेत माफिया को लेकर जहां अमृतसर में सीएम चन्नी पर हमला बोला, वहीं जालंधर के करतारपुर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचकर महिला सशक्तीकरण मुहिम की शुरूआत की।

केजरीवाल ने इस दौरान कैप्टन अमरिंदर सिंह व वर्तमान चन्नी सरकार पर निशाना साधा। कहा कि यह किसी और का गारंटी कार्ड नहीं है। वह जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं। केजरीवाल ने चन्नी सरकार पर निशाना साधा। कहा कि चन्नी उन्हें काला कह रहे हैं। बता दें कि केजरीवाल ने पिछले दौरों में पंजाब में आप की सरकार बनने पर महिलाओं को एक हजार रुपये देने की घोषणा की हुई है। केजरीवाल के दौरे के दौरान महिलाओं से गारंटी कार्ड भरवाए जाने का कार्यक्रम है। इस मौके पर केजरीवाल के साथ पंजाब के आप संयोजक भगवंत मान भी मौजूद थे। केजरीवाल ने पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह

चन्नी के उस बयान पर तंज कसा जिसमें उन्होंने उन्हें काला कहा था। केजरीवाल ने कहा कि वह काले हैं, लेकिन उनकी नीयत साफ है। जब उन्होंने महिलाओं के एक हजार रुपये महीने देने की घोषणा की तो उनके खिलाफ उल्टी सीधी बातें की जाने लगे। उन्होंने महिलाओं से पूछा कि उन्हें काला भाई पसंद है या नहीं। जालंधर में आयोजित रैली में अरविंद केजरीवाल के साथ पार्टी के पंजाब प्रधान भगवंत मान भी मौजूद रहे। अब सबकी निगाहें इस तरफ हैं कि आज के पंजाब दौरे के दौरान केजरीवाल सीएम फेस की घोषणा करते हैं या नहीं। बता दें, तीन दिन पूर्व कांग्रेस नेत्री अलका लांबा ने चंडीगढ़ में केजरीवाल को चुनौती दी थी कि वह भगवंत मान का नाम सीएम फेस के लिए घोषित करें। अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर आरोप लगाया है कि उन्हीं के विधानसभा हलके में रेता चोरी हो रही है। केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि कुछ दिन पहले ही चन्नी के हलके में लोग रेता चोरी करते हुए पकड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा संभव ही नहीं है कि चरणजीत सिंह चन्नी अपने हलके में हो रही रेता चोरी से अवगत नहीं है। इस मौके पर पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हरपाल सिंह चीमा, राघव चड्ढा, रिटायर्ड आईजी कुंवर विजय प्रताप सिंह, जरनैल सिंह, महिला विंग अध्यक्ष राजविंदर कौर, बलकार सिंह, जालंधर संसदीय क्षेत्र प्रभारी लकी रंधावा समेत अन्य उपस्थित थे। होशियारपुर में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनके पास अनुसूचित जाति के लोगों के लिए 5 वादे हैं। हम बच्चों को मुफ्त शिक्षा, आइएएस, मेडिकल और आइआइटी के लिए मुफ्त कोचिंग, कालेज के छात्रों के लिए मुफ्त विदेशी शिक्षा, मुफ्त मेड सेवा, 18 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए 1000 रुपये प्रति माह देंगे।

कैप्टन की पार्टी का भाजपा से गठबंधन का ब्लू प्रिंट तैयार, शाह व नड्डा से मुलाकात के बाद होगी घोषणा

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब लोक कांग्रेस पार्टी के दफ्तर के शुभारंभ होने के एक दिन बाद ही केंद्रीय जल शक्ति मंत्री व पंजाब में भाजपा चुनाव कमेटी के प्रभारी गजेंद्र सिंह शेखावत कैप्टन अमरिंदर सिंह से मिलने के लिए उनके सिसवां स्थित फार्म हाउस पर पहुंचे।

शेखावत के इस दौरे से स्पष्ट हो गया है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में कैप्टन की पार्टी और भाजपा का गठबंधन तय है। अब बस इसके औपचारिक घोषणा का इंतजार है, जो कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ कैप्टन की मुलाकात के उपरांत कभी भी हो सकता है। उधर, भाजपा के प्रदेश प्रधान अश्वनी शर्मा का कहना है, बतौर प्रदेश प्रधान वह 117 सीटों लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी के सूत्र बताते हैं कि भाजपा और कैप्टन की पंजाब लोक कांग्रेस पार्टी के बीच 70:35 का फार्मूला बन सकता है।

बाकी की सीटों को सुखदेव सिंह ढींडसा की शिरोमणि अकाली दल संयुक्त व अन्य (अगर हुआ) को दी जा सकती हैं। वहीं, बताया जा रहा है कि शेखावत और कैप्टन के बीच वन-टू-वन बैठक हुई। करीब एक घंटे तक दोनों नेता एक साथ रहे। इस दौरान दोनों नेताओं दोपहर का भोजन

भी साथ में किया। वहीं, शेखावत के साथ कैप्टन अमरिंदर सिंह की यह मुलाकात से कांग्रेस पार्टी में बेचैनी देखी जा रही है। क्योंकि कैप्टन अमरिंदर सिंह पहले ही कह चुके हैं कि एक बार आचार संहिता लगने दें, उसके बाद कौन-कौन साथ आता है पता चल जाएगा। माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री के कैप्टन के फार्म हाउस पहुंचने से कांग्रेस में कैप्टन के समर्थकों को भी भरोसा हुआ होगा कि वास्तव में भाजपा कैप्टन की पार्टी के साथ समझौता कर रही है।

हालांकि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी पूर्व में यह बात कही थी कि पंजाब में भाजपा की बातचीत कैप्टन और ढींडसा के साथ चल रही है। इसके बावजूद कैप्टन के समर्थकों में शंका बनी हुई थी। केंद्रीय मंत्री के साथ उनकी मुलाकात के बाद यह शंका भी मिट गई है। वहीं, तीन कृषि कानूनों के वापस होने के बाद से ही राजनीतिक रूप से सबकी नजरें इस बात पर टिकी हुई हैं कि भाजपा और कैप्टन की पार्टी कब पत्ते खोलती है।

पार्टी सूत्र बताते हैं कि कैप्टन और भाजपा के बीच समझौते की रूपरेखा तैयार है। अब बस इसके औपचारिक घोषणा का इंतजार है। कैप्टन की बढ़ती सक्रियता से कांग्रेस में बेचैनी साफ महसूस की जा सकती है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी को पता है कि कैप्टन को मजबूती उन्हीं की पार्टी से मिल सकती है। क्योंकि वह कांग्रेस पार्टी की तरफ से दो बार मुख्यमंत्री और तीन बार प्रदेश प्रधान रह चुके हैं। कैप्टन जितना मजबूत होंगे, कांग्रेस के लिए उतनी ही परेशानी खड़ी हो सकती है।

उधर, कैप्टन की पार्टी और भाजपा के गठबंधन को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रधान अश्वनी शर्मा ने भी संकेत दिए हैं। उनका कहना है, बतौर प्रधान वह 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने न तो गठबंधन होने की बात को स्वीकार किया न ही उसका खंडन किया।

तेजस्वी के सिर सज रहा सेहरा, अब बिहार के इन युवा राजनेताओं पर टिकी नजरें : लिस्ट में श्रेयसी, चिराग समेत कई नाम

पटना (एजेंसी) । बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के पुत्र तेजस्वी यादव की शादी होने जा रही है। दिल्ली में उनकी शादी स्कूल टाइम गर्लफ्रैंड से होने वाली है। अब लोगों की नजरें बिहार के दूसरे युवा राजनेताओं पर टिक गई हैं। उन्हें इंतजार है कि कब इनके सिर पर सेहरा सजेगा। बिहार में सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक में ऐसे युवा राजनेता हैं जिनकी शादी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इनमें दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान भतीजे प्रिंसराज , जमुई की भाजपा विधायक और निशानेबाज श्रेयसी सिंह कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार, प्लूरल्स पार्टी की अध्यक्ष पुष्पम प्रिया , पूर्व सांसद आनंद मोहन के पुत्र चेतन आनंद आदि के नाम शामिल हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार राजनीति में तो नहीं हैं, लेकिन उनकी भी शादी जल्द हो सकती है। सबसे पहले बात करें तो सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार का नाम पहले नंबर पर आता है। बीआइटी मेसरा से इंजीनियरिंग कर चुके निशांत कुमार वैसे तो लाइमलाइट से दूर ही रहते हैं। राजनीति में भी उनकी कोई रुचि नहीं दिखती। वे कई बार कह चुके हैं कि उन्हें आध्यात्म पसंद है। करीब 36 साल के हो चुके निशांत गाहे-बगाहे पिता के साथ नजर आते हैं। हालांकि, उनकी शादी को लेकर कोई चर्चा फिलहाल नहीं हो रही। लेकिन बिहार के लोगों को उम्मीद है कि वे जल्द दूल्हा बनेंगे। दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान जमुई से सांसद हैं। फिल्म अभिनेता से राजनेता बने चिराग की शादी का इंतजार भी लोगों को है। पिछले दिनों उन्होंने कहा था कि पिता के निधन के कारण एक साल तक तो कुछ हो नहीं सकता। दूसरी बात है कि जब अपने धोखा दे देते हैं तो किसी पर भरोसा करना मुश्किल होता है। ऐसे में उनकी प्राथमिकता मां की खुशियां हैं। शादी की बात बाद में देखी जाएगी। कुंवारी नेत्रियों में दो नाम सबसे आगे हैं। इसमें जमुई से ही विधायक और इंटरनेशनल निशानेबाज श्रेयसी सिंह और प्लूरल्स पार्टी की अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी शामिल हैं। बता दें कि कॉमनवेल्थ में गोल्ड जीत चुकीं श्रेयसी पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. दिग्विजय सिंह और पूर्व सांसद पुतुल सिंह की पुत्री श्रेयसी सिंह करीब 30 वर्ष की हैं। अब उम्मीद है कि जल्द उनकी शादी होगी। हालांकि, परिवार की ओर से अभी इस बाबत कुछ चर्चा नहीं है। जेएनयू स्टूडेंट यूनियन के पूर्व अध्यक्ष और वामदल के बाद कांग्रेस से जुड़े कन्हैया कुमार बिहार के बेगूसराय जिले के रहने वाले हैं। मुखर वक्ता के रूप में पहचान रखने वाले कन्हैया कुमार भाजपा के कद्दावर नेता गिरिराज सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। ये भी करीब 34 वर्ष के हैं। इसी तरह जदयू के पूर्व विधान पार्षद डा. विनोद कुमार चौधरी की पुत्री पुष्पम प्रिया चौधरी पिछले विधानसभा चुनाव में खुद को सीएम कैंडिडेट बताकर काफी चर्चा में आई थीं। उन्होंने लंदन से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन और डेवलपमेंट स्टडीज में पोस्ट ग्रैजुएट हैं। इसी तरह पूर्व सांसद आनंद मोहन और लवली आनंद के बेटे शिवहर के राजद विधायक चेतन आनंद का नाम भी कुंवारे राजनेताओं में शुमार है। शादी की बात पूछने पर उन्होंने कहा था कि अभी तो चिराग और तेजस्वी भैया की शादी भी नहीं हुई है। वे करीब 30 वर्ष के हैं।

एक नज़र

भारतीय सेना को ओटीए गया सौंपेगा 99 सैन्य अधिकारी, नौ देशों के अफसर पासआउट में होंगे शामिल

बोधगया (गया) (एजेंसी) । देश का नवीनतम फ्री कमीशनिंग संस्थान अफसर प्रशिक्षण अकादमी, गया में पासिंग आउट परेड 11 नवम्बर को आयोजित किया जाएगा। इस पासिंग आउट परेड में 99 प्रशिक्षु भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त करेंगे। इसमें 7 बिहार के हैं। 9 सैन्य अधिकारी मित्र राष्ट्र श्रीलंका, भूटान व वियतनाम के प्रशिक्षण प्राप्त किये हैं वो भी पासिंग आउट परेड में शामिल होंगे। 60 कैडेट्स आगे की पढ़ाई के लिए सिटीडब्ल्यू मऊ जाएंगे। इसके पहले बुधवार को ओटीए कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जीएवी रेड्डी ने विभिन्न क्रियाकलापों और प्रदर्शन के माध्यम से विश्वस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सैन्य प्रशिक्षुओं को पुरस्कृत किया। तालियों की गूंज के बीच समारोह में प्रशिक्षण के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले विभिन्न कंपनी व कैडेटों को मेडल व ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी कठिन परिश्रम कर इस मुकाम को हासिल किया है। निश्चय ही यह आपके जीवन मे काम आएगा। पासिंग आउट परेड से पहले 10 नवम्बर को मल्टी एक्टिविटी डिस्प्ले का आयोजन किया जाएगा। जिसमे कई मनोरंजक और रोमांचक कार्यक्रम का प्रदर्शन अफसर प्रशिक्षण अकादमी के प्रशिक्षु एवं भारतीय सेना के विभिन्न रैंकिंग की सहभागिता से किया जाएगा। पासिंग आउट परेड में शामिल होने के लिए कमीशन प्राप्त करने वाले अफसरों के स्वजनों को इस बार आमंत्रित किया गया है। पिछली बार कोरोना के कारण आमंत्रित नही किया गया था।

पानी भरे कुएं में मिली महिला की लाश, हत्या और सुसाइड की गुत्थी सुलझाने में लगी कैमूर पुलिस

भभुआ (एजेंसी) । थाना क्षेत्र के मरिचांव गांव निवासी एक लगभग 35 वर्षीय विवाहिता की मंगलवार की सुबह शौच जाने के क्रम में पानी भरे कुआं में गिरकर डूबने से मौत हो गई। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष रामानंद मंडल ने बताया कि इस मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। एसआई राजीव रंजन सिंह ने चिकित्सक के माध्यम से शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया। सीओ तारा प्रकाश के निर्देश पर सीआई अभिमन्यु शुक्ला ने सदर अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने रिपोर्ट वरीय पदाधिकारी को देने का परिजनों को भरोसा दिलाया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की अल सुबह मरिचांव गांव निवासी संतोष सिंह की 35 वर्षीय पत्नी प्रियंका देवी गांव से दक्षिण काली मां स्थल से उत्तर शौच करने गई थी। इसी दौरान मुड़ेर विहिन कुआं के बगल से गुजरने के क्रम में पैर फिसल जाने से कुआं में गिर गई। इसके चलते डूबने से उसकी मौत हो गई। इधर उसके घर न लौटने पर आसपास ढूंढने के बाद परिजनों ने इसकी सूचना थाना को भी दे दी। लेकिन लगभग दस बजे दिन में उधर से गुजर रहे ग्रामीणों नें कुआं में तैरते चप्पल व साड़ी का कुछ अंश देखने पर परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद घटना स्थल पर पहुंचे परिजन व गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना देते हुए शव को कुआं से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। इस मौके पर समाजसेवी अजय सिंह सहित गांव के काफी लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रोहतास जिले के विक्रमगंज अनुमंडल के जोन्ही गांव निवासी प्रियंका का विवाह 15 वर्ष पूर्व मरिचांव के संतोष सिंह के साथ हुआ था। मृतका अपने पीछे 13 वर्षीय पुत्र आयुष व दस वर्षीय पुत्री दीक्षा को छोड़ गई है। अचानक घटी इस घटना से परिजन ही नहीं गांव के लोग भी मर्माहत दिखाई पड़े।

बिहार के बड़े अस्पतालों में आज से बाधित हो सकता है इलाज, जूनियर डाक्टरों ने तेज किया विरोध

पटना (एजेंसी)। बिहार के बड़े अस्पतालों में चिकत्सिा सेवा आज प्रभावित हो सकती है। जूनियर डाक्टर्स एसोसिएशन, बिहार ने मंगलवार को पीजी नीट-2021 की काउंसलिंग में देरी के विरोध में चल रहे फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) के ओपीडी कार्य बहिष्कार को समर्थन देने की घोषणा कर दी है। बुधवार से पीएमसीएच, एनएमसीएच समेत सभी सरकारी मेडिकल कालेजों के जूनियर डाक्टर ओपीडी में सेवाएं नहीं देंगे। हालांकि, इमरजेंसी और सर्जरी कार्यों को बाधित नहीं किया जाएगा। यह जानकारी जूनियर डाक्टर्स एसोसिएशन बिहार के अध्यक्ष डा. कुंदन सुमन ने दी। उन्होंने कहा कि ओपीडी कार्य बहिष्कार की लिखित सूचना स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्राचार्यों व अधीक्षकों को दे दी गई है। डा. कुंदन सुमन ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर जनवरी तक आने की आशंका है। पहली लहर में अस्पतालों में बेड कम पड़े, दूसरी में आक्सीजन संकट और तीसरे में डाक्टरों का संकट होगा। इसका कारण आरक्षण मामले को लेकर कोर्ट में मामला होने के कारण पीजी नीट 2021 की काउंसलिंग में देरी और जूनियर डाक्टरों का एडमिशन नहीं होने से देश में 40 हजार डाक्टरों की कमी है। इसके विरोध में रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के गत 27 नवंबर से जारी कार्य बहिष्कार को देशव्यापी समर्थन मिल रहा है। हमें विश्वास है कि न्यायालय और केंद्र सरकार जल्द सुनवाई खत्म कर नीट-पीजी काउंसलिंग व एडमिशन शुरू कराने की पहल करेंगे।

टीएमबीयू के गेस्ट हाउस पर विवाद शुरू, किराए का पैसा बैंक की जगह जेब में रख रहा केयर टेकर

भागलपुर (एजेंसी) । तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) के गेस्ट हाउस का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहां के केयर टेकर अब गेस्ट हाउस से होने वाली आय को विवि के खाते में जमा नहीं कर रहे हैं। इसे लेकर वहां के इंचार्ज डा. संजय कुमार झा ने प्रभारी कुलपति प्रो. हनुमान प्रसाद पांडेय को रिपोर्ट की है। इस मामले को प्रभारी कुलपति ने गंभीरता से लिया है। उनके आदेश पर कुलसचिव डा. निरंजन प्रसाद यादव ने केयर टेकर महेश राय को नोटिस भेजा है। जिसमें कुलसचिव ने कहा है कि प्रभारी अतिथि आवास के द्वारा विवि को जानकारी दी गई है कि अतिथि आवास का किराया 50 हजार रुपये बैंक खाते में जमा नहीं किया गया है। जो नियम के मुताबिक न्याय संगत नहीं है। यह सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है। इसमें कहा गया है कि अतिथि आवास से प्राप्त हुई आय को संबंधित बैंक खाते में 24 घंटे के अंदर जमा किया जाए। कुलसचिव ने कहा कि कुलपति के आदेश के बाद संबंधित को पत्र जारी किया है। यदि समय से रुपये जमा नहीं होते हैं तो कुलपति के निर्देश पर कार्रवाई होगी। दरअसल, कुछ दिनों पूर्व केयर टेकर महेश राय ने टीएमबीयू से टेंडर प्रक्रिया अपनाए बगैर गेस्ट हाउस का कबाड़ बेच दिया था। इस बारे में विवि को ना तो जानकारी दी गई और ना ही बिक्री की राशि विवि के खाते में जमा की गई। तब भी श्री राय पर आरोप था कि कबाड़ की कीमत लाखों में थी, किंतु इस जानकारी को गौण रख लिया गया।

दरभंगा एयरपोर्ट से आठ घंटे तक होगा परिचालन, पटना एयरपोर्ट पर बढ़ेंगी सुविधाएं

पटना (एजेंसी) । बिहार से विमान यात्रा करने वाले यात्रियों की सुरक्षा संबंधित मामलों एवं एयरपोर्ट की सुरक्षा में लगे कर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए ही बीसीएएस (नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो) की शाखा पटना में शुरू की गई। बीसीएएस की ओर से अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस पर विशेष पहल करते हुए दरभंगा एयरपोर्ट पर फ्लाइट आवर बढ़ाने का अनुरोध नागरिक उड्डयन मंत्रालय से किया गया था। उसकी सहमति मिल चुकी है। अब अब शीघ्र ही दरभंगा से आठ घंटे तक विमानों का परिचालन किया जाएगा। बीसीएएस के संयुक्त निदेशक सह क्षेत्रीय निदेशक अभिमन्यु कुमार सिंह ने बताया कि 1996 से सात दिसंबर को हर साल अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस मनाया जाता है। क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि बीसीएएस पटना, गया व दरभंगा एयरपोर्ट की सुरक्षा से संबंधित मामलों की देखरेख करती है। पटना व गया एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआइएसएफ और दरभंगा एयरपोर्ट के सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएपी 13 को दिया गया है। समय-समय पर बीसीएएस की ओर से सीआइएसएफ व बीएसएपी 13 के सुरक्षाकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। बीसीएएस की ओर से अभी दरभंगा एयरपोर्ट पर तैनात बीएसएपी के जवानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दरभंगा एयरपोर्ट से अभी प्रतिदिन लगभग

ढाई हजार यात्री प्रतिदिन आते-जाते हैं। पिछले एक साल में यहां पांच लाख से अधिक यात्री आए-गए हैं। बिहार में विमानन उद्योग में अपार संभावनाएं हैं। ऐसे में बीसीएएस की भूमिका बढ़ जाती है। क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां यात्री सुविधाओं में काफी इजाफा होगा। निर्माण कार्य तेजी पर है और 2023 तक इसके पूरा होने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस पर उन्होंने सभी विमान यात्रियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मधुबनी में अविनाश के स्वजनों का अनशन तीसरे दिन जारी

पिता की बिगड़ी तबियत

मधुबनी (बेनीपट्टी) (एजेंसी) । अविनाश हत्याकांड में न्याय को लेकर स्वजनों का आमरण अनशन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी है। अनशन के दूसरे दिन मृतक अविनाश के पिता दयानंद झा की हालत बिगड़ने लगी। अनशन स्थल पर ही उन्हें स्लाइन चढ़ाया जा रहा है। इधर, अनशन के समर्थन में विभिन्न दलों के नेताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का अनशन स्थल पर पहुंचना शुरू हो चुका है। अनशनकारियों के स्वास्थ्य की जांच डॉ. पीएन झा कर रहे हैं। अनशन पर बैठे अविनाश के भाई त्रिलोक झा, जिला परिषद प्रतिनिधि रंधीर झा, सामाजिक कार्यकर्ता आनंद ठाकुर की सेहत में भी गिरावट आने लगी है। रंधीर झा ने बताया कि प्रशासन अगर समय रहते अविनाश के अपहरण होने के बाद से कार्रवाई कर रही होती तो आज स्वजनों को अनशन पर बैठने की नौबत नहीं आती। अविनाश का अपहरण नौ नवम्बर को हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उसी दिन उसकी हत्या भी कर दी गई। आज 28 दिन हो गए, लेकिन

पुलिस प्रशासन के पास यह जवाब नहीं है कि अविनाश की हत्या की वजह क्या है और किसने उसकी हत्या की। अनशन पर बैठे भाई त्रिलोक झा ने कहा कि अविनाश हत्याकांड के 28 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस साजिशकर्ता व मास्टर मांइड को अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। अविनाश अपहरण व हत्याकांड में सबसे बड़ी प्रशासनिक लापरवाही है। भाजपा विधायक विनोद नारायण झा ने अनशन स्थल पर पहुंचकर स्वजनों से जानकारी ली। अनशन के समर्थन में रौशन मिश्रा, जिला परिषद अल्का झा, मुकेश झा, भाजपा महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष खुशबू कुमारी, जिला परिषद मनीष झा, अमित मिश्रा, संतोष झा, हैप्पी मिश्रा, भगवानजी झा, संजीव झा, दीपक मिश्रा, संजीव मिश्रा, अमरेन्द्र कुमार, शम्भु कुमार, कालीशचन्द्र झा कन्हैया, सुमन राम, कृष्णानंद झा सहित अन्य लोग मौजूद थे। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष खुशबू कुमारी ने सरकार से बुद्धिनाथ झा उर्फ अविनाश हत्याकांड की सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग की है।

कहा कि आरटीआई कार्यकर्ता एवं पत्रकार बुद्धिनाथ झा उर्फ अविनाश की निर्मम हत्या के 28 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। इससे लोगों में रोष है। कहा कि सरकार व प्रशासन अविनाश हत्याकांड को गंभीरता से लेकर उच्चस्तरीय अनुसंधान करा हत्यारे को स्पीडी ट्रायल के तहत कठोर से कठोर सजा दिलाए। प्रशासन दोषी को बख्शे नहीं, निर्दोष को फंसाए नहीं।

भागलपुर की महिलाएं बनेंगी हुनरमंद और आत्मनिर्भर, उद्योग विभाग से मिलेगा सिलाई-कटाई का प्रशिक्षण

भागलपुर (एजेंसी) । स्वरोजगार की आस लगाए महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। उद्योग विभाग अब महिलाओं को सिलाई कटाई का प्रशिक्षण दिलाएगी। जिला में सिलाई कटाई का प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण होगा। वहीं, प्रशिक्षु महिलाओं के रहने के लिए आवास का भी निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए जगहों के चयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक संजय कुमार वर्मा ने कहा कि महिलाओं को सिलाई कटाई का प्रशिक्षण दिलाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए जिला में प्रशिक्षण केंद्र सह आवास का निर्माण कराया जाएगा। जिला उद्योग केंद्र के पुराने भवन, प्राचार्य सिल्क अनुसंधान संस्थान के समीप सहित दो अन्य जगहों का प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा गया है।

मुख्यालय से स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सिलाई कटाई प्रशिक्षण केंद्र में अत्याधुनिक मशीनें भी लगाई जाएंगी। जहां मास्टर ट्रेनर महिलाओं को प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को रोजगार से जोडने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। प्रशिक्षण बाद महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। उद्योग विभाग के सचिव और निदेशक बुधवार को वीडियो कांफ्रेंड्क्षसग के जरिये जिला में नव प्रवर्तन योजना के तहत संचालित क्लस्टर के कार्यों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा के बाद जिला में क्लस्टर के कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। बताते चलें कि कोरोना संकट के दौरान दूसरे प्रदेशों से अपने घर लौटे श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने के लिए नव प्रवर्तन योजना की शुरुआत की गई। जिला में नव प्रवर्तन योजना के तहत पांच क्लस्टर खोले गए। इसके लिए उद्योग विभाग की ओर से जिला को 50 लाख रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ था। बिहपुर रेडिमेड गार्मेंटस निर्माण स्वाबलंबी सहकारी समिति को अब तक तीन लाख 82 हजार 165 रुपये उपलब्ध कराए गए। वहीं, बिहपुर रेडिमेड गार्मेंटस निर्माण स्वाबलंबी सहकारी समिति कमालचक जगदीशपुर को पांच लाख 79 हजार 876 रुपये, सैनेट्री पैड निर्माण स्वाबलंबी सहकारी लिमिटेड सिकंदरपुर भागलपुर को तीन लाख 73 हजार 577 रुपये, बिहपुर प्रखंड प्राथमिक मधुमक्खीपालन हीन प्रोसेड्क्षसग एंड मार्केड्क्षटग सहकारी समिति लिमिटेड बभनगामा भागलपुर को नौ लाख और संत रैदासा फूटवियन उद्योग क्लस्टर नारायणपुर को सात लाख 81 हजार 640 रुपये उपलब्ध कराए गए। विभाग द्वारा कुल 30 लाख 17 हजार 258 रुपये खर्च किए गए।

बिहार में राजद के पूर्व विधायक ने अपने ही बाडीगार्ड से की गंदी हरकत, भोजपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

आरा (एजेंसी) । बिहार में राजद के कुछ विधायक अक्सर अपने कारनामे को लेकर चर्चा में रहते हैं। इस बार पार्टी के एक पूर्व विधायक सरोज यादव ने अपने ही सरकारी अंगरक्षक के साथ ऐसी हरकत कर दी कि उन्हें जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ा। मामला भोजपुर जिले के बड़हरा विधानसभा से जुड़ा है। बड़हरा विधानसभा के पूर्व राजद विधायक सरोज यादव को पुलिस ने मंगलवार की देर शाम गिरफ्तार कर लिया। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी बड़हरा थाना क्षेत्र के काजीचक गांव से हो सकी। छापेमारी का नेतृत्व आरा सदर एसडीपीओ सह एएसपी हिमांशु कुमार कर रहे थे। एसपी विनय तिवारी ने इसकी पुष्टि की है। एसपी के अनुसार पकड़े गए पूर्व विधायक पर पहले से सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने व एससी-एसटी अधिनियम का केस दर्ज हैं, जिसमें फरार चल रहे थे। इसके अलावा पंचायत चुनाव को लेकर प्रचार बंद होने के बावजूद जिला परिषद उम्मीदवार अपनी पत्नी सोशीला देवी के पक्ष में पर्चा वितरण कर जनसंपर्क अभियान चलाने का आरोप है। पुलिस ने स्कार्पियो गाड़ी को भी जब्त किया है। इसे लेकर अलग से आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर प्राथमिकी दर्ज किए जाने का भी आदेश दिया गया है। पकड़े गए पूर्व विधायक बड़हरा के केशोपुर गांव के निवासी हैं। पिछली बार महागठबंधन के टिकट पर विधानसभा चुनाव भी लड़े थे। हालांकि, हार का सामना करना पड़ा था। इधर, पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद पकड़े गए पूर्व विधायक को रातोंरात जेल भेज दिया। बड़हरा के केशोपुर गांव निवासी पूर्व राजद विधायक सरोज यादव की पत्नी सोशीला देवी इस बार बड़हरा पूर्वी क्षेत्र संख्या 28 से जिला परिषद उम्मीदवार हैं।

सेहरा पहनने से पहले दूल्हे राजा को लगी हथकड़ी, दुबई से झारखंड जाते समय पटना में गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) । अपनी शादी के लिए दुबई से झारखंड जा रहे इंजीनियर को पटना में ठहरना भारी पड़ गया। एक होटल से पुलिस ने उसे दो बोतल ब्रांडेड शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। इंजीनियर का कहना था कि वह बोकारो जा रहा था। होटल में कुछ देर रुका। वहां उसे नहीं बताया गया कि बिहार में शराबबंदी है। इस कारण जैसे ही पुलिस रूटीन चेकअप के लिए पहुंची, उसने खुद ही बोल दिया कि उसके पास शराब है। उसे यहां के बारे में पता भी नहीं था। कोतवाली थाना क्षेत्र के स्टेशन गोलंबर स्थित होटल फोर्ट में पुलिस मंगलवार शाम जांच के लिए पहुंची थी। एक कमरे में जब तलाशी के लिए पुलिस पहुंची तो उसमें एक युवक मिला। उसने अपना नाम सुजीत कुमार सिंह बताया। जब उसके ब्रीफकेस की तलाशी ली गई तो उसमें ब्रांडेड शराब की दो बोतलें मिली। पुलिस के मुताबिक दुबई में अमेरिकन कंपनी इनविरो में कार्यरत इलेक्ट्रिकल इंजीनियर सुजीत कुमार सिंह को गिरफ्तार किया। उसके पास से रेड लेबल ब्रांड शराब की दो बोतल बरामद की गई।

बताया जाता है कि मूल रूप से बोकारो स्टील सिटी सेक्टर एक निवासी सुजीत को पटना से रात के समय ट्रेन पकड़नी थी। इस बीच पटना में उसने होटल का कमरा बुक किया। पूछताछ में उसने बताया कि 13 दिसंबर को उसकी शादी होनी है। दुबई से निकलते समय पिता के लिए शराब खरीदी थी। यहां उसे पता नहीं चला कि बिहार में शराबबंदी है। दरअसल पुलिस रूटीन चेकअप के लिए पहुंची थी। तभी सुजीत ने बताया कि उसके पास शराब

की बोतलें हैं। इसका बिल भी उसके पास है। उसने उस समय शराब नहीं पी हुई थी। हालांकि, उसकी दलीलें काम नहीं आईं। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि इसके अलावा कंकड़बाग थाना पुलिस ने नंदन अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या-104 से नशे की हालात में डा.सरोज कुमार पांडेय को गिरफ्तार किया। वह सेना से सेवानिवृत और नंदन अपार्टमेंट का मालिक हैं। कंकड़बाग थाना प्रभारी रविशंकर सिंह ने बताया कि शराब पीने की सूचना पर पुलिस ने मंगलवार की रात फ्लैट में छापेमारी की थी। वहीं दीघा थाना पुलिस ने गेट संख्या-93 स्थित एक घर से शराब पीते बाइसपास निवासी पप्पू कुमार और गौरीचक के रहने वाले शैलेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया। एक आरोपित राजनीतिक पार्टी से जुड़ा बताया जा रहा है।

उधर, पत्रकार नगर थाना प्रभारी मनोरंजन भारती ने बताया कि मद्य निषेध विभाग से पुलिस को सूचना मिली थी कि झारखंड से पंजाब नंबर के एक ट्रक में भारी मात्रा में शराब पटना लाई जा रही है। इसका पता चलने पर तस्कर को दबोचने के लिए न्यू बाइपास के पास 90 फीट सड़क पर जवानों को सक्रिय कर दिया गया। ट्रक को आता देख पुलिसकर्मियों ने चालक को रुकने का इशारा किया। लेकिन चालक रुकने के बजाए ट्रक लेकर भागने लगा। बाद में पुलिस ने पीछा कर ट्रक को रुकवाया और ट्रक में मौजूद पंजाब के पटियाला निवासी ट्रक चालक सिमरनजीत सिंह और फतेहगढ़ साहेब के रहने वाले हरदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक की तलाशी में शराब के कार्टन बरामद हुए। कार्टन गत्ते के पीछे छुपाकर रखे गए थे।

कमिन्स को पांच विकेट, आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 147 रन पर समेटा

ब्रिसबेन (एजेंसी)। पैट कमिन्स ने आस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में अपनी पहली पारी में ही पांच विकेट लिये जिससे उनकी टीम पहले एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां इंग्लैंड को 147 रन पर समेटने में सफल रही। कमिन्स ने आखिरी तीन विकेट निकालकर कुल 38 रन देकर पांच विकेट लिये। उनके साथी तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने दो दो जबकि आलराउंडर कैमरन ग्रीन ने एक विकेट लिया। इंग्लैंड के चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिसमें जोस बटलर ने 39 और ओली पोप ने 35 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड की पारी समाप्त होने के बाद चाय का विश्राम ले लिया गया। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने टॉस जीता, पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और आस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज श्रृंखला की पहली गेंद पर सलामी बल्लेबाज रोरी बर्न्स का विकेट गंवा दिया। बादल छाये हुए थे, पिच पर घास है और ऐसे में रूट का फैसला गलत साबित हुआ। स्टार्क की स्विंग लेती यार्कर पर बर्न्स आते ही पवेलियन लौटे तो इसके बाद हेजलवुड

ने डाविड मलान (छह) और रूट (शून्य) को आउट करके इंग्लैंड का स्कोर छठे ओवर में तीन विकेट पर 11 रन कर दिया। कमिन्स ने स्टार आलराउंडर बेन स्टोक्स को तीसरी स्लिप में मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराकर आस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान के रूप में अपना पहला विकेट लिया। स्कोर हो गया चार विकेट पर 29 रन। सलामी बल्लेबाज हसीब हमीद ने एक छोर संभालकर लंच तक इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 59 रन तक पहुंचाया लेकिन वह 25 रन बनाकर दूसरे सत्र के शुरू में कमिन्स की बाहर जाती गेंद पर दूसरी स्लिप में स्टीव स्मिथ को कैच दे बैठे। पोप और बटलर ने छठे विकेट के लिये 52 रन की साझेदारी करके कुछ देर के लिये विकेट गिरने का क्रम रोका। स्टार्क ने बटलर को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी जबकि पोप भी इसके तुरंत बाद ग्रीन की गेंद पर फाइन लेग बाउंड्री पर कैच दे बैठे। ग्रीन का यह पहला टेस्ट विकेट था। कमिन्स ने इसके बाद ओली रॉबिन्सन (शून्य), मार्क वुड (आठ) और क्रिस वोक्स (21) को आउट करके इंग्लैंड की पारी का अंत किया। यह 1936 के बाद पहला अवसर था जबकि आस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला में पहली गेंद पर विकेट गिरा। संयोग से 1936 का मैच भी गाबा में ही खेला गया था। इंग्लैंड ने पहली गेंद पर विकेट गंवाया और उसका स्कोर तीन विकेट पर 20 रन हो गया लेकिन उसने अच्छी वापसी करके मैच जीता था। इंग्लैंड का आक्रमण कम अनुभवी है क्योंकि जेम्स एंडरसन को विश्राम दिया गया है और स्टुअर्ट ब्रॉड को भी अंतिम एकादश में नहीं चुना गया।

ब्रैडमैन के ऐतिहासिक बल्ले की नीलामी

मेलबर्न (एजेंसी)। दिग्गज बल्लेबाज डोनाल्ड ब्रैडमैन ने 1934 की एशेज श्रृंखला के दौरान जिस बल्ले का उपयोग किया था और जिससे उन्होंने तिहरा शतक भी बनाया था उसे नीलामी के लिये रखा गया है। ब्रैडमैन ने सलामी बल्लेबाज बिल पोंसफोर्ड के साथ 451 रन की साझेदारी के दौरान भी इसी बल्ले का उपयोग किया था। यह बल्ला 1999 से एनएसडब्ल्यू दक्षिणी हाइलैंड्स में बोराल में ब्रैडमैन संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है।

ब्रैडमैन ने यह बल्ला 1934 में इंग्लैंड में पांचों टेस्ट मैच में उपयोग किया था। उन्होंने इस श्रृंखला में 758 रन बनाये थे।

अपने करियर में 52 टेस्ट मैचों में 99.94 की औसत से 6996 रन बनाने वाले ब्रैडमैन ने इस श्रृंखला में इस बल्ले का इस्तेमाल करते हुए हैडिंग्ले में 304 और ओवल में 244 रन बनाये थे। एबीसी.नेट.एयू की रिपोर्ट के अनुसार बल्ले के लिये कोई रिजर्व मूल्य नहीं रखा गया है। ब्रैडमैन का एक अन्य बल्ला 2018 में 110,000 आस्ट्रेलियाई डॉलर में बिका था।

चैंपियन्स लीग के अंतिम 16 में पहुंचा एटलेटिको मैड्रिड

पोर्टो (एजेंसी)। एटलेटिको मैड्रिड ने तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड, मैदान पर झड़प और अंतिम क्षणों में तीन गोल के गवाह बने मैच में पोर्टो को 3-1 से हराकर चैंपियन्स लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतिम 16 में अपनी जगह बनायी। एटलेटिको को क्वालीफाई करने के लिये ग्रुप बी के इस मैच में जीत की जरूरत थी। पोर्टो के पास भी क्वालीफाई करने का मौका था। उसने इस मैच में दूसरे स्थान पर रहकर शुरुआत की थी। वह एटलेटिको और एसी मिलान से एक अंक आगे था। मिलान को लिवरपूल ने 2-1 से हराकर लगातार छठी जीत दर्ज की। ऐसे में पोर्टो और एटलेटिको का मैच महत्वपूर्ण बन गया था। एटलेटिको के दो और पोर्टो के एक खिलाड़ी को लाल कार्ड मिलने के कारण दूसरे हाफ में मैदान छोड़ना पड़ा था।

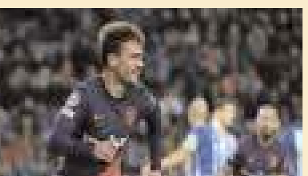

एंटोनी ग्रीजमैन ने 56वें मिनट में एटलेटिको को बढ़त दिलायी। एंजेल कोरिया और रोड्रिगो डि पॉल ने 90 मिनट का खेल होने के बाद गोल करके एटलेटिको की बढ़त 3-0 कर दी। पोर्टो को इसके बाद आखिरी क्षणों में पेनल्टी मिली जिसे सर्जियो ओलिवियरा ने गोल में बदला। इस बीच लियोनेल मेस्सी और काइलन एमबापे के दो दू दो गोल की मदद से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने क्लब ब्रूज को 4-1 से हराया। ग्रुप ए में मैनचेस्टर सिटी को हालांकि आरबी लिपजिग से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। सिटी ग्रुप में शीर्ष पर रहकर जबकि पीएसजी दूसरे स्थान की टीम के रूप में आगे बढ़ने में सफल रही। इस बीच अजॉक्स ने स्पोर्टिंग को 4-2 से हराकर ग्रुप सी में लगातार छठी जीत दर्ज की। अजॉक्स के स्ट्राइकर सेबेस्टियन हालेर ने सभी मैचों में गोल करने का रिकार्ड बनाया। स्पोर्टिंग हार के बावजूद दूसरे स्थान पर रहकर क्वालीफाई करने में सफल रहा। रीयाल मैड्रिड ने ग्रुप डी में इंटर मिलान को 2-0 से हराया। ये दोनों टीमें पहले ही अंतिम 16 में अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी थी।

आईओसी पेंग शुहाई को लेकर आश्वासन देने की स्थिति में नहीं

लुसाने (एजेंसी)। टेनिस खिलाड़ी पेंग शुहाई की चीन में सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि वह उनके मामले में किसी तरह का आश्वासन देने की स्थिति में नहीं है। दो बार की ग्रैंडस्लैम युगल विजेता पेंग शुहाई ने दो नवंबर को सोशल मीडिया पोस्ट में कम्युनिस्ट पार्टी के एक शीर्ष अधिकारी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसके बाद आईओसी के दो वीडियो कॉल के अलावा चीन के बाहर से उनके साथ कोई संपर्क नहीं हो पाया।

आलोचकों का कहना है कि आईओसी अगले साल फरवरी में बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक खेलों को देखते हुए इस मामले में चीन का बचाव कर रहा है। महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) भी पेंग से संपर्क करने में नाकाम रहा है और उसने चीन में होने वाले अपने सभी टूर्नामेंट निलंबित कर दिये हैं। इसके बाद पहली बार मंगलवार को आईओसी को पेंग से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ा। आईओसी प्रवक्ता मार्क एडम्स ने कहा, ''हम आपको पूर्ण आश्वासन नहीं दे सकते हैं। इस प्रक्रिया में हम जो कुछ भी कर सकते हैं वह सबसे अच्छा है और हमारा मानना है कि यह खिलाड़ी के सर्वश्रेष्ठ हित में है।

गिलक्रिस्ट ने कैरी के क्रिकेट सफर को बताया साहसी, कीपर ने लपके 3 कैच

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम गिलक्रिस्ट ने बुधवार को यहां एशेज खेल का उद्घाटन किया गया। समारोह के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी की क्रिकेट यात्रा को साहसी करार दिया इस दौरान उन्होंने क्रिकेट की बैगी ग्रीन कैरी को सौंप दी। एलेक्स कैरी विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम पेन की जगह आए हैं। पेन ने एक पूर्व विवाद में आकर खेल से इस्तीफा दे दिया हैं।

बुधवार को कैरी ने तीन कैच लपके, जिसमें इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मलान (6 रन), जोस बटलर (39) और ओली रॉबिन्सन (0) शामिल थे। इस दौरान इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (5 विकेट) और मिशेल स्टार्क (2 विकेट) और जोश हेजलवुड (2 विकेट) की कुछ आक्रामक गेंदबाजी का सामना करना पड़ा। टेस्ट की शुरुआत से पहले ब्रिसबेन में कैरी को अपनी बैगी ग्रीन कैप देते हुए गिलक्रिस्ट ने कहा, दोस्त, आप इसके लायक हैं। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज के स्थान के लिए एक कठिन क्षण से गुजरने के बाद कैरी पहले दो एशेज टेस्ट के लिए चयनकर्ताओं द्वारा पेन की जगह लेने में सफल हुए। 30 वर्षीय कैरी और जोश इंगलिस में चयन होना था जिसमें चयनकर्ताओं ने कैरी को पसंद किया। इस प्रकार वह पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले 461वें खिलाड़ी बन गए।

बार्टी बनी डब्ल्यूटीए की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

सेंट पीटर्सबर्ग (एजेंसी)। विंबलडन चौंपियन और विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी ऐश बार्टी को दूसरी बार डब्ल्यूटीए की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। बारबोरा क्रेजसिकोवा को सबसे अच्छा सुधार करने वाली खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मंगलवार को वर्ष की युगल टीम का पुरस्कार भी साझा किया। केजिसकोवा 2000 के बाद पहली महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने फ्रेंच ओपन में एकल और युगल का खिताब जीता था। एम्मा रादुकानू को वर्ष की नवोदित खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने 18 वर्ष की उम्र में यूएस ओपन का खिताब जीता। वह पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने क्वालीफाईग दौर से आगे बढ़कर ग्रैंडस्लैम खिताब जीता।

कार्ला सुआरेज नवारो को वर्ष में शानदार वापसी करने वाली खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बार्टी को 2019 में भी डब्ल्यूटीए की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। इस सत्र में उन्होंने विंबलडन के अलावा कुल पांच खिताब जीते और लगातार तीसरे सत्र में वर्ष के आखिर में नंबर एक खिलाड़ी रही।

भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव, कोरिया के खिलाफ मैच रद्द

डोंगहे (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। एशियाई चौम्पियंस ट्राफी में हिस्सा ले रही भारतीय महिला हॉकी टीम की एक सदस्य कोविड-19 के लिये पॉजिटिव पायी गयी है जिसके कारण मेजबान और गत चौम्पियन कोरिया के खिलाफ बुधवार को होने वाला उसका मैच रद्द कर दिया गया। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने पुष्टि की कि एक खिलाड़ी का परीक्षण नतीजा पॉजिटिव आया है जिसके बाद एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) ने अपने ट्विटर हैंडल पर बयान जारी किया लेकिन संबंधित खिलाड़ी की जानकारी नहीं दी। एएचएफने ट्वीट किया, ''एशियाई हॉकी महासंघ को यह सूचित करते हुए खेद है कि टीम इंडिया के नियमित कोविड परीक्षण के दौरान कल एक नतीजा पॉजिटिव आया है। '' एएचएफ ने कहा, ''कोरिया और भारत के बीच आज दोपहर तीन बजे होने वाले मुकाबले का आयोजन नहीं होगा। जल्द ही आगे की जानकारी दी जाएगी। '' पॉजिटिव नतीजे के बाद हालांकि टूर्नामेंट में भारत के बाकी बचे मैचों को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। भारत को

अपने अगले मैच में गुरुवार को चीन से भिड़ना है। महामारी ने मंगलवार को ही टूर्नामेंट को प्रभावित कर दिया था जब भारत का मलेशिया के खिलाफ दूसरा मैच कोविड से जुड़े मुद्दों के कारण रद्द कर दिया गया था। मलेशिया को प्रतियोगिता के कम से कम पहले दो दिन बाहर रहना पड़ा क्योंकि उसकी एक खिलाड़ी नूरुल फैजाह शफीकाह खलीम का दक्षिण कोरिया पहुंचने पर किया गया कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आया था। सूत्रों के अनुसार मलेशिया की तरह भारतीय दल को भी एक खिलाड़ी का परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद पृथकवास पर रहना पड़ सकता है। पिछली बार के उप विजेता भारत ने इससे पहले थाईलैंड को 13-0 से करारी शिकस्त दी थी जिसमें ड्रैग फ्लिकर गुरजीत कौर ने पांच गोल किये थे। भारत अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की महिला रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। महिला एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी का आयोजन पहले 2020 में किया जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे कई बार स्थगित करना पड़ा था।

एशेज सीरीज में एंडरसन और ब्रॉड को टीम में शामिल नहीं करने पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने की आलोचना

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने टीम की आलोचना करते हुए बुधवार को कहा कि गाबा एशेज सीरीज में गेंदबाजी की कमी के कारण इंग्लैंड टीम ने तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर कर दिया। मंगलवार को 12 सदस्यीय टीम में ब्रॉड को शामिल करने के बाद इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के प्लेइंग इलेवन से बाहर करने के कदम ने कई लोगों को हैरान कर दिया क्योंकि गाबा की पिच हमेशा से तेज गेंदबाजों के साथ रही हैं।

इसके बजाय, इंग्लैंड ने तीन तेज गेंदबाजों के रूप में मार्क वुड, ओली रॉबिन्सन और क्रिस वोक्स और बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच को शामिल किया।

एंडरसन को मंगलवार को 12 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया क्योंकि इंग्लैंड टीम के प्रबंधन को लगा कि पांच एशेज टेस्ट सीरीज एंडरसन के लिए थोड़ी कठीन होगी। ऐसी अटकलें थीं कि एंडरसन को चोट लगी थी लेकिन इंग्लैंड के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि ऐसा नहीं था। प्रवक्ता ने कहा, वे खेलने के लिए फिट है और उसे कोई चोट नहीं लगी है। छह सप्ताह में पांच

टेस्ट मैचों के साथ, उसे एडिलेड में दूसरे टेस्ट के लिए तैयार करने की योजना थी। टेस्ट में एंडरसन और ब्रॉड दोनों में 1156 विकेट शामिल हैं। आखिरी बार इंग्लैंड ने एंडरसन (632 विकेट) या ब्रॉड (524) के बिना 2016 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट खेला था। एथरटन ने बुधवार को एसईएन टेस्ट क्रिकेट से कहा, मुझे लगता है कि वे ब्रॉड और एंडरसन के साथ फिटनेस की स्थिति से बहुत सावधान हैं। मुझे नहीं लगता कि ये निर्णय उनकी गेंदबाजी की गुणवत्ता पर हैं। अगर दोनों क्रिकेट खेलते और दो या तीन अभ्यास मैच होते, तो उसमें से कम से कम एक टीम में खेला होता और शायद दोनों भी टीम के हिस्सी हो सकते थे।

एशेज पहला टेस्टः कमिंस बोले, अब तक सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने बुधवार को कहा कि टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के रूप में उनका पहला दिन प्लान के मुताबिक रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उनके साथियों ने गाबा में पहले एशेज टेस्ट

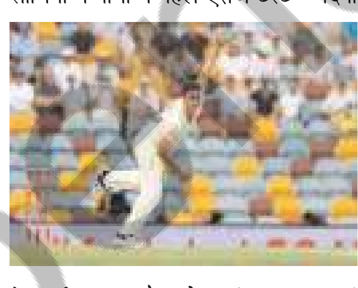

के पहले दिन इंग्लैंड को सिर्फ 147 रन पर ऑल आउट कर दिया, उस पर उन्हें गर्व है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कमिंस ने 13.1 ओवर में 5/38 सबसे ज्यादा विकेट लिए। एशेज टेस्ट में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बने, क्योंकि बॉब विलिस ने 1982/83 में ऐसा किया था। पांच विकेट लेने में बेन स्टोक्स, हसीब हमीद, ओली रॉबिन्सन, मार्क वुड और क्रिस वोक्स के विकेट शामिल है। कमिंस ने बीटी स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में बताया, यह बेहद अच्छा रहा। अब तक सब कुछ योजना के मुताबिक रहा है। वास्तव में मुझे सभी खिलाड़ियों पर गर्व है। लेकिन, बारिश ने पहले दिन का खेल बिगाड़ दिया। टॉस हारने के बाद अच्छा प्रदर्शन करने के बारे में बात करते हुए कमिंस ने कहा, टॉस हारकर शायद हम बल्लेबाजी करने जा रहे थे। लेकिन हमें गेंदबाजी मिली और हमने इसका पूरा फायदा उठाया। पिच के बारे में उनकी टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, कमिंस ने बताया कि गाबा की पिच काफी बेहतर है। आप हमेशा पहले दिन की सुबह अच्छा प्रदर्शन करते हैं। लंच के बाद यहां पिच में थोड़ी उछाल देखने को मिली थी। कमिंस अपने तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क के अच्छे प्रदर्शन से खुश है। उन्होंने एशेज की शुरुआत बेहतरीन तरीके से की हैं, सीरीज की पहली ही गेंद पर रोरी बर्न्स को बोल्ड किया। कमिंस के अनुसार, स्पेल के दौरान वह अच्छा महसूस कर रहे थे।

विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूनार्मेंट शुरू, रांची में खेले जायेंगे 15 मैच

रांची (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी वनडे क्रिकेट टूनार्मेंट बुधवार से शुरू हो गया है। टूनार्मेंट के 15 मैच रांची में खेले जायेंगे। ये मैच रांची के जेएससीए स्टेडियम के अलावा अलावा कॉन स्टेडियम में भी खेले जायेंगे। पहले दिन बुधवार को

तीन मैच होंगे। जेएससीए के मुख्य स्टेडियम में पंजाब और राजस्थान के बीच भिडंत होगी। जेएससीए स्टेडियम के ओवल ग्राउंड में गोवा और असम की बीच मुकाबला होगा, जबकि मेकॉन स्टेडियम में रेलवे और सेना के बीच मैच खेला जायेगा। विजय हजारे ट्रॉफी के इन मैचों को इस लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है कि इस टूनार्मेंट में बाद इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल की मेगा नीलामी होनी है। आईपीएल टीमों के फ्रेंचाइजी की भी इस टूनार्मेंट में प्लेयर्स के प्रदर्शन पर निगाह होगी। रांची में खेले जाने वाले टूनार्मेंट के एलिट ई ग्रुप के मैचों का शेड्यूल तय किया गया है, उसके अनुसार 9 दिसंबर को गोवा और राजस्थान, पंजाब और रेलवे एवं सर्विसेज और असम की टीमों के बीच मुकाबले होंगे। 10 दिसंबर को रेस्ट डे होगा।

11 दिसंबर को गोवा और सेना, पंजाब और असम तथा रेलवे और राजस्थान के मैच होंगे। पंजाब और सेना की टीमें 12 को जेएससीए मुख्य स्टेडियम में भिड़ेंगी। ओवल स्टेडियम में गोवा और रेलवे तथा मेकॉन स्टेडियम में राजस्थान और असम के मैच होंगे। 13 दिसंबर को भी रेस्ट डे होगा, जबकि 14 को रेलवे और असम, राजस्थान और सेना तथा गोवा और पंजाब की टीमें भिड़ेंगी। बता दें कि ट्रॉफी के अन्य मैच तिरुअनंतपुरम, चंडीगढ, राजकोट, मुंबई, गुवाहाटी, और जयपुर में खेले जा रहे हैं। विजय हजारे ट्रॉफी को रणजी स्तर के वनडे टूनार्मेंट के रूप में जाना जाता है। वर्ष 2002-03 में एक सीमित ओवरों के रूप में इस टूनार्मेंट की शुरूआत प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर विजय हजारे के नाम पर की गयी थी। इस टूनार्मेंट में सबसे अधिक तमिलनाडु की टीम ने पांच बार चौंपियनशिप पर कब्जा किया है।

सेरेना का आस्ट्रेलियाई ओपन में खेलना संदिग्ध

मेलबर्न (एजेंसी)। अगले महीने शुरू होने वाले आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट की प्रवेश सूची में सेरेना विलियम्स का नाम नहीं है जिससे माना जा रहा है कि सात बार की चौंपियन साल के इस पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट से बाहर रह सकती है। सेरेना ने विंबलडन के पहले दौर के मैच में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला है और वह विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर खिसक गयी हैं। उन्होंने अपने 23 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब में से आखिरी खिताब 2017 में आस्ट्रेलियाई ओपन में ही जीता था। इस साल के शुरू में उन्हें नाओमी ओसाका ने सेमीफाइनल में सीधे सेटों में हरा दिया था।

नोवाक जोकोविच पुरुषों की प्रवेश सूची में नंबर एक खिलाड़ी के रूप में सूचीबद्ध हैं जिससे संकेत मिलते हैं कि वह सभी खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिये कोविड-19 के पूर्ण टीकाकरण के आस्ट्रेलिया के कड़े नियमों के बावजूद 17 नवंबर से मेलबर्न पार्क में शुरू होने वाले टूर्नामेंट में खेलेंगे।

जोकोविच ने हाल के महीनों में टीकाकरण की अपनी स्थिति पर टिप्पणी नहीं की थी हालांकि उन्हें एक जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले एटीपी कप के लिये सर्बिया की टीम में शामिल किया गया है।

जब वीरेंद्र सहवाग के बल्ले ने उगली आग, वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में ठोका था दोहरा शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज ही के दिन दस साल पहले भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में दोहरा शतक बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने थे। सहवाग ने इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 रन की तूफानी पारी खेली थी। 41 वर्षीय ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 के स्कोर को दर्ज करने के लिए 41 चौके और सात छक्के लगाए थे। बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की इस पारी ने भारत को निर्धारित पचास ओवरों में 418/5 का स्कोर बनाने में सक्षम बनाया था। 419 रन के लक्ष्य के जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 266 रन पर ढेर हो गई थी। इस तरह भारत ने यह मैच 153 रन से जीत लिया था। अपने क्रिकेट करियर में वीरेंद्र सहवाग ने भारत के लिए 251 एकदिवसीय और 104 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने क्रमशः 8,273

और 8,586 रन बनाए। दिल्ली के इस बल्लेबाज ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भारत के लिए दो तिहरे शतक भी बनाए हैं। 200 का व्यक्तिगत स्कोर बल्लेबाजों ने वनडे में सिर्फ आठ बार बनाया है। इनमें से पांच बार भारतीय बल्लेबाजों ने ये कमाल दिखाया है। एक बार क्रिस गेल, एक बार मार्टिन गप्टिल और एक बार फखर जमां ने ऐसा किया है। सचिन तेंदुलकर एकदिवसीय मैचों में दोहरा शतक बनाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने 2008 में ग्वालियर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ये उपलब्धि हासिल की थी। रोहित शर्मा तीन बार वनडे में दोहरा शतक लगा चुके हैं।

उन्होंने 2013 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला दोहरा शतक बनाया। इसके बाद उन्होंने 2014 और 2017 में श्रीलंका के खिलाफ उपलब्धि हासिल की। रोहित के पास एकदिवसीय मैचों में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकार्ड भी है, क्योंकि उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 264 रन की पारी दर्ज की थी।

उन्होंने 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए और 2017 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 208 रन भी दर्ज किए।

बिग बैश लीग के लिए मेलबर्न स्टार्स से जुड़ेंगे वेस्टइंडीज के ऑल राउंडर आंद्रे रसेल

मेलबर्न (एजेंसी)। बिग बैश लीग (बीबीएल) की ओर से मेलबर्न स्टार्स ने बुधवार को घोषणा की है कि वेस्टइंडीज के ऑल राउंडर खिलाड़ी आंद्रे रसेल लीग के मौजूदा सत्र के लिए टीम में शामिल होंगे। रसेल पांच मैच खेलेंगे। कैस अहमद, जो क्लार्क , सैयद फरीदौन और हारिस रउफके बाद इस सीजन में स्टार्स के लिए पांचवें खिलाड़ी के रूप में हस्ताक्षर करेंगे। मुख्य कोच डेविड हसी ने कहा रसेल स्टार्स के लिए पहला मैच शुक्रवार को उनके पिछले बीबीएल क्लब सिडनी थंडर के खिलाफखेलेंगे। हम चाहते हैं कि हमारा स्टार्स परिवार एमसीजी में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को एक्शन मोड में देखे। रसेल ने 2014 से 2017 तक तीन सीजन में बीबीएल में अपना अच्छा प्रदर्शन किया था। रसेल ने थंडर के लिए तीन सीजन में 19 मैच खेले, बीबीएल में उनका आखिरी मैच जनवरी 2017 में था। बीबीएल में उन्होंने 17 पारियों में 166.29 के स्ट्राइक रेट से 296 रन बनाए हैं, जिसमें 21 छक्के शामिल हैं। वहीं, गेंदबाजी से उन्होंने 7.97 की इकॉनमी रेट से 23 विकेट लिए हैं। सिडनी में आने के बाद रसेल वर्तमान में 72 घंटे के लिए होम क्वारंटीन में हैं। उन्होंने

अपनी टीम डेक्कन ग्लैडिएटर्स को अबू धाबी में टी10 लीग खिताब पाने के लिए सिर्फ 32 गेंदों पर नाबाद 90 रन की पारी खेली, जिसमें उन्होंने प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। रसेल को हाल ही में आईपीएल के 2022 सीजन से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिटेन किया था।

रवीना टंडनः डार्क साइड ने हमेशा से ही मुझे आकर्षित किया है

नेटफ्लिक्स पर अपनी सीरीज अरण्यक की रिलीज के लिए तैयार अभिनेत्री रवीना टंडन का कहना है कि उन्हें हमेशा से ही डार्क साइड का आकर्षण रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर थ्रिलर की बढ़ती लोकप्रियता और मांग के बारे में बात करते हुए, रवीना ने कहा कि मुझे नहीं पता कि यह इतना लोकप्रिय क्यों है, लेकिन मैं

इस शैली की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ आपको आकर्षित करती है। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने प्यार किया है और मुझे हमेशा से ही डार्क साइड ने आकर्षित किया है। 1990 के दशक में राज करने वाली अभिनेत्री का कहना है कि वह हॉरर की बहुत बड़ी प्रशंसक नहीं हैं, लेकिन यह सस्पेंस और थ्रिलर शैली है, जो उन्हें टेलीविजन स्क्रीन पर बांधे रखती है। अरण्यक उन कठिनाइयों और पूर्वाग्रहों को उजागर करता है जिनका सामना महिला अधिकारी करती हैं क्योंकि वे अपने काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हैं। घने जंगल में सेट सीरीज में रवीना एक स्थानीय पुलिस वाले की भूमिका निभाती है, जो एक बड़े मामले की प्रतीक्षा करती है। एक अच्छा दिन एक किशोर पर्यटक की हत्या की खबर उसे हिला देती है। **(एजेंसी)**

प्रीति जिंटा को पसंद हैं बर्प क्लॉथ्स, डायपर्स और बेबीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा गुडइनफ इन दिनों अपने नवजात बच्चों जिया और जय की मां बनने का लुत्फउठा रही हैं। उन्होंने अपने जुड़वा बच्चों में से एक को पकड़े हुए एक तस्वीर भी साझा की। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह अपने बच्चे को पकड़े हुए और कैमरे की ओर मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। बच्चे का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है। प्रीति के कंधे पर बर्प का कपड़ा भी था। प्रीति ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, बर्प क्लॉथ्स, डायपर्स और बेबीज, मुझे यह सब पसंद आ रहा है।

पिछले महीने प्रीति ने घोषणा की थी कि वह और उनके पति जीन गुडइनफ जुड़वां बच्चों के माता-पिता बन गए हैं। जीन के साथ अपनी एक तस्वीर के साथ सोशल मीडिया पर बताया था कि अभिनेत्री सरोगेसी से मां बनी है। अभिनेत्री वर्तमान में पति जीन गुडइनफ के साथ लॉस एंजिल्स में रहती है, जिनसे उन्होंने 29 फरवरी, 2016 को शादी की थी। **(एजेंसी)**

हाउसफुल से धमाल मचाने वाले रितेश देशमुख अब बने निर्देशक, पोस्टर के साथ किया पहली फिल्म का एलान

हिंदी सिनेमा में कई कलाकार ऐसे हैं, जो बतौर एक्टर सफल पारी खेलने के बाद निर्देशन में उतरे। अब ऐसे कलाकारों की लिस्ट में रितेश देशमुख भी शामिल हो गये हैं, जिन्होंने एक्टर के तौर पर 20 सालों तक अपनी अदाकारी से लोगों का मनोरंजन करने के बाद निर्देशक में उतरने का एलान किया है। रितेश की निर्देशकीय पारी मराठी फिल्म से शुरू होगी, जिसकी घोषणा उन्होंने फिल्म का शीर्षक रिवील करके की। रितेश की बतौर

निर्देशक पहली फिल्म का नाम वेड है, जिसका इसके साथ रितेश ने लिखा- 20 सालों तक कैमरे के सामने रहने के बाद पहली बार इसके पीछे जा रहा हूं। अपनी पहली फिल्म का निर्देशन करने से पहले विनम्रता के साथ आप स ब क ी शुभकामनाएं और आशीर्वाद मांग रहा हूं। दीवानगी से भरी इस यात्रा में हमसफर बनिए। वेड अगले साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 12 अगस्त को रिलीज होगी। यह एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म है, जिसका संगीत सैराट फेम अजय-अतुल देंगे। फिल्म में जिया शंकर, जिनिलिया देशमुख और खुद रितेश लीड रोल्स निभा रहे हैं। रितेश की इस नई शुरुआत पर कई सेलेब्रिटीज ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। महाराष्ट्र के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे रितेश ने 2003 में आयी फिल्म तुझे मेरी कसम से बतौर लीड एक्टर बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उनकी पत्नी जिनिलिया देशमुख (तब डिसूजा) की भी यह पहली फिल्म थी। **(एजेंसी)**

शादी से पहले हादसे का शिकार हुईं अंकिता लोखंडे, डॉक्टर ने दी बेड रेस्ट की हिदायत

बॉलीवुड और टीवी की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के फैंस के लिए बुरी खबर है। अपनी शादी की तैयारियों में जुटीं अंकिता के पैर में चोट आ गई है। जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा है। अंकिता लोखंडे जल्द अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड विक्की जैन से शादी करने वाली हैं। वह इन दिनों अपनी शादी की जोर-शोर से तैयारियों में जुटी हुई हैं। अंकिता लोखंडे के पैर में मोच आई है। इस बात की जानकारी बॉलीवुड सिलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भियानी ने दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही विरल भियानी ने अंकिता लोखंडे के उस पैर की तस्वीर को भी शेयर किया है, जिसमें मोच आई है। इसके साथ ही अभिनेत्री की तबीयत की जानकारी भी दी है। विरल भियानी ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, अपनी शादी से ठीक पहले, अंकिता लोखंडे को अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा है, क्योंकि उनके पैर में मोच आ गई थी। वह अब ठीक है लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। शुक्र है कि यह बहुत गंभीर चोट नहीं थी। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। अंकिता लोखंडे के फैंस और तमाम सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। साथ ही कमेंट कर उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। आपको बता दें कि अंकिता लोखंडे लगातार अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। वह जल्द ही विक्की जैन से शादी करने वाली हैं। यह दोनों अपनी शादी की तैयारियों में जुटे हुए हैं। अंकिता लोखंडे और विक्की जैन काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। **(एजेंसी)**

जेनिफर लॉरेंस ने पहली बार रेड कार्पेट पर फ्लॉन्ट किया बेबी बंप, साथ में नजर आए लियोनार्डो डिकैप्रियो

हॉलीवुड एक्ट्रेस जेनिफर लॉरेंस एक जाना-माना नाम हैं। चाहे बात एक्शन सीन की हो या उनकी एक्टिंग जेनिफर ने अपने टैलेंट के बल पर हॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। जेनिफर लॉरेंस अपने काम को लेकर

दुनियाभर में जानी जाती हैं। जहां वो ग्लैमरस हैं तो वहीं एक्शन सीन भी वो बड़ी निडरता के साथ करती हैं। जब वे पर्दे पर आती हैं तो उनकी अदायगी और खूबसूरती फैंस का दिल जीत लेती है। उनके ग्लैमर के जलवे सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। रविवार को न्यूयॉर्क शहर में डोंट लुक अप के रेड कार्पेट प्रीमीयर में जेनिफर लॉरेंस ने पहली बार अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया। उनके साथ को-स्टार लियोनार्डो भी नजर आए।

जेनिफर लॉरेंस ने लिंकन सेंटर में आयोजित गाला इवेंट के मौके पर फ्लोर लेंथ ग्लिटरिंग गोल्ड गाउन में अपना जलवा बिखेरा। तो वहीं डिकैप्रियो ने एक फिट नेवी सूट पहना था। दोनों ही स्टार ने अपने लुक से ओल्ड हॉलीवुड ग्लैमर की याद दिला दी। लॉरेंस गोल्ड ग्लिटरिंग गाउन बेहद खूबसूरत और शानदार लग रही थी। डोंट लुक अप फिल्म को एडम मैके के द्वारा लिखा गया है और इसे निर्देशित भी एडम ने ही किया है। **(एजेंसी)**

केदारनाथ के प्रदर्शन के तीन साल पूरे, अभिषेक कपूर ने सुशांत सिंह राजपूत को किया याद

बॉलीवुड निर्देशक अभिषेक कपूर ने अपनी फिल्म केदारनाथ के प्रदर्शन के तीन साल पूरे होने पर फिल्म के अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को याद करते हुए एक बीटीएस तस्वीर और एक इमोशनल नोट सोशल मीडिया पर शेयर किया है। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत और सारा अली खान स्टारर फिल्म 'केदारनाथ' के प्रदर्शन के तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर फिल्म के निर्देशक अभिषेक कपूर ने बीटीएस तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर कर कैप्शन लिखा, 'इस कहानी के देखने के लिए जोश, जुनून और पूर्ण भक्ति लगी। उसके बारे में सोचने के लिए ये अभी भी मेरे बालों को उठाता है। लेकिन किसकी मेहनत का सबसे अच्छा मीठा

फल तब होत है जब आप जानते हैं कि आपने उन्हें उगाने के लिए पसीने का एक-एक टुकड़ा गिराते हैं।' अभिषेक कपूर ने लिखा, इस प्रयास के लिए पूरी कास्ट और क्रू का बहुत आभारी हूं। सभी के एहसानमंद और प्यार के बीच, मैं मदद नहीं कर सका। लेकिन इस असाधारण आत्मा के गंभीर नुकसान की याद दिलाता हूं, जो इस फिल्म की विरासत में बनी हुई है। मैं अभी भी मंसूर को पवित्र पहाड़ों में महसूस कर सकता हूं, जो इस दुनिया में सभी मासूमियत और सुंदरता को दिखाते हुए एक प्यारी मुस्कान के साथ मुझे फिर से देख रहा है। **(एजेंसी)**

निक ऑफरमैन लास्ट ऑफ अस श्रृंखला में करेंगे अभिनय

हॉलीवुड अभिनेता निक ऑफरमैन को एचबीओ सीरीज द लास्ट ऑफ अस के रीकास्टिंग में बिल की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। अभिनेता कोन ओनील को पहले अतिथि भूमिका के लिए चुना गया था, लेकिन स्थिति के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के अनुसार, शेड्यूलिंग के कारण उन्हें शो से बाहर होने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऑफरमैन बिल के रूप में मुें बार्टलेट के साथ फ्रैंक के रूप में दिखाई देंगे। कलाकारों में जोएल के भाई टॉमी के रूप में गेब्रियल लूना, जोएल की बेटी सारा के रूप में निको पार्कर, और सरकार के सैन्य शासन के खिलाफ सत्ता के लिए संघर्ष कर रहे फायरफ्लाइज प्रतिरोध समूह के नेता, मार्लीन की वीडियो गेम भूमिका को फिर से दोहराएंगे। ऑफरमैन को शायद कॉमेडी सीरीज पार्क्स एंड रिक्रिएशन में रॉन स्वानसन के रूप में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है, जिसमें उन्होंने सात सीजन में अभिनय किया था। वह और उनके पार्क्स एंड आरईसी के सह-कलाकार एमी पोहलर वर्तमान में प्रतियोगिता श्रृंखला मेकिंग इट की सह-मेजबानी कर रहे हैं, जिसके लिए उन्हें एक रियलिटी प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ मेजबान के लिए दो एमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया है। ऑफरमैन के अन्य हालिया टीवी क्रेडिट में नेटफ्लिक्स में देुव्स और कॉलिन इन ब्लैक एंड व्हाइट शामिल हैं। वह अगली बार पाम एंड टॉमी और ए लीग ऑफदेयर ओन सीरीज में नजर आएंगे। **(एजेंसी)**

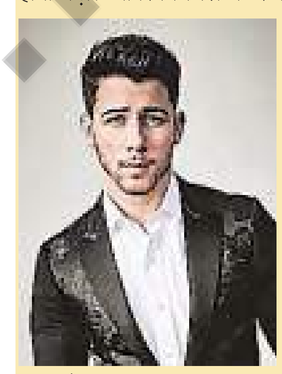

'कभी खुशी कभी गम' के 20 साल पूरे होने को लेकर उत्साहित हैं करण जौहर

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' के प्रदर्शन के 20 साल पूरे होने वाले हैं जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ बच्चन, जया बच्चन,शाहरुख खान,

ऋतिक रोशन, काजोल और करीना कपूर खान ने मुख्य भूमिका निभायी थी। फिल्म कभी खुशी कभी गम 14 दिसंबर 2001 में प्रदर्शित हुयी थी।फिल्म के प्रदर्शन के 20 साल पूरे होने वाले हैं। इसको लेकर करण जौहर खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो को शेयर कर फिल्म निर्माण के अपने उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए कैप्शन लिखा, 20 साल होने जा रहे हैं और मैं भी इस फिल्म को बड़े पर्दे पर रिलीज करने और इसे देखने जा रहे लोगों के उत्साह को महसूस करता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि फिल्म को लेकर मेरे ऊपर ये प्रभाव बहुत बाद में पड़ा है और ये एहसाह तब से रुका नहीं है।मैं त्यौहारों पर सभी वीडियो देखता हूं और मुझे लगता है कि इस फिल्म का म्यूजिक सभी त्यौहारों का हिस्सा है। फिल्म के संवाद और फैशन को लोगों ने अपने दैनिक जीवन में निश्चित रूप से शामिल कर लिया है। मैं ये भी देखता हूं कि इस वक्त के बाद ये सब आपके परिवार से प्यार करने के बारे में है। साथ ही फिल्म निर्माता ने फैंस से इस फिल्मोत्सव सप्ताह में शामिल होना आग्रह करते हुए कहा कि, इस पूरे सप्ताह हमारे साथ फिल्म के 20 साल पूरे होने क जश्न मनाएं। क्योंकि हमारे पास आपके लिए बहुत कुछ हैं। **(एजेंसी)**

प्रियंका चोपड़ा, ऐश्वर्या राय बच्चन और शिल्पा शेट्टी की राह पर कटरीना कैफ, कंगना रनोट ने की तारीफ

साल 2021 में बॉलीवुड की सबसे बड़ी शादी में बस चंद घंटे बाकी हैं। गुरुवार (9 दिसम्बर) को कटरीना कैफ विक्की कौशल से शादी करके आधिकारिक तौर पर कटरीना कैफ कौशल हो जाएंगी। कटरीना और विक्की की शादी कई कारणों से चर्चा में है। इनमें से एक है, दोनों की उम्र का फासला। विक्की, कटरीना से पांच साल छोटे हैं। कंगना ने विक्की और कटरीना की शादी को जेंडर स्टीरियोटाइप तोड़ने वाला करार दिया है। एक सोशल पोस्ट में कंगना ने दोनों कलाकारों का नाम लिये बगैर लिखा कि फिल्म इंडस्ट्री की कामयाब महिलाएं इस बात के लिए बधाई की पात्र हैं कि वो इस धारणा को तोड़ रही हैं कि शादी के लिए लड़की उम्र में छोटी और लड़का बड़ा होना चाहिए। कंगना की इस टिप्पणी की रोशनी में आइए जानते हैं उन बॉलीवुड शादियों के बारे में, जिन्होंने इस जेंडर स्टीरियोटाइप को तोड़ा। कटरीना के बाद इसकी ताजा मिसाल हैं प्रियंका चोपड़ा, जिन्होंने 2018 में अमेरिकन सिंगर और एक्टर निक जोनस के साथ भारत में

हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की थी। प्रियंका की शादी में निक का पूरा परिवार अमेरिका से भारत आया था। जोधपुर के उम्मेद भवन में शादी के कार्यक्रम दो दिन चले थे। प्रियंका, निक से 10 साल बड़ी हैं। उम्र के इस बड़े फासले को लेकर उस वक्त भी काफी कुछ कहा गया था। प्रियंका ने इंटरव्यूज में इसको लेकर बात भी की थी। वैसे, कटरीना और प्रियंका अब एक फिल्म में भी साथ आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन फरहान अख्तर कर रहे हैं। आलिया भट्ट भी मुख्य स्टार कास्ट का हिस्सा हैं। कई साल पहले सारा अली खान की मॉम अमृता सिंह ने भी इस जेंडर स्टीरियोटाइप को ब्रेक किया था, जब उन्होंने खुद से लगभग 12 साल छोटे सैफ अली खान से शादी की थी। सैफ की उम्र उस वक्त सिर्फ 21 साल थी। यह शादी भी खूब चर्चा में रही थी। हालांकि, 2004 में उनका तलाक हो गया था। सैफ ने दूसरी शादी करीना कपूर से की, जो उनसे लगभग 10 साल छोटी हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन, पति अभिषेक बच्चन से 4 साल बड़ी हैं। इन दोनों की शादी कई कारणों से चर्चा में रही थी। दोनों की कैमिस्ट्री देखकर उम्र का पता ही नहीं चलता। 2021 में राज कुंद्रा के पोर्नोग्राफिक फिल्म केस की वजह से शिल्पा शेट्टी सुर्खियों में रही थीं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि वो राज से अलग हो सकती हैं। मगर, शिल्पा ने ऐसी सभी खबरों को गलत साबित किया। शिल्पा, राज से तीन महीने बड़ी हैं। **(एजेंसी)**

दिग्गज अभिनेताओं से भरे परिवार के साथ रहने पर बोले करण देओल

अपनी आगामी फिल्म वेल्ले की रिलीज के लिए तैयार अभिनेता करण देओल का कहना है कि दिग्गज अभिनेताओं से भरे परिवार के साथ रहने से उन्हें उनसे कौशल सीखने को मिलता है।

करण अभिनेता सनी देओल के बेटे और दिग्गज स्टार धर्मेंद्र के पोते हैं। वह वेल्ले में अपने चाचा अभय देओल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते नजर आएंगे। अभय के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए, करण ने कहा कि मैं महान अभिनेताओं से भरे परिवार में रहता हूं, इसलिए मैं स्पष्ट रूप से उनसे सीखता हूं। मेरे चाचा के साथ एक अभिनेता के रूप में काम करने में आराम और सहजता होती है। दोनों उदाहरणों में अलग-अलग बातचीत हुई क्योंकि एक निर्देशक के साथ बातचीत पूरी तरह से अलग है और एक अभिनेता के साथ यह पूरी तरह से अलग है। मैं सेट पर उसके साथ सहज था।

क्राइम-कॉमेडी ड्रामा वेल्ले 10 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म में करण के साथ अभय और सावंत सिंह प्रेमी, विशेष तिवारी, अनन्या सिंह और मौनी रॉय एक विशेष भूमिका में हैं फिल्म के विचित्र शीर्षक पर चर्चा करते हुए, करण ने साझा किया वेल्ले एक ऐसा व्यक्ति है जो अच्छा या बुरा होते हुए भी अपने जीवन में कुछ भी नहीं करता है। इसका शीर्षक ऐसा इसलिए है क्योंकि यह हमारे तीनों पात्रों को सबसे अधिक वेल्ला के रूप में दर्शाता है। करण ने 2019 की हिंदी फिल्म पल पल दिल के पास से अपनी शुरूआत की, जिसका निर्देशन उनके पिता सनी देओल ने किया था। अभिनेता ने इतना लंबा गैप लेने के पीछे की वजह साझा की। उन्होंने कहा, लॉकडाउन मेरे लिए इतना बड़ा गैप लेने का प्रमुख कारण था, लेकिन मैंने इसमें अपना जोश कम नहीं होने दिया। मैंने अपने अभिनय अध्ययन और विभिन्न भूमिकाओं पर काम किया और अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम किया।

एडीएफ इंटरकट एंटरटेनमेंट प्राइवेट वेल्ले प्रस्तुत करता है। लिमिटेड प्रोडक्शन, नंदिनी शर्मा, आरुषि मल्होत्रा और रजनीश खानूजा द्वारा निर्मित, सुनील सैनी, अभिषेक नामा द्वारा सह-निर्मित और देवेन मुंजाल द्वारा निर्देशित है। **(एजेंसी)**

इंडस्ट्री के दोस्तों की शादी का जश्न मनाने के बाद वसीम मुश्ताक ने फिर शुरू की शूटिंग

टीवी शो ससुराल सिमर का 2 में ललित कश्यप का किरदार निभाने वाले अभिनेता वसीम मुश्ताक ने अपने टीवी सहयोगियों की शादी में शामिल होने के बाद शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। कुंडली भाग्य में पृथ्वी की भूमिका निभाने वाले वसीम के करीबी दोस्त और अभिनेता संजय गगनानी ने 28 नवंबर को दिल्ली में अपनी लंबे समय की प्रेमिका और अभिनेत्री पूनम प्रीत के साथ शादी के बंधन में बंध गए

और इसके बाद उन्होंने 30 नवंबर को इंदौर में गुम है किसी के प्यार में के अभिनेता नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा की शादी में शिरकत की। उन्होंने कहा, दिल्ली और इंदौर में अपने दोस्तों के साथ घूमना एक मजेदार अनुभव था। यह एक यादगार अनुभव था। सौभाग्य से, मैं अपने शूट शेड्यूल से बाहर निकलने में कामयाब रहा, लेकिन अब मैं शूटिंग के लिए वापस आ गया हूं। मुझे लगता है कि 2021 एक बेहतर साल था। मेरे दो सबसे अच्छे दोस्तों की शादी हो गई। अभिनेता भाग्यविधाता, मेरे अंगने में और कहां हम कहां तुम जैसे टीवी शो का हिस्सा रह चुके हैं। वसीम का कहना है कि उन्हें गली में बारातियों के साथ नाचने में मजा आया और सालों बाद बस से यात्रा की। कई वर्षों के बाद यह एक अच्छा अनुभव था। मैंने सड़क पर बारात में अपने दोस्तों के साथ किया और मैंने बहुत लंबे समय के बाद बस की सवारी का भी आनंद लिया। यह एक स्मृति होगी। मेरे लिए वास्तव में सबसे अच्छा समय था। **(एजेंसी)**